THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 227 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.8, 2079 मंगलवार, 1 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ : आप सरकार ने एलजी को दोबारा भेजी फाइल

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने एक बार फिर दिल्ली के उपराज्यपाल को "रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान की फ़ाइल भेजी है। इसके पहले जब दिल्ली सरकार ने ये फाइल उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजी थी तो उन्होंने इसे लौटा दिया था और कहा था कि इस कैंपेन से क्या फायदा होगा इसका कोई पुख्ता सबूत नहीं है। इस तरह से ये फाइल दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच इधर से उधर भेजी जा रही है। इस बार दिल्ली सरकार ने फाइल भेजने के साथ ही इस कैंपन से होने वाले फायदों के बारे में भी बताया है।

मोरबी ब्रिज हादसे में पहला एक्शन

ओरेवा कंपनी का मैनेजर, रिपेयरिंग करने वाले कॉन्ट्रैक्टर समेत 9 अरेस्ट

गांधीनगर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को पुल का रखरखाव करने वाली ओरेवा कंपनी के मैनेजर, हाल ही में इस ब्रिज की रिपेयरिंग करने वाले दो कॉन्ट्रैक्टर और दो टिकट क्लर्क समेत 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजकोट रेंज के आईजी अशोक कुमार ने शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 50 लोगों की टीम मामले की जांच में जुटी है। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार बड़े लोगों को कब गिरफ्तार किया जाएगा। इस सवाल पर आईजी ने कहा- अभी तक जिनकी भूमिका सामने आई उन्हें गिरफ्तार किया गया। जैसे-जैसे नाम सामने आते जाएंगे और गिरफ्तारियां होती जाएंगी। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में मृतकों की संख्या सोमवार सुबह 141 पहुंच गई। इनमें 45 की उम्र 18 साल से कम है। मृतकों में महिलाओं और बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। 170 लोग रेस्क्यू किए गए हैं। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे तब हुआ, जब 765 फीट लंबा और महज 4.5 फीट चौड़ा केबल सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। 143 साल पुराना पुल ब्रिटिश शासन काल में बनाया गया था। यह पुल पिछले 6 महीने से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गई थी। हादसे से 5 दिन पहले 25 अक्टूबर को यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया। रविवार को यहां भीड़ क्षमता से ज्यादा हो गई। हादसे की भी यही वजह बताई जा रही है। हादसे का 30 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें 15 सेकेंड के बाद पुल टूट गया और लोग मच्छू नदी में समा गए।

कांग्रेस और बीजेपी के कार्यक्रम स्थगित

अहमदाबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोरबी पुल हादसे को लेकर यहां 31 अक्टूबर से शुरू होने वाली कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा अब 1 नवंबर तक के लिए टाल दी गई है। बीजेपी मीडिया कोऑर्डिनेटर याग्नेश दवे ने कहा कि, 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बीजेपी की पेज कमेटी के सदस्यों को वर्चुअली संबोधित करना था। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने जानकारी दी है कि, पार्टी की पांच परिवर्तन यात्रा जो 31 अक्टूबर को राज्य के विभिन्न हिस्सों से शुरू होगी, अब 1 नवंबर को झंडी दिखाकर रवाना होगी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने जताया शोक घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

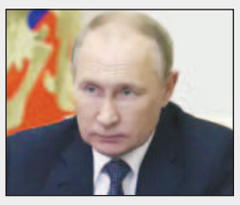

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने गुजरात के मोरबी शहर में पुल हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की है। इस हादसे में अब तक 190 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सोमवार को क्रेमलिन वेबसाइट पर प्रकाशित संदेश में पुतिन ने कहा, 'माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, कृपया गुजरात राज्य में दुखद पुल हादसे के प्रति मेरी संवेदना स्वीकार करें।' रूस की एक समाचार एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, पुतिन ने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रियजनों व दोस्तों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्ति किया। साथ ही उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भी इस हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा, 'कल मोरबी में भयानक त्रासदी हुई! मरने वालों के परिजनों, प्रधानमंत्री मोदी और भारत और गुजरात के सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना! घायलों के शीघ्र स्वास्थ होने की कामना करता हूं!

पुराने संसद भवन में ही आयोजित हो सकता है शीतकालीन सत्र

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र पुराने भवन में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि नए भवन का कुछ निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से आगे बढ़ सकता है। सूत्रों ने सोमवार को ये जानकारी दी। सरकार ने नए संसद भवन को शीतकालीन सत्र से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा था जो आमतौर पर नवंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू होता है।

सूत्रों ने कहा कि इमारत जीवन में एक बार और जटिल परियोजना है जिसका निर्माण एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण टाइमलाइन पर किया जा रहा है, सूत्रों ने कहा कि निर्माण चौबीसों घंटे चल रहा है।

इमारत का सिविल कार्य लगभग पूरा

उन्होंने बताया कि इमारत का सिविल कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन फिनिशिंग टच, इलेक्ट्रिकल समेत कई दूसरे काम इस साल के अंत तक जारी रह सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि भवन के निर्माण के साथ फर्नीचर, कालीन, दीवार पर भित्ति चित्र और अन्य चीजें बनाने का काम चल रहा है। इस समय सही तारीख बता पाना मुश्किल है। इसलिए पुराने भवन में होने वाले शीतकालीन सत्र से इंकार नहीं किया जा सकता है।

सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों को भरोसा है कि बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक नए भवन में होगी। संसद परिसर में निर्माण कार्य के चलते इसके कई प्रवेश और निकास द्वार बंद हैं। नया त्रिकोणीय संसद भवन सेंट्रल विस्टा देश के पावर कॉरिडोर की पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है।

पीएम मोदी ने लौह पुरुष को दी श्रद्धांजलि

बोले-मोरबी हादसे जैसा दर्द कभी अनुभव नहीं किया

केवड़िया, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश आज पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रहा है। इस खास मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरदार पटेल के स्मारक स्थल पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के केवड़िया पहुंचे। उन्होंने यहां सरदार पटेल के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

एक तरफ दर्द से भरा दिल तो दूसरी तरफ कर्तव्य का रास्ता

सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरबी पुल हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों प्रति शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं एकता नगर में हूं लेकिन मेरा मन मोरबी के पीड़ितों के साथ है। मैंने अपने जीवन में शायद ही कभी इस तरह के दर्द का अनुभव किया होगा। एक तरफ दर्द से भरा दिल है तो दूसरी तरफ है कर्तव्य का रास्ता। उन्होंने कहा, मोरबी हादसे के बाद देश का हर नागरिक हादसे के शिकार लोगों के लिए दुआ करने लगा। स्थानीय लोग दुर्घटनास्थल और अस्पताल में मदद के लिए आगे आ रहे हैं। यह देश के एकता की ताकत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पहले की तरह भारत की प्रगति से परेशान ताकतें आज भी मौजूद हैं। वे हमें तोड़ने और बांटने की कोशिश करते हैं। जातियों के नाम पर हमें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश करती हैं। क्षेत्रों के नाम पर हमें बांटने की कोशिश की जा रही है। एक भारतीय भाषा को दूसरी भारतीय भाषा का दुश्मन बनाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं।

भारत नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा

पीएम ने कहा, 2022 में राष्ट्रीय एकता दिवस को बहुत विशेष अवसर के रूप में मैं देख रहा हूं। ये वह वर्ष है जब हमने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं। हम नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज देशभर में 74 हजार एकता दौड़ रन फॉर यूनिटी हो रही है। लाखों लोग जुड़ रहे हैं। देश का जन-जन सरदार वल्लभ भाई पटेल की संकल्प शक्ति से प्रेरणा ले रहा है। अमृतकाल के पंच प्राणों को जागृत करने के लिए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए संकल्प ले रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भी लौह पुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राकांपा प्रमुख शरद पवार की सेहत बिगड़ी, ब्रीच कैंडी में भर्ती

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के दिग्गज विपक्षी नेता व राकांपा प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 81 वर्षीय पवार बीमार होने के बाद भी लंबे समय से राजनीति में सक्रिय बने हुए हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी अहम भूमिका है। पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे नीत महाविकास अघाड़ी सरकार के गठन में उनकी अहम भूमिका थी। अस्पताल सूत्रों के अनुसार पवार की हालत अभी ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें अगले तीन दिन डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा। उनके भावी कार्यक्रम निरस्त किए जाने की भी संभावना जताई गई है। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को ब्रीच केंडी अस्पताल में भीड़ नहीं करने की सलाह दी गई है।

दो तीन दिन बाद डिस्चार्ज किए जाने की संभावना

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पवार को इसी सप्ताह ही अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। वे अगले सप्ताह महाराष्ट्र पहुंचने वाली राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शरीक होने वाले हैं। राकांपा सूत्रों के अनुसार उन्हें अगले दो तीन दिनों में ब्रीच कैंडी से डिस्चार्ज किया जा सकता है। मराठा क्षत्रप का राष्ट्रीय राजनीति में भी अहम योगदान है। वे कई बार केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। लंबे समय तक कांग्रेस में रहने के बाद उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाकर उसकी पहचान कायम की। पवार शिर्डी में 4-5 नवंबर को होने वाले पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। भारत जोड़ो यात्रा में पवार के साथ ही शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे के भी शामिल होने की संभावना है। ठाकरे को न्योता भेजा गया है, लेकिन अभी उन्होंने इसे मंजूर नहीं किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर पर राहुल गांधी का तंज

'अंतर्राष्ट्रीय पार्टी भी बना सकते हैं, क्या विपक्षी एकता के रास्ते में बनेंगे बाधा?'

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने एक ऐसी बात कही है, जो 2024 में विपक्षी एकता के रास्ते में बाधा बन सकता है। तेलंगाना के रंगारेड्डी में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने टीआरएस से गठबंधन की संभावनाओं से इंकार किया।

इसके साथ ही उन्होंने केसीआर की नेशनल पार्टी को लेकर भी तंज किया। गौरतलब है कि साल 2024 में विपक्षी एकता के साथ कांग्रेस और अन्य पार्टियां भाजपा का मुकाबला करने का मंसूबा पाले हुए हैं। बीते दिनों बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने दिल्ली में कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी। केसीआर भी बिहार गए थे। इसे विपक्ष को जोड़ने की कवायद माना गया था, हालांकि राहुल का ताजा बयान कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को लगता है कि वह एक राष्ट्रीय पार्टी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर गलत राय कायम कर ली गई है। हकीकत में ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। जब राहुल से पूछा गया कि केसीआर अपनी पार्टी का नाम भारत राष्ट्र समिति कर रहे हैं तो उन्होंने तंजिया अंदाज में जवाब दिया।

राहुल ने कहा कि अगर केसीआर राष्ट्रीय पार्टी बना रहे हैं तो ठीक हैं। वह चाहें तो एक अंतर्राष्ट्रीय पार्टी भी बना सकते हैं और चीन, ब्रिटेन में चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि केवल कांग्रेस की विचारधारा ही, भाजपा की विचारधारा को हरा सकती है।

गौरतलब है कि साल 2023 में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहां पर कांग्रेस और टीआरएस के बीच गठबंधन की संभावनाओं की चर्चा चल रही थी। वहीं, पहले भी कई कांग्रेसी नेता इस संभावना को नकार चुके हैं। अब राहुल गांधी ने भी जिस तरह इसे नकारा है और जिस अंदाज में केसीआर पर तंज किया है, उससे स्पष्ट हो गया है कि दोनों दलों का साथ होना मुश्किल है। राहुल ने कहा कि कांग्रेस एक गणतांत्रिक पार्टी है हमारे डीएनए में तानाशाही नहीं है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हाल ही में अपने अध्यक्ष का चुनाव किया है।

किसी भाषा का विरोधी नहीं, मगर अपनी मातृभाषा को जिंदा रखना होगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर दिल्ली के सरदार पटेल स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शिरकत की। इस मौके पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मैं किसी भाषा के सीखने का विरोधी नहीं हूं, मगर अपनी मातृभाषा को जिंदा रखना होगा।

अमित शाह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बुनियादी शिक्षा स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए, मैं छात्रों से अपनी मूल भाषा और बोली को जीवित रखने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से अंग्रेजी की जानकारी को बुद्धि की क्षमता के साथ जोड़ दिया गया है। भाषा सिर्फ अभिव्यक्ति है, क्षमता का परिचायक नहीं है। अगर आपके अंदर क्षमता है, तो दुनिया को आपको सुनना ही होगा, चाहे आप किसी भी भाषा में बोले।

अमित शाह ने कहा कि अगर आपको अपनी क्षमता बढ़ाना है, तो ये आपकी अपनी मातृभाषा में ही होगा। दूसरी भाषा में सोचने से उसकी प्रिक्रिया कम हो जाती है। मातृभाषा को जिंदा रखना होगा और उसे आगे बढ़ाना होगा। अगर हम सोचते हैं कि अंग्रेजी जिसको अच्छी आती है, वो ही देश के विकास में योगदान कर सकता है, तो हम सिर्फ 5 प्रतिशत लोगों को ही देश के विकास से जोड़ते हैं।

अगर अपनी भाषा में बोलने, लिखने और अनुसंधान करने वाला बच्चा देश के विकास की प्रक्रिया में नहीं जुड़ता है, तो हम 95 प्रतिशत बच्चों को देश के विकास की प्रक्रिया से काट देते हैं। अमित शाह ने कहा कि इससे समाज के दो हिस्से हो जाते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि बच्चों से अपनी मातृभाषा में ही बात करें।

शीतकालीन सत्र में देशद्रोह कानून में कर सकते हैं बदलाव : केंद्र

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) के तहत देशद्रोह कानून में बदलाव ला सकती है। शीर्ष अदालत देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली कुछ याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस भी जारी किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत ने जनवरी के दूसरे सप्ताह में सुनवाई के लिए देशद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों को सुनवाई की तारीख आगे बढ़ा दी।

अटॉर्नी जनरल ने मांगा और वक्त

मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि केंद्र को कुछ और समय दिया जाए क्योंकि संसद के शीतकालीन सत्र में कुछ हो सकता है। वेंकटरमणि ने कहा कि यह मुद्दा संबंधित अधिकारियों के विचाराधीन है और इसके अलावा 11 मई के अंतरिम आदेश के मद्देनजर चिंता का कोई कारण नहीं है, जिसने प्रावधान के उपयोग को रोक दिया था। अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणि ने कहा कि इस अदालत द्वारा 11 मई, 2022 के आदेश में जारी निर्देशों के संदर्भ में मामला अभी भी संबंधित अधिकारियों के ध्यानार्थ है। उन्होंने अनुरोध किया कि कुछ अतिरिक्त समय दिया जाए ताकि सरकार उचित कदम उठा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, आरोपी जा सकते हैं अदालत

भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए देशद्रोह को अपराध बनाती है। इससे पहले मई में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि जब तक सरकार इसकी समीक्षा नहीं करती और जेल में बंद लोग जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं, तब तक विवादास्पद देशद्रोह कानून पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, जो देशद्रोह के अपराध को अपराध बनाती है, उसे तब तक स्थगित रखा जाए जब तक कि सरकार द्वारा कानून की समीक्षा करने की कवायद पूरी नहीं हो जाती। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण, जस्टिस सूर्यकांत और हेमा कोहली की पीठ ने केंद्र सरकार और राज्यों से धारा 124 ए के तहत कोई भी मामला दर्ज नहीं करने को कहा था। पीठ ने कहा कि अगर भविष्य में ऐसे मामले दर्ज किए जाते हैं, तो पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं और अदालत को इसका तेजी से निपटान करना होगा।

कैदियों को मिले मतदान का अधिकार, पीआईएल पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की जेलों में बंद कैदियों को मतदान का अधिकार देने की मांग उठी है। इसे लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी जवाब मांगा है।

पीआईएल के जरिए जनप्रतिनिधित्व कानून के उस प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है, जो कैदियों को मतदान से वंचित करता है। प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित, जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने वकील जोहेब हुसैन की याचिका पर संज्ञान लेते हुए गृह मंत्रालय व चुनाव आयोग को नोटिस जारी किए हैं। यह याचिका 2019 में आदित्य प्रसन्न भट्टाचार्य ने दायर की थी। उस वक्त वे नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी थे। याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 62(5) की वैधता को चुनौती दी गई है।

रेप की जांच के लिए टू-फिंगर टेस्ट पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-ये साइंटिफिक नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुनवाई की

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने रेप केस में टू-फिंगर टेस्ट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हेमा कोहली की बेंच ने यह चेतावनी भी दी है कि इस तरह के टेस्ट करने वाले व्यक्तियों को कदाचार का दोषी ठहराया जाएगा। बेंच ने कहा कि दुर्भाग्य है कि यह टेस्ट आज भी जारी है।

बेंच ने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थिति में यौन उत्पीड़न या रेप सर्वाइवर का टू फिंगर टेस्ट नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ सुनवाई की, जहां कोर्ट ने आरोपियों को रिहा कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

सेक्शुअली एक्टिव महिला का रेप नहीं हो सकता यह धारणा गलत

बेंच ने एक रेप केस में फैसला सुनाते हुए कहा कोर्ट ने बार-बार रेप केस में टू फिंगर टेस्ट नहीं करने का आदेश दिया है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसके बजाय यह महिलाओं को बार-बार रेप की तरह ही प्रताड़ित करता है। यह टेस्ट एक गलत धारणा पर आधारित है कि एक सेक्शुअली एक्टिव महिला का बलात्कार नहीं किया जा सकता है।

मेडिकल सिलेबस से भी हटाया जाए

बेंच ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश भी दिया कि टेस्ट से जुड़े दिशा-निर्देश सभी सरकारी और निजी अस्पतालों तक पहुंच जाएं। इसके अलावा कोर्ट ने हेल्थ वर्कर्स को वर्कशॉप के जरिए विक्टिम की जांच करने वाले दूसरे टेस्ट की ट्रेनिंग देने भी कहा। साथ ही मेडिकल सिलेबस का रिव्यू करने कहा है, ताकि इसे हटाया जा सके और भावी डॉक्टर्स इस टेस्ट की सलाह न दें।

क्या है टू-फिंगर टेस्ट?

यह एक मैन्युअल प्रक्रिया है। इसके तहत डॉक्टर पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में एक या दो उंगली डालकर टेस्ट करते हैं कि वह वर्जिन है या नहीं। इससे वहां उपस्थित हाइमन का पता भी लगाया जाता है। इस प्रक्रिया की तीखी आलोचना होती रही है। यह किसी पीड़िता की गरिमा के खिलाफ है। इसके अलावा यह अवैज्ञानिक भी है और जानकार मानते हैं कि इससे यह पता लगा पाना मुश्किल होता है कि रेप हुआ है या नहीं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून क्या कहते हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही टू-फिंगर टेस्ट को अनैतिक बता चुका है। रेप के केस में अकेले हाइमन की जांच से सब कुछ पता नहीं चलता है।

वैश्य समाज के सभी घटक एक होकर आगे बढ़ें : डा. गिरीश कुमार संघी

भिवाड़ी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. गिरीश कुमार संघी ने आज वैश्य समाज के विभिन्न घटकों को अपनी अलग अलग पहचान के बजाय वैश्य समाज की एक पहचान को आगे रखने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के घटकों को एकजुट करने में मदद मिलेगी। डॉक्टर संघी यहां अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के अलवर जिला की भिवाड़ी इकाई द्वारा आयोजित 14वां जिला स्तरीय वैश्य प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन भिवाड़ी इकाई ने रविवार को अलवर बाईपास स्थित वेदांता फार्म्स में किया था। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज के सभी घटक एक हो जाए तो सत्ता वैश्य समाज के पास रहेगी।

इस कार्यक्रम में वैश्य समाज के 256 प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में आईएएस में चयनित मुकुल जैन, आरजेएस में चयनित ऋषि गुप्ता, शशीकान्त गुप्ता, आईडीएएस में चयनित निधि गोयल, भारतीय लेखा सेवा में चयनित केतन गुप्ता एवं एमबीबीएस करने वाले 10, आईआईटी पास 15, सीए पास 26 युवाओं सहित बारहवीं एवं दसवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 200 प्रतिभाशाली बच्चे शामिल थे। समारोह में अन्तर वैश्य समाज विवाह करने वाले और जिले में अच्छा कार्य करने वाली वैश्य समाज की विभिन्न शहरों की इकाइयों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर ने कहा कि आने वाले वर्षो में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनेगा। ये वैश्य समाज के युवाओं के बल पर संभव होगा। इसके लिए युवाओं को देश को नई दिशा देनी होगी। युवा व्यापार और उद्योग के साथ राजनीति में भी भागीदारी बढ़ाए। ये वैश्य समाज की एकता के बल पर ही संभव होगा।

अतिविशिष्ट अतिथि रमेश चन्द खण्डेलवाल ने वैश्य समाज के युवाओं को आगे बढने के लिए खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन और उनका प्रायोजक बनने की बात भी कहीं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि संसद में कोई भी पार्टी वैश्य समाज के हक की बात नहीं करती है। हमें अपने हक की बात संसद में रखने के लिए संसद में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। समारोह में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल ने वैश्य समाज के अलग अलग घटकों की बात न करके, एक मात्र वैश्य समाज की बात करने और युवाओं की नैसर्गिक प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कहीं। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि गिरीश कुमार संघी, अति विशिष्ठ अतिथि रमेश चन्द खण्डेलवाल, विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर, राष्ट्रीय सचिव बनवारी लाल सिंघल, अग्रवाल महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, अखिल भारतीय खण्डेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चन्द गुप्ता, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता सहित अन्य के द्वारा दीप प्रज्जवलन के बाद हुई।

इस अवसर पर संरक्षक ग्यारसीराम गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष विजय अग्रवाल, डी के गोयल, महावर समाज अध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, खण्डेलवाल समाज अध्यक्ष अशोक खण्डेलवाल, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष हर्ष महेश्वरी, विजयवर्गीय समाज अध्यक्ष विधान विजयवर्गीय, रूस्तगी समाज अध्यक्ष संदेश रूस्तगी, भिवाड़ी इकाई महिला अध्यक्ष कामिनी सिंघल, सचिव नीलम बंसल, इरा गुप्ता, युवा अध्यक्ष सुमित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाज के लोग उपस्थित थे।

105 वर्षीय नेगी बूथ आकर करेंगे मतदान

देश के पहले वोटर ने लौटाया 12डी फॉर्म; 1.59 लाख लोगों को मिली सुविधा

शिमला, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के पहले वोटर 105 वर्षीय श्याम शरण नेगी 12 नवंबर को बूथ पर जाकर मतदान करेंगे। उन्होंने चुनाव विभाग को 12-डी फॉर्म यह कहकर लौटा दिया कि वह पोलिंग बूथ पर जाकर ही वोट डालना चाहते हैं।

निर्वाचन विभाग ने भी नेगी के इस फैसले का स्वागत किया और अब वह 12 नवंबर को वोटिंग वाले दिन श्याम शरण नेगी का रेड कारपेट वेलकम करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी खुद उन्हें लेने उनके घर जाएंगे और लोकतंत्र के महापर्व पर आहुति डालने में उनका सहयोग करेंगे।

80 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए सुविधा

निर्वाचन विभाग ने 80 साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए 12-डी फॉर्म की सुविधा शुरू की। इस योजना के तहत 80 साल या इससे ऊपर की उम्र का जो भी व्यक्ति घर रह कर ही वोट डालना चाहता है, विभाग उसे घर पर ही वोट डालने की सुविधा देगा। इसके अलावा यह फॉर्म दिव्यांगों और कोविड-19 मरीजों के लिए भी जारी किया गया। यह सुविधा देश के पहले वोटर किन्नौर के रहने वाले श्याम शरण नेगी को भी दी गई, लेकिन उन्होंने इसका लाभ उठाने से इनकार कर दिया।

सिर्फ 40 हजार लोग उठाएंगे सुविधा का लाभ

हिमाचल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही निर्वाचन विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में 80 साल से अधिक की आयु वाले लोगों के लिए 12 डी फॉर्म जारी किए। विभाग ने 1,59,488 लोगों को 12डी फॉर्म जारी किए। इसमें से विभाग को सिर्फ 40 हजार फॉर्म ही वापस मिले हैं, जिसमें लोगों ने विभाग से घर से ही वोटिंग करवाने की मांग की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने कहा कि 80 साल से अधिक की आयु वाले लोगों की सुविधा के लिए घर से वोटिंग करवाने को विभाग ने 12डी फॉर्म जारी किया था, जिसमें से विभाग को 40 हजार फॉर्म वापस मिले। अब विभाग उन्हें घर पर बैलेट पेपर जारी करके वोटिंग करवाएगा। यह पूरी तरह गोपनीय होगा और इसकी वीडियोग्राफी की जाएगी।

सीएजी करेगा बीएमसी के कामों का ऑडिट

सीएम शिंदे ने दिया आदेश, उद्धव के लिए खड़ी हो सकती है मुसीबत

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के सामने एक और मुसीबत खड़ी हो सकती है। दरअसल, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा बीते दो सालों के काम-काम का ऑडिट कराने के निर्देश जारी किए हैं। इसके लिए उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का रुख किया है। गौरतबल है कि बीते 24 अगस्त को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में बीएमसी के कामों का कैग ऑडिट कराने की घोषणा की थी।

2019 से हुए कामों की होगी जांच

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से जारी आदेश के तहत बीएमसी द्वारा 28 नवंबर, 2019 से 28 फरवरी, 2022 के बीच हुए कामों का ऑडिट कराने का फैसला लिया गया है। इस अवधि में राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार थी। इस आदेश के बाद बीएमसी की 12 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं अब कैग के दायरे में आ गई हैं।

कोरोना के दौरान धांधली का है आरोप

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन सरकार पर कोरोना महामारी के दौरान धांधली का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून व जुलाई 2021 में बीएमसी ने अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट के आदेश जारी किए थे। इसका कॉन्ट्रैक्ट ब्लैक लिस्टेट कंपनी को दिया गया था। इसके अलावा अन्य निविदाएं भी जांच के दायरे में हैं।

असम के कुछ और क्षेत्रों से हटेगा अफस्पा

सीएम हिमंत सरमा ने दिया संकेत

गुवाहाटी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के कुछ और इलाकों से सशस्त्र बिल विशेषाधिकार कानून एएफएसपीए से हटाया जा सकता है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस आशय के संकेत दिए हैं। सीएम सरमा ने कहा कि उनकी सरकार दो क्षेत्रों से यह कानून हटाने पर विचार कर रही है। सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून-1958 को एक अक्तूबर को असम में छह माह के लिए बढ़ाया गया था। गड़बड़ी इलाके वाले क्षेत्रों के रूप में चिंहित किए गए तिनसुकिया, डिब्रगढ़, चराईदेव, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों तथा बराक घाटी में कछार के उपखंड में इसे बढ़ाया गया है। सरकार ने पूर्व में यह विवादित कानून पश्चिमी कार्बी आंगलांग जिले में स्थिति उल्लेखनीय रूप से सुधरने के बाद वापस ले लिया था। यह कानून सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के तलाशी अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है।

65 फीसदी हिस्सों से वापस लिया गया अफस्पा

सीएम हिमंत सरमा ने कहा कि असम और पूर्वोत्तर में शांति लौट आई है। आज राज्य के 65 फीसदी इलाकों से अफस्पा वापस ले लिया गया है। भविष्य में हम कछार के लखीपुर और पूरे कार्बी आंगलोंग जिले से इसे वापस लेने पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अफस्पा के दायरे से दो और क्षेत्रों के हटने के बाद ऊपरी असम में केवल छह जिले ही इस कानून के दायरे में रहेंगे।

हरियाणा सीएम खट्टर का नेहरू पर निशाना

बोले-जम्मू-कश्मीर को एक नहीं कर पाए थे पूर्व पीएम

पटेल ने जोड़ दी थीं 562 रियासतें

चंडीगढ़, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु पर हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा है कि पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू को जम्मू कश्मीर रियासतों को एक साथ जोड़ने का काम दिया गया था, लेकिन वह इसे पूरा नहीं कर पाए। जबकि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 562 रियासतों को एक साथ सफलता पूर्वक जोड़ दिया था।

पटेल का काम पीएम कर रहे पूरा

सीएम मनोहर लाल ने कहा कि सरदार पटेल का अधूरा काम अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने अभी धारा 370 को खत्म कर जम्मू कश्मीर देश का अभिन्न अंग बनाने का काम किया है। उन्हीं की प्रेरणा से आज के दिन को पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता और अखंडता की शपथ दिलवाई।

ब्लू टिक के लिए चुकाने होंगे 1600 रुपये

केंद्रीय मंत्री बोले-ट्विटर को रोकनी होगी ऐसी गलत जानकारी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऐसी खबरें आ रही हैं कि उपयोगकर्ताओं को ट्विटर पर 'ब्लू टिक' के लिए 20 अमेरिकी डॉलर चुकाने होंगे, जो खाता धारक की पहचान को प्रमाणित करता है। अगर राशि का भुगतान नहीं किया गया तो ब्लू टिक वापस ले लिया जाएगा। लेकिन ऐसी रिपोर्टों का खंडन करते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एएनआई को बताया कि मुझे नहीं लगता कि यह सच है। यह ट्विटर के लिए एक चुनौती है। उन्हें देखना होगा कि इस गलत समाचार को कैसे लोगों तक पहुंचने से रोका जाए। मुझे नहीं लगता कि ऐसी खबरें सच होती हैं।

ब्लू टिक के लिए देने होंगे 1600 रुपये

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्विटर के नए सीईओ एलन मस्क नए ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए यूजर्स से 19.99 डॉलर (1600 रुपये से ज्यादा) चार्ज करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें एडिट और अनडू ट्वीट्स जैसी अतिरिक्त सुविधाएं शामिल होंगी। मौजूदा योजना के तहत सत्यापित यूजर्स के पास अपना नीला चेकमार्क सदस्यता लेने या छोड़ने के लिए 90 दिन का समय होगा। प्रोजेक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को बताया गया है कि उन्हें फीचर लॉन्च करने के लिए 7 नवंबर की समय सीमा पूरी करनी होगी अन्यथा उन्हें निकाल दिया जाएगा। ये रिपोर्ट मस्क द्वारा एक ट्वीट में जिक्र किए जाने के एक दिन बाद आई है कि ट्विटर अपनी उपयोगकर्ता सत्यापन प्रक्रिया को संशोधित करेगा। हालांकि उन्होंने इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने ट्वीट किया कि पूरी सत्यापन प्रक्रिया को अभी नया रूप दिया जा रहा है। ट्विटर ब्लू टिक सदस्यता लगभग एक साल पहले व्यापक रूप से कुछ प्रकाशकों के विज्ञापन-मुक्त लेख देखने और ऐप में अन्य बदलाव करने के तरीके के रूप में लॉन्च हुई थी, जैसे कि एक अलग रंग का होम स्क्रीन आइकन।

मस्क ने सौदा पूरा करने में की थी आनाकानी

अप्रैल में ट्विटर ने इसे खरीदने के मस्क के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। हालांकि, मस्क ने जल्द ही समझौते से हटने का संकेत देना शुरू कर दिया था। उनका आरोप था कि कंपनी सेवा पर स्पैम और नकली खातों की संख्या का पर्याप्त रूप से खुलासा करने में विफल रही है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के दंगों से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग, गृहमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख दंगों से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है।

सिंह ने पत्र में ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 में हुए सिख दंगो की साजिश का पर्दाफास करने और इसके असली दोषियों को पकड़ने के लिए 'सत्य आयोग' का गठन करने की भी मांग की है। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सजा दिलाने के लिए शाह को धन्यवाद देते हुए यह भी लिखा कि कमलनाथ और जगदीश टाइटलर जैसे कई नेता आज भी आजाद घूम रहे हैं। आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखने की पुष्टि करते हुए कहा कि 80 के दशक में महज चुनाव जीतने के लिए सबसे ज्यादा देशभक्त कौम, सिखों को बदनाम करने का षड्यंत्र रचा गया था। हाल ही में आई एक किताब का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 में हुआ दंगा इसी साजिश का हिस्सा था। दंगे के मामले में कई दोषी जेल में हैं, लेकिन आज भी लोगों को पूरे सच का इंतजार है कि आखिर 1980 से 1984 तक के घटनाक्रम के लिए कौन जिम्मेदार था ?

यह किसकी सजिश थी, जिसके आगे पुलिस, प्रशासन, न्यायपालिका और यहां तक कि तत्कालीन गृह मंत्री पीवी नरसिम्हा राव भी बेबस थे।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि 1984 में अकबर रोड की एक कोठी से यह सब मैनेज किया जा रहा था और उस समय राजीव गांधी ने जो बयान दिया था, वह भी भड़काने वाले थे। आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सिंह ने आगे कहा कि इस साजिश का सच सामने आना बहुत जरूरी है, इसलिए उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में साजिश करने वालों का पदार्फाश करने और इसके असली दोषियों को पकड़ने के लिए 'सत्य आयोग' का गठन करने की मांग की है।

दिल्ली महिला आयोग चेयरपर्सन को डेरे का जवाब

राम रहीम के खिलाफ साजिश रची जा रही मालीवाल ने धमकाने का आरोप लगाया था

हिसार, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा मैनेजमेंट ने दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल को जवाब दिया है। डेरे का कहना है कि डेरा मुखी राम रहीम के किसी अनुयायी ने मालीवाल को धमकी नहीं दी है। कुछ लोग डेरा सच्चा सौदा और डेरा मुखी राम रहीम को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं।

डेरा श्रद्धालुओं के किसी को धमकी देने की बात बिल्कुल गलत है। डेरा प्रेमियों ने किसी को कुछ नहीं कहा है। अगर कोई असामाजिक तत्व ऐसा कर रहे हैं तो हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे लोगों की उच्चस्तरीय जांच करवाकर सख़्त से सख़्त कार्रवाई की जाए।

डेरा प्रमुख की छवि खराब करना मकसद डेरा सच्चा सौदा के प्रवक्ता जितेंद्र खुराना का कहना है कि डेरा प्रमुख द्वारा महिला उत्थान के लिए कई कार्य किए है। वह चाहे कन्या भ्रूण हत्या को रोकना हो या फिर दहेज़ प्रथा जैसी बुराइयों को समाज से दूर भगाना हों। डेरे के श्रद्धालु कुछ ऐसा काम करना तो दूर, सोच भी नहीं सकते। यह तो असामाजिक तत्वों द्वारा डेरा व डेरा प्रमुख की छवि को ख़राब करने की साजिशें रची जा रही हैं जिसकी डेरा सच्चा सौदा घोर निंदा करता है। दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल ने कुछ मैसेज शेयर किए थे।

रोचक खबरें

कार ड्राइवर का हेलमेट नहीं पहनने पर कटा 500 रुपये का चालान

ट्रैफिक नियम के मुताबिक दोपहिया वाहन में हेलमेट पहनना जरूरी होता है। ऐसे नहीं करने पर उस व्यक्ति का चालान होता है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिसने कभी दोपहिया वाहन नहीं चलाई उस पर बाइक या स्कूटर जुर्माना लगा दिया गया। संजीव कुमार पेशे से शिक्षक हैं। कार का नंबर व अन्य जानकारी देने के बाद उन पर हेलमेट नहीं पहनने का अपराध दर्ज किया गया। संजीव कुमार ने मीडिया से कहा कि उनके पास बाइक नहीं है, गाड़ी चलाना नहीं आता और उनके पास सिर्फ एक कार है। इस घटना के बाद ट्रैफिक पुलिस की ओर से भी सफाई आई है, जिसमें पुलिस का कहना है कि जुर्माना लगाने की इस तरह की गलती तकनीकी रूप से हुई गड़बड़ी की वजह से हो सकती है। हालांकि इस तरह अजीबों-गरीब घटना का यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी एक ऐसी ही घटना हो चुकी है। जिसमें एक इलेक्ट्रिक वाहन मालिक पर स्मोक टेस्ट सर्टिफिकेट नहीं होने पर जुर्माना लगाया गया था, वह भी हाल ही में चर्चा में था।

कार ड्राइवर का हेलमेट नहीं पहनने पर कटा 500 रुपये का चालान, घटना सोशल मीडिया पर वायरल

यह चालान भी केरल पुलिस ने ही जारी किया था। ईथर ई-स्कूटर के मालिक पर ट्रैफिक पुलिस ने वैध उत्सर्जन नियंत्रण प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण जुर्माना लगाया था। बाद में यह घटना इंटरनेट पर वायरल हो गई। इसके बाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहने मालिक ने ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी चालान रसीद को फेसबुक ग्रुप में पोस्ट किया था। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीर देखा जा सकता है कि एथर के 450X स्कूटर पर जुर्माना लगाया गया था। केरल पुलिस ने अनुरोध करने पर प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने के लिए 250 रुपये की चालान रसीद जारी की थी।

पर्वतारोही ने 85 साल पहले ग्लेशियर में फंसाया था कैमरा..अब जाकर मिला, होंगे बड़े खुलासे!

वैज्ञानिक या पर्वतारोही जब दुर्गम जगहों पर जाते हैं तो वहां कई बार ऐसा कुछ कर आते हैं ताकि उनको भविष्य में उसके बारे में जानकारी मिलती रहे. इसी कड़ी में एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जिसमें करीब 85 साल पुराने कैमरे की खोज हुई है. आश्चर्य की बात यह है कि यह कैमरा एक ऐसे ग्लेशियर में छोड़ दिया गया था जहां लोग जाने से कतराते हैं.

दरअसल, यह घटना कनाडा के यूकोन ग्लेशियर से संबंधित है. मिरर की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां पर कई सारे कैमरे और इक्विपमेंट मिलने शुरू हुई हैं. अब विशेषज्ञ यह देख रहे हैं कि क्या वे कैमरे की फिल्म से किसी भी फोटो या फिर किसी बड़े खुलासे की तरफ जा सकते हैं जो अभी तक ग्लेशियर की दुनिया में रहस्य ही रहा है.

फ़िलहाल इस पर रिसर्च शुरू हो चुका है. रिपोर्ट के मुताबिक यह सभी कैमरे पिछले 85 साल से ग्लेशियर में दबे थे. दशकों पुराने कैमरों के लिए यूकोन के क्लुआन नेशनल पार्क में पिछले 2 साल से खोज की जा रही थी. ये सारे कैमरे एक्सप्लोरर ब्रैडफोर्ड वॉशबर्न के हैं. इसकी एक लंबी और रोचक कहानी है. 1937 में एक अमेरिकी पर्वतारोही वाशबर्न यहां पहुंचे थे. उनके साथ कई और लोग भी मौजूद थे. उन्होंने टीम के सतह वाल्श ग्लेशियर पर कैंप लगाया था.

अब इस पर परिणाम आना शुरू हुआ है.यह भी बताया जा रहा है कि अगर इस अभियान में अपेक्षित सफलता मिल गई तो यह एक बड़ा मिशन साबित हो सकता है. प्रयोगशाला में इन कैमरों और अन्य चीजों पर रिसर्च की जाएगी साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या भविष्य में ऐसा किया जा सकता है।

इस घर के बीच में है दो देशों की सरहद

एक देश में होता है लंच-डिनर तो दूसरे देश में होता है आराम

भारतीय गांव अपनी फसल, साक्षरता दर और स्वच्छता के लिए प्रसिद्ध हैं लेकिन इस खबर में हम आपको भारत समेत दुनिया के ऐसे असामान्य गांवों के बारे में बताएंगे जो अपनी अनूठी चीजों के लिए प्रसिद्ध हैं. क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा गांव है, जहां एक घर दो देशों के बीचों-बीच मौजूद है.

एकमात्र गांव जहां साझा किया जाता है दो देशों का बॉर्डर

लोंगवा नागालैंड में मोन जिले का सबसे बड़ा गांव है और एकमात्र गांव है जो दोनों देशों द्वारा साझा किया जाता है. जी हां आपने सही पढ़ा, भारत-म्यांमार की सीमा यहां से गुजरती है. गांव के मुखिया के घर को काटते हुए इसे दो हिस्सों में विभाजित करती है एक भारत में, दूसरा म्यांमार में. विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के अपने शासन के अंतिम दिनों में ब्रिटिश मानचित्रकारों द्वारा सीमा का निर्माण किया गया था. दोनों तरफ के ग्रामीण कोन्याक जनजाति के हैं. 1970-71 में खींची गई, अंतर्राष्ट्रीय सीमा ग्राम प्रधान के घर को विभाजित करती है: मुखिया का परिवार म्यांमार में खाता है और भारत में सोता है.

सुविचार: उद्देश्य अच्छा रहने पर दृढता के नाम से और बुरा रहने पर इसे हटधर्मिता के नाम से जाना जाता है।

श्री सोमवंश सहस्त्रार्जुन जयंती महोत्सव व शोभा यात्रा आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महानगर हैदराबाद में श्री सोमवंश सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय राजराजेश्वर महाराज की जयंती महोत्सव व शोभा यात्रा भव्य रूप से आयोजित की गयी।

इस संदर्भ में, अधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, सोमवार 31 अक्तूबर के प्रातः 8 से 9 बजे के मध्य हवन पूजा की गयी तथा इसके पश्चात श्री सोमवंश सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय राजराजेश्वर महाराज जयंती महोत्सव व शोभा यात्रा के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। यह यह शोभा यात्रा जो सुबह 9 बजे एसएसके भवन, रहीमपुरा, जाली हनुमान, धूलपेट, लंगर हौज से शुरु होकर वापसी में रहीमपुरा पहुंची। जिसमें मध्याह्न 1 बजे एसएसके भवन, रहीमपुरा, पुराना पुल पर सभी के लिए लंच की व्यवस्था की गयी। इस शुभावसर पर जिन गणमान्य अतिथियों ने भव्य यात्रा में भाग लिया उनमें टीआरएस के वरिष्ठ नेता प्रेमसिंह राठौड सहित श्री सोमवंश सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय एडेड को-ऑपरेटिव थ्रिफ्ट सोसाईटी लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डैरेक्टर्स में अध्यक्ष चवान भरत राव, उपाध्यक्ष शिव रतन, सीइओ रतन मुकेश, कोषाध्यक्ष जितुरी विठ्ठल, निदेशक नागरी पंडुसा, निदेशक तिरुमल जयप्रकाश, एच. कुमार आदि शामिल हैं।

राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक नहीं : पुलिस

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी बालानगर व शमशाबाद के प्रभारी संदीप ने दावा किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में सुरक्षा चूक का दावा करने वाले खबरें निराधार है। दो व्यक्ति राहुल गांधी के पास पहुंचे और पालमकुला गांव के पास उनके पैर छुए। यह कोई सुरक्षा उल्लंघन नहीं है। उन दो युवा कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी द्वारा बुलाया गया था। स्थानीय पुलिस ने पूरी तरह से जांच के बाद उन्हें अनुमति दी थी। उन दो व्यक्तियों ने राहुल गांधी के पैर छूने की कोशिश की, जिन्होंने उन्हें रोक दिया है।

'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में शपथ दिलाई गई

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट के डीजी और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव बेनहूर महेश दत्त एक्काने सोमवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में अधिकारियों, संकाय और कर्मचारियों की एक सभा को शपथ दिलाई, जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। श्री एक्का ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री थे और जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में भी जाना जाता है। अपने संबोधन को जारी रखते हुए, श्री बेन्हुर एक्का ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के सभी नागरिकों को प्रशासनिक पदानुक्रम के विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों सहित, एकता, अखंडता और सुरक्षा के संरक्षण के महान कार्य के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा का दिवाली मिलन व अन्नकूट संपन्न

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज दोमलगुडा का दिवाली मिलन व अन्नकूट प्रसाद संपन्न हुवा। इस संदर्भ में, मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने विस्तार से बताया कि, अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा का इस वर्ष का दिवाली मिलन और अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम नेकलेस रोड एनटीआर नगर मंदिर के समीप स्थित श्री हनुमान मंदिर में संपन्न हुवा।

जिसमें शाखा के पदाधिकारियों द्वारा भगवान की पूजा और प्रसाद के भोग के पश्चात उपस्थित लोगों ने भी श्री अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया। इसके पूर्व संपन्न हुई शाखा की साधारण सभा में अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने स्वागत भाषण शुरू करते हुए सभी का अभिनंदन किया तथा उक्त शाखा द्वारा अबतक की गयी गतिविधियों में सभी के सहयोग पर धन्यवाद दिया।

शाखा ने मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने भी उपस्थित जनों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए शाखा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इसमें शाखा के

परामर्शदाताओं गिरधारीलाल अग्रवाल व ओमप्रकाश पंसारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष एसके अग्रवाल ने उपस्थित जनों को समाज की तरफ से दिवाली की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए समाज की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सभा को अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल एवं अन्य ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री कपूरचंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, दोमलगुडा शाखा के उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, परामर्शदाता श्यामलाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विजय जिंदल, निरंजन पंसारी, राजेश दादू, गिरधारीलाल गुप्त, रामअवतार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, दिनेश पंसारी, नरेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, नवीन रुंगटा, नीरज अग्रवाल, एम. सुनील अग्रवाल, एम. अनिल अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित हुए। साथ ही जुगल किशोर अग्रवाल के संयोजन में आयोजित उक्त कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, कार्यक्रम संयोजक अक्षय अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिका सरला अग्रवाल, उप संयोजिकाएं पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्या सीमा अग्रवाल, संघी केटरर्स के आनंद संघी एवं अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

बाजरा के संवर्धन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) और ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी), तेलंगाना ने संयुक्त रूप से 31 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2022 तक एसएचजी और उत्पादक संगठनों के माध्यम से बाजरा के संवर्धन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के लिए रन अप के रूप में किया गया है। राष्ट्रीय सम्मेलन में 16 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के प्रतिभागी और ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारी शामिल हैं। कॉन्क्लेव में बाजरा मूल्य श्रृंखला पर काम कर रहे 20 स्टार्ट-अप ने भाग लिया। स्टार्ट-अप ने अपने उत्पादों और विचारों का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन अपर सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय चरणजीत सिंह ने किया। संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव पीआर एंड आरडी, तेलंगाना सरकार ने चरणजीत सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। कॉन्क्लेव में भारत में बाजरा परिदृश्य, उन्नत बाजरा उत्पादकता के लिए उभरती प्रौद्योगिकी, बाजरा मूल्य श्रृंखला हस्तक्षेप गुंजाइश और आवश्यकता, एसएचजी के लिए बाजरा का अवसर, विकास भागीदारों द्वारा अनुभव साझा करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया था। तकनीकी सत्र ने उत्पादकता वृद्धि, विपणन, मशीनरी और मूल्यवर्धन में उभरते रुझानों को साझा किया। साझेदारी की संभावित फॉर्मलेट-आधारित मूल्य श्रृंखला, समाधान इत्यादि का पता लगाने के लिए स्टार्ट-अप के साथ बातचीत पर एक समर्पित सत्र आयोजित किया गया था और स्टार्ट-अप द्वारा इसे प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल प्रदान किए गए थे। प्रसिद्ध रसोइयों द्वारा बाजरा पाककला का भी प्रदर्शन किया गया।

छात्र ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोबाइल स्कूल ले जाने पर प्रधानाचार्य की डॉट से नाराज एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि छात्र स्कूल मोबाइल लेकर गया था। इसी बात को लेकर प्रधानाचार्य ने छात्र को 12 दिनों के लिए स्कूल से निलंबित कर दिया था। इसी से दुखी होकर छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र का शव मल्काजगिरी इलाके में स्थिति अम्मुगुडा हॉल्ट स्टेशन पर रेल लाइन पर मिला है। रेलवे पुलिस सिंकदराबाद मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

जुबली हिल्स में 89 लाख जब्त

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर की टास्क फोर्स ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जो रुपये की बेहिसाब नकदी ले जा रहा था। रविवार रात जुबली हिल्स में 89 लाख और राशि जब्त कर ली। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने रोड नंबर 79 जुबली हिल्स पर एक कार में नकदी ले जा रहे व्यक्ति को पकड़ लिया।

अग्रणी महिला मंच ने दी वल्लभाई पटेल को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस एवं भारत रत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती पर बशीरबाग़ स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पास स्थित सरदार वल्लभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्षा सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनैना नरसरिया, स्मिता शाह, संगीता जजोदिया एवं पवन भुवानिया उपस्थित थे।

सीएस ने सचिवालय के कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने आज बीआरकेआर भवन में आयोजित एक समारोह में सचिवालय के कर्मचारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई।

देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर जीएडी सचिव शेषाद्री, अपर सचिव अरविन्दर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमती वाणी प्रसाद, आईएएस, तेलंगाना सरकार की प्रधान सचिव और महानिदेशक ईपीटीआरआई वाणी प्रसाद और तकनीकी शिक्षा आयुक्त, तेलंगाना नवीन मित्तल ने दोनों संस्थानों के बीच पर्यावरण और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, छात्र और संकाय क्षमता निर्माण के संयुक्त सहयोगी कार्यक्रम को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक तकनीकी शिक्षा श्री पुलैया ने भाग लिया तथा सीटीई और ईपीटीआरआई के क्षेत्रीय निदेशक और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत जोड़ो यात्रा के बीच हैदराबाद हवाईअड्डे ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (आरजीआईए) ने यात्रियों को राहुल गांधी की भारत जोड़ी यात्रा के मद्देनजर शहर से हवाईअड्डे तक की यात्रा की योजना 2 नवंबर तक पहले से तय करने की सलाह दी है।

आरजीआईए ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि यात्रियों से अनुरोध है कि वे भारत जोड़ी यात्रा के मद्देनजर 30 अक्टूबर से 2 नवंबर की अवधि के दौरान शहर से हवाई अड्डे तक अपने आवागमन की योजना पहले ही बना लें। राज्य में 'भारत जोड़ी यात्रा' 4 नवंबर को एक दिन के ब्रेक के साथ 7 नवंबर तक चलेगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी हर दिन 20-25 किमी पैदल चलकर 19 विधानसभा और तेलंगाना में 7 संसदीय क्षेत्रों में 375 किमी की दूरी तय करेंगे।

CHANGE OF NAME

I, No.15178390F Rank NK (STEWARD) Name Gangadhar R presently residing at (Vill: Dodarna, PO: Dodarna Tanda No 1, Teh: Kubeer, Dist: Nirmal. Pin 504103, State: Telangana. I have changed my daughter name from VARSHA RANI to R VARSHA RANI DOB 29.01.2007.

AI ENGINEERING SERVICES LIMITED (AIESL)
(A GOVT OF INDIA PSU)
Near Gate No. 3, RGI Airport, Shamshabad, Hyderabad - 500 108, Ph.: 040-23477516/523

निविदा सूचना : वेबसाइट "www.aiesl.in/Tender.aspx" देखें।

कार्य का नाम/निविदा का विवरण	निविदा सं. व तिथि	निविदा की अंतिम तिथि व समय
1) हाउसकीपिंग और बागवानी सेवाएं प्रदान करने के लिए संविदा प्रदान करना	एआईईएसएल/एमआरओ/एचके/2022/988 दिनांक : 21.10.2022	11.11.2022 (शुक्रवार) को 1400 बजे तक
2) आईटी सेवाएं – पीसी और नेटवर्क के प्रावधान और प्रबंधन के लिए संविदा प्रदान करना	एचवायडी/पीपीएमएम/इंक्वा./202 दिनांक : 28.10.2022	14.11.2022 (सोमवार) को 1500 बजे तक

जन्मदिन की शुभकामनाएं

ए. विकास यादव

माता : ए. स्वेता यादव
पिता : ए. विजय यादव

श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली में अन्नकूट प्रसाद आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली में अन्नकूट प्रसाद आयोजित किया गया। इस संदर्भ में, श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में, कार्तिक सुदी को श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली में अन्नकूट प्रसाद आयोजित किया गया। इस शुभावसर पर महाआरती शाम 6.30 बजे दीपोत्सव के साथ की गयी। इसमें भजन कीर्तन सायं 7 बजे से आयोजित किया गया। इस अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में के विशेष आकर्षण में पुष्पों, फलों, छप्पन भोग एवं दीपों से मंदिर व मंदिर के भगवानों को सजाया गया। जिसमें मंदिर की जिन भगवान की मूर्तियों को सजाया गया उनमें श्री अय्यप्पा स्वामी, श्री श्याम बाबा, दादी राणी सती, श्री रामदेवरा दरबार, श्री साई बाबा, श्री दुर्गा माता, सालासर हनुमानजी शामिल हैं। इस धार्मिक कार्यक्रम में अधिकांश भक्तों ने भजन गायकों के मधुर भजन कीर्तन का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी गोपाल मंजू बल्दवा ने उपस्थित सभी भक्तगणों एवं सपरिवार, इष्ट मित्रों के लिए सभी प्रकार की बेहतर व्यवस्था की। इस अवसर पर समाज सेवी धर्मराम ढाका भी उपस्थित रहे।

गाड़ी पार्किंग को लेकर पुलिस के साथ सपा विधायक और उनके बेटे की तू तू-मैं-मैं

बलिया, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलिया में सपा विधायक और पुलिस के बीच तू-तू मैं-मैं हो गई और बात औकात तक आ गई। दरअसल पूरा मामला बलिया के फेफना से सपा विधायक संग्राम सिंह यादव के बेटे से जुड़ा हुआ है। सपा विधायक संग्राम सिंह यादव के बेटे ने बलिया रेलवे स्टेशन के सामने बने पुलिस चौकी के सामने अपनी गाड़ी पार्क कर दी। चौकी पर बलिया शहर कोतवाली प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह बैठे हुए थे।

कोतवाली प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने विधायक के बेटे को अपनी लग्जरी गाड़ी पार्किंग में पार्क करने को कही और पुलिस पिकेट के सामने से हटाने को कहा। इस पर विधायक बेटे भड़क गए और उनकी पुलिस कर्मियों के साथ बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि कुछ देर बाद सपा विधायक संग्राम सिंह यादव भी अपने बेटे का पक्ष लेने पुलिस पिकेट पर पहुंच गए। सोशल मीडिया पर बहस का वीडियो वायरल हो रहा है और इसमें विधायक के बेटे पुलिस कर्मियों से बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान विधायक बेटे पुलिस से यह भी कह रहे हैं कि

कहा- मार के दिखाओ गोली

आप गोली मारोगे, मारो गोली। वहीं जब संग्राम सिंह यादव पुलिसकर्मियों के पास पहुंचते हैं, तब वह बेटे को बुलाते हैं और पूछते हैं कि क्या हुआ था? इसके बाद उनका बेटा उनसे कहता है कि कोतवाली प्रभारी ने उनको बेइज्जत करने की कोशिश की।

विवाद के बाद सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने स्थानीय मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा, "कोतवाली प्रभारी ने उनके बेटे से वाहन हटाने को कहा था और इसके बाद उनका बेटा वाहन हटाने के लिए तैयार भी हो गया। लेकिन फिर कोतवाली प्रभारी ने उनके बेटे को अपशब्द कहा और उन्हें और उनके बेटे को देख लेने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी ने यह भी कहा कि सपा की सरकार नहीं है। हम इस मामले की शिकायत पुलिस के बड़े अधिकारियों से करेंगे।"

वहीं जांच के बाद सपा विधायक संग्राम सिंह यादव के बेटे के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। विधायक बेटे पर सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने का आरोप लगा है।

पूर्व मुखिया पति पर बरसाईं गोलियां

बाइक सवार अपराधियों ने मारी 5 गोली, विधानसभा अध्यक्ष के कार्यक्रम से पहले गोलीबारी

सीवान, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीवान में सोमवार सुबह छठ पर्व के दौरान बाइक सवार अपराधी पूर्व मुखिया पति को 5 गोली मारकर फरार हो गए। घटना गुठनी क्षेत्र के सोहागरा धाम की हैं। वहीं, अपराधियों की गोली से घायल पीड़ित की पहचान गुठनी थाना क्षेत्र सोहागरा धाम निवासी पूर्व मुखिया लीलावती देवी के 50 वर्षीय पति बैजनाथ यादव के रूप में हुई है।

घटना के बारे में बताया गया कि सोमवार दोपहर करीब 1 बजे बिहार विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी अध्यक्ष बनने के स्वागत में कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया था। जिसका जायजा लेने के लिए सोहागरा पंचायत के पूर्व मुखिया पति बैजनाथ यादव वहां पहुंचे हुए। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो बेखौफ अपराधियों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। अपराधियों की 5 गोली पूर्व मुखिया पति को लगी है। जिसके बाद उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

अवध बिहारी चौधरी के बैजनाथ यादव बेहद करीबी माने जाते है। शुरू से ही इन दोनों के

सीने और पेट में लगी गोली

पीड़ित को लेकर PMCH के लिए निकले अवध बिहारी चौधरी

बीच काफी लगाव रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद छठ समाप्ति की दोपहर स्वागत कार्यक्रम सुनिश्चित की गई थी। गौरतलब है कि इससे करीब 2 साल पूर्व भी बैजनाथ यादव के ऊपर जानलेवा हमला हुआ था जिसके बाद उन्होंने गुठनी के साथ लोगों को आरोपित किया था। घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ अशोक कुमार आजाद में बताया कि हम लोगों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की है।

मौके से मुखिया पति का मोबाइल बरामद हुआ है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जांच चल रही है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे कार्रवाई करेंगे। बैजनाथ चौधरी के साथ हुई घटना की जानकारी जैसे ही बिहार विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को लगी। वह आनन-फानन में सीवान सदर अस्पताल पहुंचे। इसके बाद पीड़ित से मुलाकात की। फिर चिकित्सकों की सलाह और पटना रेफर करने के बाद पीड़ित के एंबुलेंस के साथ-साथ अपने गाड़ी में सवार होकर पटना निकल गए। वही इस मामले में अवध बिहारी चौधरी ने एसपी शैलेश कुमार सिन्हा से अपराधियों को पूरी ताकत लगाकर पकड़ने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अगर अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो यह बात अच्छी नहीं होगी।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बगल में खड़े मौलाना से हुआ सवाल- मोदी और योगी में कौन बेहतर? मुस्कुराकर दिया ऐसा जवाब

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की गोला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए स्वतंत्र देव सिंह और मौलाना एक साथ दिखे। इस दौरान स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि बीजेपी की जीत होगी। वहीं, साथ खड़े मौलाना ने कहा कि बहुत अच्छी सरकार चल रही है, मोदी जी और योगी जी दोनों की। संवाददाताओं से बात करते हुए मौलाना ने कहा, "मोदी जी और योगी जी दोनों की सरकार अच्छी चल रही है। दोनों बेहतर हैं। दोनों अच्छा काम कर रहे हैं गरीबों के लिए।" इस दौरान योगी आदित्यनाथ सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, "हम लोग ईमानदारी का राज लेकर चल रहे हैं। प्रदेश में कानून का राज है। आज सम्मान है, प्रदेश भ्रष्टाचार मुक्त है, नियुक्तियों में एक रुपए की दलाली नहीं है। ये विकास है, मोदी-योगी का प्रभाव है।"

राजनीति हमारा व्यापार नहीं: लखीमपुर खीरी में स्वतंत्र देव ने कहा कि इतनी तालियों की गड़गड़ाहट सुनकर हमें तो करंट लग रहा है। लोग विकास के नाम पर वोट देंगे।

अखिलेश यादव के गोला विधानसभा के लिए प्रचार करने न पहुंचने पर स्वतंत्र देव ने कहा, "हमलोग राजनीतिक मिशन पर चलते हैं, राजनीति हमारा व्यापार नहीं है। हमलोग विकास के लिए काम करते हैं। भारतीय जनता पार्टी का मिशन न जातिवाद है, न व्यापार। ये सपा वगैरह जब सत्ता में आते हैं तो व्यापार करते हैं, लूटते हैं।"

इससे पहले जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। इस वीडियो में स्वतंत्र देव सिंह से एक महिला चौकी इंचार्ज की शिकायत कर रही थी। उसकी बात ध्यान से सुनने के बजाय स्वतंत्र देव सिंह कुछ खाते हुए आगे बढ़ गए थे। इस वीडियो को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला था। यूपी कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस वीडियो को शेयर कर लिखा, "महिला ने मंत्री जी से शिकायत की।

चौकी इंचार्ज 15 साल की लड़की मांग रहा है। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी को गुस्सा आना तो दूर उन्होंने ना संज्ञान लिया, ना ही बात की। आराम से मुंह में काजू डालते हुए निकल गए, ऊपर से उनके पास खड़े लोग महिला का दुखड़ा सुनकर दांत दिखाते रहे।"

चौकीदार की हत्या कर ट्रैक्टर ले गए बदमाश, हाथ, पैर बंधा हुआ मिला शव

बुलंदशहर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर जिले के बीबीनगर इलाके में बदमाशों द्वारा एक ईंट भट्ठे पर तैनात चौकीदार की हत्या कर ट्रैक्टर ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने सोमवार को बताया कि अलावास वातरी गांव में एक ईंट का भट्टा है जहां चौकीदारी करने वाले हेमराज (60) की रविवार रात में हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि यहां से एक ट्रैक्टर भी गायब है। मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस के अनुसार बीबीनगर इलाके के अलावास वातरी गांव के पास ईंट के भट्टे पर चौकीदार हेमराज का हाथ, पैर बंधा हुआ शव पड़ा हुआ मिला।

आरजेडी का चुनाव प्रचार करेंगे नीतीश कुमार! मोकामा पर सस्पेंस

गोपालगंज, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गोपालगंज सदर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशी के प्रचार के लिए जाने वाले हैं। यह जानकारी गोपालगंज से आरजेडी के प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता ने दी है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश मंगलवार यानी एक नवंबर को गोपालगंज के उचकागांव में रैली करेंगे। उनके साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। हालांकि, दो दिन पहले नीतीश कुमार ने पेट में चोट का हवाला देते हुए चुनाव प्रचार के लिए जाने पर असमर्थता जताई थी। गोपालगंज और मोकामा विधानसभा सीट पर 3 नवंबर को उपचुनाव होना है। सोमवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। दोनों सीटों पर महागठबंधन की ओर से आरजेडी ने उम्मीदवार उतारे हैं। गोपालगंज से आरजेडी प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता ने एक चैनल से बातचीत में कहा कि सीएम नीतीश 1 नवंबर को यहां आ रहे हैं।

मोहन प्रसाद का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश की उचकागांव के श्यामपुर स्कूल में सोमवार को चुनावी रैली प्रस्तावित है। रैली में तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के अन्य नेता भी साथ रहेंगे।

मोकामा पर सस्पेंस

दूसरी ओर, मोकामा विधानसभा सीट पर सीएम नीतीश के रैली करने पर सस्पेंस बरकरार है। मोकामा में आरजेडी ने बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को आरजेडी ने टिकट दिया है, जिन्हें महागठबंधन की सभी पार्टियों का समर्थन हासिल है। अनंत सिंह और सीएम नीतीश कुमार की दुश्मनी जगजाहिर है। ऐसे में सीएम के मोकामा में चुनाव प्रचार पर संशय अब भी बरकरार है। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उपचुनाव में प्रचार के लिए जाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था पिछले दिनों स्टीमर के पुल से टकराने के बाद उन्हें चोट लगी थी। इस वजह से वे चुनाव प्रचार पर नहीं जा रहे हैं। हालांकि, अब मोहन प्रसाद गुप्ता ने नीतीश के रैली करने की जानकारी दी है। हालांकि, अभी तक जेडीयू की ओर से इस पर बयान नहीं आया है।

मुख्यमंत्री योगी ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

बोले- देश के लिए उनके योगदान की अनदेखी की गई

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम रन फॉर यूनिटी में कहा कि यह पहली बार है जब सरदार वल्लभभाई पटेल को सम्मान मिल रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आने से पहले महापुरुषों को दिया जाना वाला सम्मान एक परिवार तक ही सीमित था।

मुख्यमंत्री सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम रन फॉर यूनिटी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान चलाया जा रहा है। आजाद भारत को एक करने का श्रेय सरदार पटेल को जाता है जिन्होंने देश की 542 रियासतों का विलय कर भारत को एकताबद्घ किया।

आजादी के बाद एक परिवार के अलावा सभी महापुरुषों के योगदान की अनदेखी हुई पर मोदी जी के सत्ता में आने के बाद महापुरुषों को सम्मान दिया जा रहा है। सरदार पटेल की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के हजरतगंज स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आप तीन नवंबर से यूपी में शुरू करेगी गंदगी हटाओ, झाड़ू चलाओ पदयात्रा

ट्रिपल सी मानकों पर होगा प्रत्याशियों का चुनाव

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी गंदगी हटाओ, झाड़ू चलाओ पदयात्रा 3 से 10 नवंबर तक चलाएगी। नगर निकाय चुनाव समिति के अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने बताया कि आप निकाय चुनाव लड़ने के लिए मजबूती से तैयारी कर चुकी है। वार्ड स्तर तक कार्यकर्ता अरविंद केजरीववाल के दिल्ली मॉडल को घर-घर पहुंचा रहे हैं। जल्द ही निकाय चुनाव से संबंधित घोषणा पत्र पार्टी जारी करेगी। प्रत्याशियों का मूल्यांकन पार्टी ट्रिपल सी क्राइम, कैरेक्टर और करप्शन के आधार पर करेगी।

रविवार को हुई बैठक में प्रत्याशियों के चयन पर प्रकाश डालते हुए सभाजीत सिंह ने बताया कि प्रत्याशियों का हर प्रकार से मूल्यांकन और विश्लेषण किया जाएगा। प्रत्याशियों का विवरण उनके संबंधित जिलों से भी निकाला जाएगा। गंदगी हटाओ

झाड़ू चलाओ यात्रा उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में चरम सीमा पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। भ्रष्टाचार और रिश्वत जैसे तंत्र में फंसकर राज्य सरकार अपने मूल कर्तव्यों और दायित्वों से बहुत दूर जा चुकी है। आम आदमी पार्टी निकाय चुनाव लड़ने के लिए मजबूती से तैयारी कर चुकी है। वार्ड लेवल तक कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल दिल्ली मॉडल को घर घर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। जल्द ही निकाय चुनाव से संबंधित घोषणा पत्र पार्टी जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा एक अच्छे समाज की रचना करना हम सभी का कर्तव्य है, इसलिए यह केवल आप का अभियान नहीं बल्कि जनता के सहयोग से गंदी हो चुकी व्यवस्था में सकारात्मक संशोधन करने का अभियान है।

सभाजीत सिंह ने बताया कि नगर पंचायतों, नगर निगमों, नगर पालिकाओं में ऐसी बहुत सी त्रुटियां देखी गई हैं जिनका संशोधन अति शीघ्र हो जाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार, फर्जी नियुक्तियां, विभागीय त्रुटियां, गंदगी का जमावड़ा, लापरवाही, कर्तव्यों का निर्वहन न करना जैसी तमाम कमियां देखने में आई हैं, जिसके लिए आम आदमी पार्टी जनता के साथ मिल कर संघर्ष करने को पूर्ण रूप से तैयार है।

छठ पूजा के दौरान झील में डूबा 8 साल का बच्चा, मौत से पसरा मातम

गोंडा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोंडा के तरबगंज तहसील क्षेत्र के अमदही गांव में अष्टावक्र आश्रम के समीप स्थित बरसौत झील के रामघाट पर छठ पूजा के दौरान 8 वर्षीय बच्चा डूब गया। पांच घंटे बाद पहुंचे गोताखोरों ने शव को झील से बरामद कर लिया है। घटना सोमवार सुबह 6 बजे छठ पूजा के दौरान रामघाट पर घटी। जब महिलाएं सूर्य भगवान को अर्क देने के लिए झील के किनारे इकट्ठा थी। तभी अचानक सुधांशु गुप्ता 8 वर्ष पुत्र राजेंद्र गुप्ता का पैर फिसल गया। झील गहरी होने के कारण बच्चे का घंटो तक कोई पता नहीं चल सका। पांच घंटे बाद पहुंचे गोताखोरों ने बच्चे के शव को झील से बरामद किया। परिजनों का आरोप है कि मौके पर पुलिस प्रशासन मौजूद था फिर भी गोताखोरों की व्यवस्था नहीं कराई जा सकी।

राजस्थान की घटना पर मायावती बोलीं-लड़कियों के प्रति कांग्रेस क्रूर

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि राजस्थान के पंचायतों में लड़कियों के साथ जो वह घटना सरकारी व्यवस्था को शर्मसार करने वाली है। इससे कांग्रेस व राजस्थान सरकार का असली चेहरा सामने आता है। मायावती ने सोमवार सुबह ट्वीट कर कहा कि राजस्थान के पंचायतों में लड़कियों की स्टाम्प पेपर पर कर्ज अदाएगी सम्बंधी खरीद-फरोख्त सामाजिक व सरकारी व्यवस्था को शर्मसार करने वाली यह घटना अतिदुःखद है। क्या 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' का दावा करने वाली कांग्रेस पार्टी व उनकी राज्य सरकार का लड़कियों के प्रति यही असली क्रूर रूप है? मायावती ने आगे लिखा कि विभिन्न आयोगों द्वारा इस घटना के सम्बंध में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करना उचित किन्तु यह इसका समुचित हल नहीं, बल्कि वहां की कांग्रेसी सरकार को दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना चाहिए। सरकार को इस शर्मनाक घटना पर महिला समाज व राज्य की जनता से भी तुरन्त माफी मांगनी चाहिए।

चार चरणों में होंगे निकाय चुनाव, तैयारी में जुटा आयोग

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इस बार नगरीय निकाय चुनाव दिसम्बर में चार चरणों में करवाए जाने की तैयारी है। राज्य चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार इन चुनावों की मतगणना जनवरी के पहले हफ्ते में होगी। पिछली बार वर्ष 2017 में नवम्बर में चार चरणों में यह चुनाव करवाये गये थे और दो दिसम्बर को मतगणना हुई थी। इस बार चुनाव जनवरी के पहले पखवारे तक सम्पन्न करवाया जाना जरूरी है। अधिकारियों के अनुसार चूंकि इस बार निकाय चुनावों के लिए वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण कार्यक्रम ही एक से 18 नवम्बर तक चलेगा और 18 नवम्बर को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा।

इसके अलावा शहरी निकाय निदेशालय द्वारा परिसीमन, वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया भी अभी पूरी की जानी है। इसलिए निकाय चुनाव दिसम्बर में ही हो पाएंगे। आयोग द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रम के अनुसार 31 अक्तूबर को मौजूदा वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। पहली से सात नवम्बर तक इस मौजूदा वोटर लिस्ट में वोटर अपना नाम व अन्य विवरण देख सकेंगे। आठ से 12 नवम्बर के बीच अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे। 14 से 17 नवम्बर के बीच दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 18 नवम्बर को अंतिम रूप से तैयार वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा है कि जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के तहत नगरीय निकायों की वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करेंगे। सभी सम्बंधित कार्यालयों के सूचना पट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा। वोटर अपना नाम शामिल किए जाने के लिए पहली से चार नवम्बर तक राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट एचटीटीपी//सेक.यूपी.निक.इन पर भी आवेदन कर सकते हैं।

रिटायर्ड कर्मचारी को वीडियो कॉल कर युवती उतारने लगी अपने कपड़े...

प्रयागराज, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक रियाटर्ड स्वास्थ्यकर्मी को अश्लील वीडियो कॉल करके युवती द्वारा ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। लोकलज्जा का डर दिखाकर एक शख्स ने एसपी क्राइम बनकर बुजुर्ग से लाखों रुपये जमा करा लिया। अब पीड़ित ने साइबर अपराध का मामला दर्ज कराया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र का है। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल से रिटायर स्वास्थकर्मी अपने परिवार के साथ राजरूपपुर में रहते हैं। हाल ही में उनके पास एक युवती का वीडियो कॉल आया। वीडियो कॉल पर युवती ने उनके सामने अपने कपड़े उतार दिए। फिर कॉल करके युवती ने बुजुर्ग से कहा कि उनका वीडियो बन गया है। यदि बात नहीं मानी तो वह वीडियो को फेसबुक पर अपलोड कर देगी। बुजुर्ग ने डरकर फोन बंद कर दिया। इसके बाद साइबर ठगों ने एसपी क्राइम राकेश अस्थाना बनकर उन्हें कॉल कर डराने-धमकाने लगे। उन्होंने कहा कि युवती ने शिकायत दर्ज कराई। साइबर ठगों ने पहले 24 हजार रुपये जमा कराया। इसके बाद एक लाख 11 हजार फिर ऑनलाइन ट्रांसफर कराया। उन्होंने कहा कहा कि मामला डीआईजी तक पहुंच गया जिसके लिए फिर से सवा लाख रुपये वसूले। इस तरह साइबर ठगों ने कई बार में तीन लाख 13 हजार रुपये जमा करा लिए। बुजुर्ग इतना परेशान हो गए कि आत्महत्या करने की सोचने लगे। लेकिन पड़ोस में रहने वाले एक पुलिसकर्मी ने घटना की जानकारी होने के बाद उनकी काउंसिलिंग करवाई।

मुकेश सहनी की वीआईपी ने दी नसीहत

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने सोमवार को आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी गरीब, दलित, अल्पसंख्यक और समाजवाद के खिलाफ षड्यंत्र कर देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से गुलाम बनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

वीआईपी प्रवक्ता ने कहा कि कहीं लोजपा की हालत भी वीआईपी पार्टी जैसे ना हो जाए, इसलिए चिराग पासवान को संभल कर रहने की जरूरत है। बीजेपी वो घुन है, जहां घुस कर रहेगी, उसी को अंदर से खोखला कर देगी।

अब ए फॉर एप्पल की जगह अर्जुन और बी फॉर बलराम

सोशल मीडिया पर खूब सराही जा रही नई वर्णमाला

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। आमतौर पर बच्चे अंग्रेजी की वर्णमाला में ए फॉर एप्पल और बी फॉर ब्वॉय पढ़ते आए हैं लेकिन अब बच्चे ए फॉर अर्जुन और बी फॉर बलराम भी पढ़ सकते हैं। शिक्षकों के सोशल मीडिया ग्रुप पर ऐसी ही अंग्रेजी वर्णमाला का खूब प्रसार हो रहा है। इसमें ए से लेकर जेड तक के शब्द भारतीय पौराणिक संस्कृति व इतिहास से लिए गए हैं।

शिक्षकों का भी मानना है कि यह बच्चों के लिए अलग तरह का अनुभव होगा और इससे वे बालपन में ही भारतीय संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे। सोशल मीडिया पर इस तरह की अंग्रेजी वर्णमाला

की पीडीएफ फाइल उपलब्ध है। इसमें शब्दों से संबंधित फोटो भी उपलब्ध हैं। साथ में संबंधित शब्द का वर्णन भी दिया गया है। उदाहरण के तौर पर ए फॉर अर्जुन है तो अर्जुन के बारे में भी एक वाक्य में वर्णन दिया गया है।

अंग्रेजी वर्णमाला से संबंधित इस तरह की शब्दावली सीतापुर निवासी एक अधिवक्ता ने तैयार की है। अमीनाबाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एसएल मिश्रा ने बताया कि अधिवक्ता ने इसे बनाया तो है, लेकिन इसको लेकर वह मीडिया के समक्ष नहीं आना चाहते हैं। हालांकि, प्रकाशकों को भी यह नई संकल्पना भा रही है और मेरठ के एक प्रकाशक ने इसे प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। इसमें शब्दों से संबंधित वर्णनों को सुधार कर और विस्तार से लिखवाएंगे, ताकि बच्चों को थोड़ी ज्यादा जानकारी मिल सके। एसएल मिश्रा ने बताया कि इसे बनाने वाले अधिवक्ता हिंदी वर्णमाला की भी इस तरह की शब्दावली तैयार कर रहे हैं। इस तरह है अंग्रेजी वर्णमाला की शब्दावली

ए - अर्जुन
बी- बलराम
सी - चाणक्य
डी - ध्रुव
ई - एकलव्य
एफ - फोर वेद
जी - गायत्री माता
एच - हनुमान
आई - इंद्र
जे - जटायु
के - कृष्ण
एल - लव-कुश
एम - मार्कंडेय
एन- नारद
ओ - ओमकार
पी - प्रहलाद
क्यू - क्वीन गांधारी
आर - राम
एस - सूर्य
टी - तुलसी
यू - उद्धव
वी - वमनावतार
डब्ल्यू - वाटर गंगा
एक्स - क्षीरब्दी द्वादशी
वाई - यशोदा
जेड - जामवंत

पत्थरदिल मां-बाप ने झाड़ी में फेंका

जिंदा नवजात बच्चे को चबा गए अवारा कुत्ते

भदोही, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले में सोमवार को चौंकाने वाली घटना सामने आई जिसमें पैदा करने वाले पत्थरदिल मां-बाप ने नवजात शिशु को झाड़ियों में फेंक दिया, जिसे बाद में आवारा कुत्तों ने अपना निवाला बना डाला। इंसानियत को शर्मसार करने वाला यह सनसनीखेज मामला ज्ञानपुर कोतवाली अन्तर्गत देहाती गांव में तब उजागर हुआ जब गांव वालों ने झाड़ी में फेंके गए जिंदा नवजात शिशु को आधा दर्जन कुत्तों का निवाला बनते देखा। यह मंजर देख ग्रामीणों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात शिशु के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। ज्ञानपुर पुलिस ने बताया कि कोतवाली इलाके के देहाती गांव में नहर के समीप एक झाड़ी में लगभग पांच घंटे के नवजात शिशु को कोई जिंदा फेंक गया था। और वहां पहुंचे आधा दर्जन कुत्ते नवजात शिशु को नोच रहें थे। नवजात शिशु के रोने की आवाज सुन गांव का एक ग्रामीण पहुंचा तो नवजात शिशु को कुत्तों से आजाद कराया। उसने इसकी जानकारी पुलिस को दी। इस दौरान कुत्तों के हमले से नवजात शिशु की मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरु कर दी है।

रॉबर्ट वाड्रा ने राहुल गांधी की तुलना साईंबाबा से की

कहा-उनकी सोच साईं के समान, उम्मीद है कि उन्हें आशीर्वाद मिलेगा

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने रविवार को शिरडी में राहुल गांधी की तुलना साईंबाबा से कर दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सोच साईंबाबा के समान है, जिन्होंने एकता के लिए प्रचार किया। उम्मीद है कि राहुल को भी बाबा का आशीर्वाद मिलेगा।

भारत जोड़ो यात्रा की तारीफ की

इस दौरान रॉबर्ट ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देश में बदलाव देखने को मिलेगा। हजारों लोग इस यात्रा में राहुल के साथ जुड़ रहे हैं और उन्हें भविष्य की उम्मीद के तौर पर देख रहे हैं। राहुल गांधी के जीजा और बिजनेस रॉबर्ट वाड्रा महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के शिरडी शहर में स्थित साईं बाबा मंदिर में पूजा करने पहुंचे थे। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि बीजेपी की सरकार हमारी विफलताओं के बारे में बात करेगी। वे कांग्रेस का मजाक बनाएंगे, लेकिन अब राहुल और प्रियंका रुकने वाले नहीं हैं।

हम लोगों के बीच हैं और उनके लिए एकजुट होकर काम करेंगे। हाल ही में चुने गए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जनता की मदद करने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे राहुल गांधी की तुलना भगवान श्रीराम से की। राजस्थान सरकार के मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि भगवान श्रीराम अयोध्या से श्रीलंका तक पैदल गए थे, लेकिन राहुल गांधी की पदयात्रा उनसे भी लंबी है। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा- रा से राम और रा से राहुल गांधी।

बीजेपी सांसद के 12 रिश्तेदारों की मोरबी पुल हादसे में मौत

मोरबी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में बीजेपी सांसद के 12 रिश्तेदारों की मौत हो गई है। राजकोट से बीजेपी सांसद मोहन भाई कुंदरिया के 12 रिश्तेदारों की पुल हादसे में मौत हो गई, जबकि अब तक कुल 132 लोगों की मौत के इस पुल हादसे में हुई है। राहत और बचाव कार्य जारी है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना की तीनों टुकड़ियां मौके पर बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

वहीं बीजेपी सांसद मोहनभाई ने कहा कि इस पुल हादसे में मेरी बहन के जेठ यानी मेरे जीजा के भाई की 4 बेटियों, 3 दामाद और 5 बच्चों को खो दिया है। यह काफी दुखद है। उन्होंने कहा कि दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा और कड़ी कार्रवाई होगी। मोरबी में हुए पुल हादसे पर राजकोट से सांसद मोहनभाई कुंदरिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "यह हादसा बेहद दुखद है। मैं शाम से यहीं पर हूं। 100 से ज्यादा लोगों की बॉडी मिल चुकी है। यहां कई अधिकारी मौजूद हैं। जिसकी गलती होगी, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। इस हादसे की सच्चाई 100 फीसदी सामने आएगी। मामले में पीएम मोदी भी लगातार नजर बनाए हुए हैं। रातभर वह फोन पर इसकी जानकारी लेते रहे हैं।" एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शाहिदी ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बताया, "स्थानीय प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 132 शव बरामद हुए हैं और 2 अभी भी लापता हैं। उनका पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। एनडीआरएफ की 5 टीमें तैनात हैं। एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, सेना, गरुड़ कमांडो भी हैं। जल्द ही सर्च ऑपरेशन खत्म हो जाएगा। मोरबी बी डिवीजन पुलिस इंस्पेक्टर प्रकाशभाई देकावड़िया द्वारा पुल के रखरखाव और एमजीएमटी एजेंसियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर धारा 304 (गैर इरादतन हत्या), 308 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास) और 114 के तहत की गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	तुला	में	कन्या..	03-21	बजे
चंद्र-	मकर	में	तुला-	05-16	बजे
मंगल	मिथुन	में	वृश्चिक	07-26	बजे
बुध-	तुला	में	धनु---	09-41	बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	11-46	बजे
शुक्र-	तुला	में	कुंभ-	14-36	बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	15-14	बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	16-50	बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	18-34	बजे
			मिथुन..	20-36	बजे
			कर्क...	22-48	बजे
			सिंह...	01-00	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि-अष्टमी - **23-04** राततक उपरान्त, नवमी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष ,मंगलवार, **01 Nov**
नक्षत्र - श्रवण-**02 -52** - तक उपरान्त, धनिष्ठा
योग - शूल - **13 - 14** - तक उप- गण्ड
करण- विष्टि **-12 - 06** - तक,उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **गोप अष्टमी**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल
14:52 से
16:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:18 - 07:42	अशुभ	काल	17:44 - 19:18	अशुभ
उत्पात	07:42 - 09:08	अशुभ	लाभ	19:18 - 20:52	शुभ
चंचल	09:08 - 10:34	शुभ	उत्पात	20:52 - 22:26	अशुभ
लाभ	10:34 - 11:59	शुभ	शुभ	22:26 - 23:59	शुभ
अमृत	11:59 - 13:26	शुभ	अमृत	23:59 - 01:34	शुभ
काल	13:26 - 14:52	अशुभ	चंचल	01:34 - 03:08	शुभ
शुभ	14:52 - 16:18	शुभ	रोग	03:08 - 04:42	अशुभ
रोग	16:18 - 17:41	अशुभ	काल	04:42 - 06:16	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें। अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें।आप कि अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या आपको स्वास्थ्य और फिटनेस सम्बन्धी सम्बन्धी किसी भी काम को गंभीरतापूर्वक लेने कि राह में रोड़ा बनी हुई है।वैसे तो आप अपने भोजन को लेकर जागरूक रहते है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे।इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता।इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें।अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं। हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें। इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे। भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज आप किसी भी अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं।काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा।आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें। पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं।इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है।आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे।इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा।उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े।लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे।इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है।आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा। दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं।आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं।आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी।इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें।आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है।आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है।इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं,लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते।आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा।अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

न्यूजीलैंड को बर्ड ऑफ द ईयर 2022 के रूप में नामित किया गया

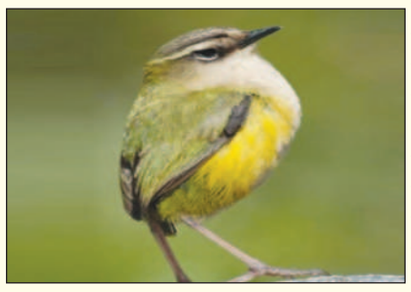

नईदिल्ली, लुप्तप्राय छोटे अल्पाइन रॉक व्रेन पिवाउउ को न्यूजीलैंड के बर्ड ऑफ द ईयर 2022 के रूप में नामित किया गया है। इसकी घोषणा इस कार्यक्रम के आयोजक ने सोमवार को की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बर्ड ऑफ द ईयर प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के स्वतंत्र संरक्षण संगठन फॉरेस्ट एंड बर्ड द्वारा आयोजित एक वार्षिक प्रतियोगिता है, जो देश के पक्षियों के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिए है। इस आयोजन ने देश और विदेश दोनों में काफी दिलचस्पी ली है। फॉरेस्ट एंड बर्ड के मुख्य कार्यकारी निकोला टोकी ने कहा, पाइवाउ की जीत साबित करती है कि न्यूजीलैंड के लोग एक अंडरबर्ड से प्यार करते हैं।

यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि न्यूजीलैंड के लोग अपने कुछ कम-ज्ञात पंख वाले पड़ोसियों को जानते हैं और जश्न मनाते हैं कि वे कितने शानदार हैं। पिवाऊ के लिए एक वोट जलवायु कार्रवाई के लिए एक वोट है। न्यूजीलैंड के एकमात्र सच्चे अल्पाइन पक्षी के रूप में, ये नन्हे-नन्हे पक्षी पहले से ही गर्म तापमान के प्रभावों को महसूस कर रहे हैं, जो चूहों और स्टोट्स जैसे शिकारियों को ऊंचे चढ़ने और अपने पर्वतीय घरों पर आक्रमण करने की अनुमति देते हैं। पिवाउवा एक छोटी जैतून की चिड़िया है जिसकी ठूंठदार पूंछ और लंबी टांगें होती हैं, जिसका वजन मल्लोपफ के बराबर होता है। उनके पास स्नोशू के समान पैर होते हैं, चट्टानों और बर्फ पर पकड़ने के लिए क्रैम्पन जैसे लंबे पंजे होते हैं।

सरकार बदलने से नेताओं का दिमाग ठीक रहता है सरकार बनने पर हर साल 1 लाख नौकरी देंगे : प्रियंका

4 दिन में 8 जिलों में करेंगी प्रचार

मंडी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी सोमवार को मंडी में चुनाव रैली में पहुंची। यहां उन्होंने भाजपा के हर 5 साल बाद सरकार बदलने को 'रिवाज बदलने' के बयानों पर तंज कसा। प्रियंका ने कहा कि आपने हर 5 साल बाद सरकार बदलने की जो परंपरा बनाई है, उसे मत बदलना। यह अच्छी परंपरा है। इससे नेताओं का दिमाग़ ठीक रहता है। प्रियंका ने कहा कि हिमाचल संस्कृति और परंपराओं का प्रदेश है। हिमाचली खुद्दार होते हैं। जो कहते हैं कि परंपरा (रिवाज) बदलिए, मैं उससे सहमत नहीं हूं। प्रियंका ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार बनने पर हर साल 1 लाख और 5 साल में 5 लाख नौकरियां देंगे। रैली में पहुंचने से पहले प्रियंका गांधी ने बाबा भूतनाथ मंदिर में माथा टेका।

सरकार बनते ही रोजगार मिलना शुरू

प्रियंका गांधी ने कहा कि हिमाचल में जिस दिन कांग्रेस की सरकार बनेगी, उसकी पहली कैबिनेट मीटिंग में एक लाख युवाओं को रोजगार देने का फैसला लिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी जो कह रही है वह करके दिखाएगी। छत्तीसगढ़ में किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया गया था वह सरकार बनने के पहले ही दिन पूरा किया गया।

वीरभद्र को याद किया, सीएम ठाकुर पर निशाने साधे

प्रियंका ने भाषण में पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के काम भी गिनाए। प्रियंका ने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री मंडी जिले से हैं, लेकिन उन्होंने यहां कुछ नहीं बनाया, बल्कि सिर्फ स्वार्थ की राजनीति की है। 5 साल से इस बीजेपी सरकार ने कुछ नहीं किया, क्या आप 5 साल और देखें।

रोजगार के नाम पर युवाओं से धोखा

प्रियंका गांधी ने कहा कि हिमाचल में सरकारी विभागों में 63 हजार पद खाली है। इन्हें भरा नहीं जा रहा है। इसके ऊपर सरकार ने सेना भर्ती की अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों से धोखा किया। दूध, दही, आटा, सरसों तेल पर जीएसटी लगाया। सेब बागवानों की पैकिंग सामग्री पर टैक्स लगा दिया।

दादी का हिमाचल से गहरा संबंध

मंडी रैली में प्रियंका ने दादी इंदिरा गांधी को भी याद किया। प्रियंका ने कहा कि आज मेरी दादी इंदिरा गांधी की शहादत का दिन है। इंदिरा गांधी का हिमाचल से गहरा संबंध था।

ऐसा माइक्रोस्कोप बनाया जो ब्रेस्ट कैंसर की पहचान आसान करेगा, फॉलोअप ऑपरेशन की जरूरत नहीं

भारतीय वैज्ञानिक का कमाल

लंदन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब कैंसर, खासकर ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों में कमी आएगी। ऑपरेशन के दौरान कैंसर सेल्स (कोशिकाओं) की आसानी से पहचान की जा सकेगी। दरअसल, लंदन के इम्पीरियल कॉलेज के वैज्ञानिकों ने एंडो माइक्रोस्कोप विकसित किया है। इस डिवाइस को विकसित करने वाली भारत की डॉक्टर खुशी व्यास हैं।

यह सिर्फ एक मिलीमीटर का है और इस तरह डिजाइन किया गया है कि ऑपरेशन के दौरान शरीर के अंदर डाला जा सकता है।

फॉलोअप ऑपरेशन से मिलेगी मुक्ति

यह डिवाइस शरीर के अंदर से कैंसर टिश्यू की तस्वीरें भेजता है, जिसे देखकर कैंसर के टिश्यू हटाना ज्यादा आसान हो जाएगा। यह एक मिलीमीटर के सौवें हिस्से जितने छोटे कैंसर सेल को भी पहचान सकता है। इसे विकसित करने वाली टीम का कहना है कि इससे कैंसर के फॉलोअप ऑपरेशन से बहुत हद तक मुक्ति मिल जाएगी। अब तक ज्यादातर मामलों में कैंसर सेल निकालने के लिए कई बार ऑपरेशन करना पड़ता था, क्योंकि एक बार में सारे कैंसर सेल्स डिटेक्ट ही नहीं हो पाते थे। इस डिवाइस का इस्तेमाल ब्रेस्ट कंजर्विंग सर्जरी में भी किया जा सकेगा। यह सर्जरी कैंसर के सेल निकालने के बाद ब्रेस्ट की रीस्ट्रकचरिंग के लिए की जाती है। अभी ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित 20% महिलाओं को इस सर्जरी की जरूरत पड़ती है। यह डिवाइस ट्यूमर्स के पास के टिश्यू की सही स्थिति बहुत जल्दी और सटीकता से डिटेक्ट कर सकता है।

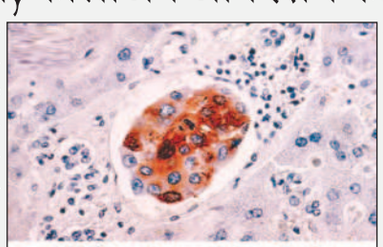
बेहद छोटे कैंसर सेल्स को पहचानेगा डिवाइस

1 सेकंड में 120 तस्वीरें खींचेगा डिवाइस

एंडो माइक्रोस्कोप एक सेकंड में 120 तस्वीरें खींचता है, जिन्हें देखकर डॉक्टर पता लगा लेते हैं कि यह सेल कैंसर ग्रसित है या नहीं। डॉक्टर खुशी व्यास कहती हैं, अब हम इसे क्लिनिकल ट्रायल में भेज रहे हैं। हमारी कोशिश है कि अगले 5 साल में यह ब्रेस्ट कैंसर के ऑपरेशन में हर किसी के लिए उपलब्ध हो सके। इस डिवाइस का विकास यूकेरिसर्च एंड इनोवेशन की संस्था इंजीनियरिंग एंड फिजिकल साइंसेज रिसर्च काउंसिल के सहयोग से किया गया है। वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड इंटरनेशनल के अनुसार, दुनियाभर में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले ब्रेस्ट और लंग कैंसर के हैं। कैंसर के कुल मामलों में 12.5% अकेले ब्रेस्ट कैंसर के हैं। महिलाओं में होने वाले कैंसर में हर चौथी मरीज ब्रेस्ट कैंसर की है।

पाकिस्तान में ज्ञानी हरप्रीत संग दिखा आतंकी पिंका

एसजीपीसी ने जारी की थी अकाल तख्त जत्थेदार की वीडियो, विवाद छिड़ने पर डिलीट की

अमृतसर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। 1984 में श्रीनगर हवाई अड्डे से इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट आईसी405 को हाईजैक करने वाला हरप्रीत सिंह पिंका का वीडियो श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के साथ वायरल हो रहा है। यह वीडियो खुद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, लेकिन जैसे ही पिंका के चलते विवाद शुरू हुआ तो एसजीपीसी ने इसे हटा दिया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की तरफ से पंजा साहिब साके की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह और एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के साथ कई सिख इस समय पंजा साहिब में हैं। एसजीपीसी लगातार पंजा साहिब कार्यक्रम से जुड़ी वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डाल रहा है। इसी दौरान शनिवार एसजीपीसी ने ज्ञानी हरप्रीत सिंह की एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर दी। इस वीडियो में ज्ञानी हरप्रीत सिंह के साथ एक हाफ बाजू की काली जैकेट पहना हुआ सिख नजर आ रहा है। यह सिख कोई और नहीं जम्मू निवासी आतंकी पिंका उर्फ रविंदर सिंह उर्फ रणजीत सिंह उर्फ मनजीत सिंह है।

1984 के बाद से पाकिस्तान में छिप कर रह रहा है पिंका

पिंका ने 1984 में श्री नगर से इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट को हाईजैक किया था। इसके बाद यह फ्लाइट सीधा लाहौर में लैंड हुई थी। तब से लेकर आज तक पिंका पाकिस्तान में हैं। आईएसआई पिंका को शेल्टर देती है।

2019 में भी विवादों में आया था पिंका

पिंका 2019 में भी विवादों में आया था, जब भारत ने पाकिस्तान के साथ मिलकर करतारपुर कॉरिडोर को खोला था। पिंका उस समय श्री करतारपुर साहिब के दरबार साहिब में आता-जाता था, लेकिन भारत सरकार के साथ अच्छे हो रहे रिश्तों को देखते हुए आईएसआई ने पिंका से हाथ खींचना शुरू कर दिया था। उस समय पिंका को श्री करतारपुर साहिब से निकाल कर जिला नारोवाल के किसी अन्य गांव में शिफ्ट कर दिया था।

पूर्व नेता आशुतोष का निशाना

धर्म को राजनीति में मिलाकर अरविंद केजरीवाल ने साबित किया कि आप भी अलग नहीं

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जनवरी 2014 में आम आदमी पार्टी में शामिल होते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा था। आज मैं राहत महसूस कर रहा हूं कि अब उनके साथ नहीं हूं। तब आप को एक क्रांतिकारी ताकत के रूप में देखा जा रहा था, जो यह दावा कर रहा था कि वह राजनीति को बदलने के लिए राजनीति में आया है। आज यह विश्वास करना मुश्किल है कि यह वही पार्टी है। अब आप बदल गई है। पार्टी ने 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में गर्व के कहा था कि जाति, धर्म, क्षेत्र, लिंग या भाषा के आधार पर उम्मीदवारों का चयन नहीं किया है। पार्टी ने कहा था कि उम्मीदवारों के चयन के लिए सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और अच्छा चरित्र ही एकमात्र गुण है। टिकट देने से पहले, संभावित उम्मीदवार का बैकग्राउंड चेक किया गया था और एक मामूली दोष भी अयोग्य घोषित करने के लिए काफी था।

लिंगायत संत आत्महत्या मामला : हनी ट्रैप के पीछे का कारण था प्रतिशोध और लालच

रामनगर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में पुलिस ने सोमवार को कहा कि लिंगायत संत की आत्महत्या के मामले की जांच से पता चला है कि उनको फंसाने और प्रताड़ित करने के पीछे प्रतिशोध और लालच था।

बसवलिंगा श्री ने 24 अक्टूबर को रामनगर जिले के कुंचुगल बंदे मठ के परिसर में आत्महत्या कर ली थी।

कुदुर पुलिस ने मामले का खुलासा किया और एक इंजीनियरिंग छात्र सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस ने जांच जारी रखी है और मामले में अधिक लोगों को पकड़ने की संभावना है। गिरफ्तार आरोपी कन्नूरू मठ के मृत्युंजय स्वामी, डोड्डाबल्लापुर की नीलंबिक उर्फ चंदा और तुमकुरु के एक वकील महादेवैया ने अपराध कबूल कर लिया है और पुलिस को बताया है कि उन्हें मृतक संत से गहरी नफरत थी और वह उन्हें हटाना चाहते थे।

पुलिस के अनुसार मृत्युंजय स्वामी की निगाह समृद्ध कंचुगल बड़े मठ के सिंहासन पर थी, जिनके भक्तों की एक बड़ी संख्या थी, जिनके पास बेंगलुरु के पास 80 एकड़ से अधिक भूमि थी और कई शिक्षण संस्थान भी चल रहे थे। लेकिन सिद्धगंगा मठ ने आरोपी संत से दूरी बना ली थी।

पुलिस ने कहा कि मृत्युंजय स्वामी ने मृतक संत के खिलाफ सिद्धगंगा में शिकायत करने के लिए गहरी नाराजगी जताई। उसने पीड़ित के साथ लड़ाई की और उसे हनी ट्रैप करके और बदला लेने के लिए अपने मठ के मुखिया के रूप में पदभार ग्रहण करने की साजिश रची। उसने अन्य आरोपी नीलंबिके को फंसाने के रूप में इस्तेमाल किया।

पीड़ित सहित लिंगायत मठों के संतों के साथ नीलंबिके के अच्छे संबंध थे। वह उस पर क्रोधित थी क्योंकि उसने उसकी बातचीत को अन्य संतों के साथ गलत तरीके से रिकॉर्ड किया और ऑडियो क्लिप उन स्वामियों को भेज दिया। एडवोकेट महादेवैया ने भी दोनों से हाथ मिलाकर आठ महीने पहले साजिश रची थी।

नीलंबिके ने मृतक साधु को फंसाकर ऑडियो व वीडियो क्लिप प्राप्त कर आरोपी संत को सौंप दिया। अधिवक्ता ने उन्हें एडिट करवाया और ब्लैकमेल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। आरोपी ने सोचा था कि बसवलिंगा श्री पद छोड़ देंगे, लेकिन उनकी योजना विफल हो गई जब उन्होंने आत्महत्या कर ली।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 1 नवंबर, 2022

मोरबी में मौत के गुनहगार

गुजरात के मोरबी में पैदल यात्रियों के लिए बना सस्पेंशन ब्रिज रविवार रात को टूट जाने से करीब 500 लोग नदी में जा गिरे। इनमें से लगभग दो सौ लोगों की मौत हो चुकी है। दुर्भाग्य से मृतकों में अधिकतर महिलाएं और 30 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। भला हो ब्रिज की केबल-जाली का जिसे थामे रहे 200 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया। खबरों के अनुसार पांच दिन पहले ही दो करोड की लागत से इसकी मरम्मत कर आम लोगों के लिए खोला गया था। 143 साल पुराना यह पुल मोरबी की पहचान कहा जाता था। इसकी चौड़ाई 1.25 मीटर (4.6 फीट) है। यानी करीब इतनी ही कि दो लोग आमने-सामने से गुजर सकें। इसकी लंबाई 233 मीटर (765 फीट) थी। अब इस पर अगर 500 लोग एक साथ पुल पर खड़े हों तो हर कोई लगभग एक दूसरे से टच करता हुआ ही दिखाई देगा। पैदल यात्रियों के लिए बना यह पुल मोरबी के लखधीरजी इंजीनियरिंग कॉलेज को दरबारगढ़ महल से जोड़ता था। हादसे के बाद कई सवाल उठ रहे हैं, जो दिखाते हैं कि जिम्मेदारों की लापरवाही से एक साथ सैकड़ों लोगों की जान चली गई। मोरबी का केबल सस्पेंशन ब्रिज 20 फरवरी 1879 को शुरू किया गया था। इसकी कई बार मरम्मत भी हो चुकी है। हाल ही में 2 करोड़ रुपए की लागत से 6 महीने तक ब्रिज का रेनोवेशन हुआ था। गुजराती नववर्ष यानी 26 अक्टूबर को ही यह दोबारा खुला था। विधानसभा चुनाव की घोषणा एक-दो दिन में ही होने वाली है। कांग्रेस का आरोप है कि चुनावी फायदा लेने के लिए इसे बिना टेस्टिंग अफरातफरी में शुरू कर दिया गया। नया पुल हो या किसी पुल का रिनोवेशन किया गया हो, इसको शुरू करने से पहले जरूरी होता है कि उसकी मजबूती को विशेषज्ञ जांचते हैं। ये परखते हैं कि इस पर कितना भार दिया जा सकता है। ठेकेदार ओरेवा ने प्रशासन को सूचना दिए बिना ही पैसे के लालच में लोगों को पुल पर जाने की इजाजत दे दी। कंपनी ने न तो पुल खोलने से पहले नगरपालिका के इंजीनियरों से उनका वेरिफिकेशन कराया और न ही फिटनेस स्पेसिफिकेशन सर्टिफिकेट लिया। अब बड़ा सवाल ये कि 26 अक्टूबर को ओरेवा कंपनी के एमडी जयसुख पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुल को चालू करने की घोषणा की थी, तब नगर पालिका ने इसे क्यों नहीं रोका? मोरबी का यह पुल नगर पालिका के अधिकार में था। नगर पालिका ने इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी अजंता ओरेवा ग्रुप ऑफ कंपनीज को सौंपी थी। यह इलेक्ट्रॉनिक घड़ियों, कैलकुलेटर, घरेलू उपकरणों और एलईडी बल्ब बनाने वाली कंपनी है। ओरेवा ने ही देश में सबसे पहले एक साल की वारंटी के साथ एलईडी बल्ब बेचने की शुरुआत की थी। मरम्मत के दौरान कंपनी के कामकाज की निगरानी के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। यानी पूरी तरह से कंपनी के ऊपर छोड़ दिया गया था। ओरेवा कंपनी से अगले 15 साल यानी 2037 तक के लिए पुल की मरम्मत, रख-रखाव और ऑपरेशन का समझौता किया गया था। पुल पर कंपनी के नाम का बोर्ड तो मौजूद था, लेकिन क्षमता को लेकर दोनों छोरों पर कोई सूचना या चेतावनी नहीं लिखी गई थी। पुल पर जाने के लिए बड़ों से 17 और बच्चों से 12 रुपए का टिकट वसूला जा रहा था। ओरेवा कंपनी ही टिकट के पैसे वसूल रही थी, लेकिन टिकट चेक करने के लिए दोनों सिरों पर खड़े गार्ड्स ने लोगों की संख्या को चेक नहीं किया। यह ब्रिज पिकनिक स्पॉट के तौर पर मशहूर था। दिवाली बाद के वीकेंड में लोग घूमने निकले हुए थे। ब्रिज 6 महीने बाद खुलने की वजह से भी इसको लेकर लोगों में आकर्षण था। इस वजह से इतने ज्यादा लोग एकसाथ पहुंच गए। लोगों को रोका नहीं गया, तो 14 रुपए का टिकट खरीदकर करीब 500 लोग एकसाथ ब्रिज पर जा पहुंचे। ब्रिज कहां से टूटा और इसकी वजह क्या थी, यह जानकारी एफएसएल रिपोर्ट से ही मिल सकेगी। पैदल पुल और पानी के बीच करीब 100 फीट की दूरी होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। पानी की गहराई भी 15 फीट के करीब बताई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया था कि पुल टूटने के बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरे थे। इसके नीचे गाद होने से गिरने के बाद कई लोग गाद में जा धंसे हों। मोरबी का यह पुल गुजरात के राजकोट से 64 किलोमीटर दूरी पर बना हुआ है। विक्टोरियन लंदन स्टाइल में बने इस पुल को मोरबी के पूर्व शासक सर वाघजी ने बनवाया था। इसके लिए मटेरियल इंग्लैंड से मंगाया गया था। तब इसे यूरोप में उपलब्ध सबसे बेहतरीन तकनीक के जरिए बनाया गया था।

लोकतंत्र को आहत करती धार्मिक हिंसा

संजीव ठाकुर

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है।

मानगढ़ धाम में 109 साल पहले हुआ था नरसंहार

भाजपा आदिवासी समाज में पैठ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर भाजपा ने इस वर्ग को साधने के लिए बड़ा दांव खेला था। वहीं, अब राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के आदिवासियों को लुभाने के लिए भी भाजपा लगातार कोशिश कर रही है। भाजपा की इस योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नवंबर यानी आज राजस्थान के आदिवासी बहुल्य जिले बांसवाड़ा पहुंच रहे हैं। वह यहां आदिवासियों के प्रमुख तीर्थ स्थल मानगढ़ धाम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जिसमें राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश तीन राज्यों के हजारों आदिवासी शामिल होंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि पीएम मोदी जनसभा के दौरान मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर सकते हैं। वहीं, मानगढ़ धाम का आजादी से पहले का एक पुराना इतिहास भी है। यहां 109 साल पहले करीब 1500 लोगों का नरसंहार कर दिया गया था। इस नरसंहार को जलियांवाला बाग से भी बड़ा बताया जाता है। हालांकि, कई साल पहले तक इस बारे में बहुत कम लोगों को ही पता था। राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात की 99 विधानसभा सीटें आदिवासी बहुल्य हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पीएम मोदी मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर यहां के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर सकते हैं। क्योंकि मानगढ़ आदिवासियों की आस्था का बड़ा केंद्र हैं। राजस्थान विधानसभा की 25, मध्य प्रदेश में 47 और गुजरात में 27 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। पीएम मोदी की एक नवंबर को होने वाली जनसभा में इन तीनों राज्यों के आदिवासियों को बुलाया गया है। साथ ही तीनों प्रदेशों के सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्षों को भी न्योता भेजा गया है।

19वीं शताब्दी में मानगढ़ टेकरी पर अंग्रेजी फौज ने आदिवासी नेता और समाज सेवक गोविंद गुरु के 1,500 समर्थकों को गोलियों से भून दिया था। गोविंद गुरु से प्रेरित होकर आदिवासी समाज के लोगों ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ 'भगत आंदोलन' चलाया था। गुरु लोगों को मादक पदार्थों से दूर रहने और शाकाहार अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। साथ ही वह बांसवाड़ा, डूंगरपुर, संतरामपुर और कुशलगढ़ के रजवाड़ों द्वारा करवाई जा रही बंधुआ मजदूरी के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

डूंगरपुर जिले के पास स्थित वेदसा गांव के रहने वाले गोविंद गुरु बंजारा समुदाय के थे। 1890 के दशक में उन्होंने भीलों के बीच अपना आंदोलन शुरू किया था। इस आंदोलन के लिए अग्नि देवता को प्रतीक माना गया था। आंदोलन से जुड़ने वाले समर्थकों को अग्नि के सामने खड़े होकर पूजा-पाठ के साथ-साथ हवन करना होता था। साल 1903 में गुरु ने अपनी धूनी मानगढ़ टेकरी पर जमाई।

इस दौरान गुरु के समर्थकों ने 1910 तक अंग्रेजों के सामने 33 मांगें रखीं। इनकी मुख्य मांगें अंग्रेजों और रजवाड़ों द्वारा करवाई जा रही बंधुआ मजदूरी, भारी लगान और गुरु के अनुयायियों के साथ हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ थीं। इन मांगों को मानने से अंग्रेजों और रजवाड़ों ने मना कर दिया। जिसके बाद वह भगत आंदोलन को तोड़ने में जुट गए, लेकिन मानगढ़ पहाड़ी पर गुरु के समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी।

भगत आंदोलन के बीच अंग्रेजों ने गोविंद गुरु को गिरफ्तार कर लिया। उन पर मुकदमा चलाया गया और फिर उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया गया। गुरू के अच्छे व्यवहार और लोकप्रियता के कारण साल 1919 में उन्हें हैदराबाद जेल से रिहा कर दिया गया, लेकिन उनके उन रियासतों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया जहां उनके समर्थक थे। जिसके बाद वह गुजरात के लिंबडी के पास कंबोई में जाकर बस गए।

इधर, गुरु के समर्थक लगातार बढ़ते जा रहे थे। मांगें ठुकराए जाने के बाद उन्होंने अंग्रेजों से आजादी का ऐलान करने की कसम खाई। पहाड़ी पर कब्जा जमाए बैठे भील क्रांतिकारी 'ओ भुरेतिया नइ मानु रे, नइ मानु' (ओ अंग्रेजों, हम नहीं झुकेंगे तुम्हारे सामने) गीत गाया करते थे। इस दौरान गुरु के समर्थकों ने अंग्रजों की पुलिस चौकी पर हमले भी किए। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, संतरामपुर और कुशलगढ़ की रियासतों में गुरु के समर्थकों की तादात लगातार बढ़ती जा रही थी। जिसके बाद अंग्रेजों और रजवाड़ों ने भगत आंदोलन को कुचलने का मन बना लिया। साल 1913 में आंदोलनकारियों को चेतावनी दी गई कि 15 नवंबर तक मानगढ़ खाली कर दो, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

अंग्रेजों से मुकाबले के लिए गुरु के समर्थकों ने भानगढ़ पहाड़ी को किले में तब्दील कर दिया था। हथियारों के नाम पर समर्थकों के पास देसी तमंचे और तलवारें थी। उधर, अंग्रेजों की फौज और रजवाड़ों की सेना ने भी हमले की तैयारी शुरू कर दी। इसके लिए मशीनगन और तोपों को गधों और खच्चरों पर लादकर मानगढ़ और आसपास की दूसरी पहाड़ियों पर लाया गया।

संयुक्त सेना ने मानगढ़ को घेर लिया और आंदोलनकारियों को भगाने के लिए हवा में गोलीबारी करने लगे। गोलीबारी के बाद भी आंदोलनकारी मानगढ़ पहाड़ी खाली करने के लिए तैयार नहीं थे। जिसके बाद इस हमले ने नरसंहार का रूप ले लिया।

बताया जाता है कि इस हमले की कमान अंग्रेज अफसर मेजर एस बेली, कैप्टन ई. स्टॉइली और आर.ई. हैमिल्टन के हाथ में थी। अंग्रेजों की फौज और रजवाड़ों की सेना हवा में गोलियां बरसा रही थी, लेकिन आदोलनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं थे। जिसके बाद अंग्रेजों और रजवाड़ों की संयुक्त सेना ने सीधे आंदोलनकारियों पर गोलियां बरसाना शुरू कर दीं।

इस गोलीबारी को एक अंग्रेज अफसर ने तब रोका जब उसने देखा कि मारी गई महिला का बच्चा उससे चिपट कर स्तनपान कर रहा था। तब तक 1500 से ज्यादा आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी और कई जख्मी हो गए थे। इस दौरान 900 से ज्यादा लोगों को जिंदा पकड़ लिया गया था, जो गोलीबारी के बाद भी पहाड़ी खाली करने के लिए तैयार नहीं थे।

इधर, जेल से रिहा होने के बाद गोविंद गुरु गुजरात के लिंबडी के पास कंबोई में बस गए थे। साल 1931 में उनका भी निधन हो गया था। कंबोई में गोविंद गुरु समाधि मंदिर आज भी बना हुआ है। जहां उनके अनुयायी श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए जाते हैं।

शीघ्र एवं सस्ता न्याय दिलाने की सक्षम विधिक सेवा

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

न्यायालयों की जटिलतम प्रक्रिया से सामान्य या गरीब व्यक्ति के लिए न्याय प्राप्त कर पाना दुरूह कार्य जैसा है। जन सामान्य के बीच एक उक्ति प्रचलित है कि मुकदमाबाजी व्यक्ति को कंगाल बना देती है या किसी को यदि बर्बाद करना हो तो उसे दो-चार मुकदमों में फंसा दो, वह अपने आप बर्बाद हो जायेगा। न्याय के नाम पर तारीख पर तारीख और हर तारीख पर पानी की तरह बहता पैसा, न्यायिक प्रक्रिया का कटु सत्य बन चुका है। इस सत्य का आभास जिम्मेदारों को बहुत पहले हो चुका था। शायद तभी सन 1987 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनयम साकार रूप ले सका। जिसने विवादों के निपटारे की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में लोक अदालतों के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। इस अधिनियम की पृष्ठभूमि वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 39क को जोड़कर बनी थी। जिसके द्वारा शासन से अपेक्षा की गई है कि वह यह सुनिश्चित करे कि भारत का कोई भी नागरिक आर्थिक या अन्य किसी अक्षमताओं के कारण न्याय पाने से वंचित न रह जाये। इस हेतु

सर्वप्रथम सन 1980 में केन्द्र सरकार के निर्देश पर पूरे देश में कानूनी सहायता बोर्ड की स्थापना हुई थी। बाद में इसे कानूनी रूप देते हुए केन्द्र सरकार द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के नाम से पारित किया गया। जो कि 9 नवम्बर 1995 को लागू हुआ। इस अधिनियम द्वारा ही विधिक सहायता एवं लोक अदालत संगठित करने का अधिकार राज्य स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को मिला है।

वर्ष 2002 में उपरोक्त अधिनियम में संशोधन करके एक नवीन अध्याय जोड़ते हुए जन उपयोगी सेवा को परिभाषित किया गया। जिसमें कि वायु, सड़क या जल मार्ग द्वारा यात्रियों या माल के वहन हेतु यातायात सेवा, डाक, तार या टेलीफोन सेवा, किसी संस्थान द्वारा जनता को विद्युत, प्रकाश या जल का प्रदाय, सार्वजनिक मल वहन या स्वच्छता प्रणाली, अस्पताल या औषधालय तथा बीमा सेवा को शामिल किया गया था। 16 फरवरी 2016 को केन्द्र सरकार द्वारा एक अधिसूचना जारी करके

इसमें रियल इस्टेट तथा शैक्षणिक सेवा को भी सम्मिलित कर दिया गया है। उपरोक्त लोक उपयोगी सेवाओं से सम्बन्धित मामलों के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2002 की धारा 22बी के तहत स्थाई लोक अदालतों की स्थापना शुरू हुई। यहाँ लोक अदालत एवं स्थाई लोक अदालत के बीच अन्तर समझना आवश्यक है। प्रथम दृष्टया दोनों ही तरह की लोक अदालतों का मुख्य उद्देश्य विवादों को आपसी सहमति से निपटाना होता है। अधिनियम की

धारा 21 के तहत दोनों ही लोक अदालतों का अधिनिर्णय यथास्थित सिविल न्यायालय की डिक्री या आदेश समझा जाएगा। जो कि अन्तिम तथा विवाद के सभी पक्षकारों के लिए आबद्धकर होगा। इस आदेश के विरुद्ध किसी भी तरह की अपील किसी भी न्यायालय में नहीं की जा सकती है। अधिनियम की धारा 22 के तहत लोक अदालत या स्थाई लोक अदालत को कोई अवधारण करने के प्रयोजन के लिए वही शक्तियां प्राप्त हैं जो सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के अधीन सिविल न्यायालय को प्राप्त होती हैं। इस अनुसार लोक अदालतें किसी साक्षी को समन कर सकती हैं, शपथ पत्रों पर साक्ष्य ग्रहण कर सकती हैं तथा आवश्यक दस्तावेज या लोक अभिलेख आदि मांग सकती हैं। अपने समक्ष आने वाले विवाद के अवधारण हेतु अपनी स्वयं की प्रक्रिया विनिर्दिष्ट कर सकती हैं। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम की धारा 22(3) में स्पष्ट रूप से अंकित है कि लोक अदालत या स्थाई लोक अदालत के समक्ष सभी कार्यवाहियां भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) की धारा 193, धारा 219 और धारा 228 के अर्थ में न्यायिक कार्यवाहियां समझी जाएंगी तथा प्रत्येक दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 195 और अध्याय 26 के प्रयोजन के लिए सिविल न्यायालय समझी जाएंगी। लोक अदालतों का आयोजन कभी-कभी होता है। जहां सिविल कोर्ट में लम्बित उन मामलों की सुनवाई होती है जिनमें आपसी समझौते के द्वारा विवादों को निपटाने की गुंजाइश दिखाई देती है। लोक अदालतों का आयोजन प्रत्येक राज्य प्राधिकरण या जिला प्राधिकरण या उच्चतम न्यायालय

विधिक सेवा समिति या प्रत्येक उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति या तालुक विधिक सेवा समिति द्वारा किया जाता है। अधिनियम की धारा 19(5) के अनुसार किसी भी लोक अदालत को उस न्यायालय के, जिसके लिए लोक अदालत आयोजित की जाती है, समक्ष लम्बित किसी मामले की

बाबत या किसी ऐसे विषय की बाबत जो उसकी अधिकारिता के भीतर है किन्तु वह उसके समक्ष नही लाया गया है।

तालुक विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित लोक अदालत में तालुक अदालतों में लम्बित मुकदमों की सुनवाई होती है। इसी प्रकार जिला प्राधिकरण द्वारा आयोजित लोक अदालत में जनपद सिविल न्यायालय के, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित लोक अदालत में उच्च न्यायालय के तथा उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित लोक अदालत में उच्चतम न्यायालय में लम्बित ऐसे मुकदमों को सभी पक्षकारों की सहमति से भेजा जाता है, जिनका निपटारा पक्षकारों के आपसी सुलह समझौते द्वारा सम्भव दिखाई देता है। यदि लोक अदालत में मुकदमें का निपटारा सम्भव नही हो पाता तो उसे पुनः सम्बन्धित अदालत में वापस भेज दिया जाता

है। लोक अदालतों में कोई नया मुकदमा दाखिल नहीं होता है।

स्थाई लोक अदालत में ऊपर वर्णित जन उपयोगी सेवाओं से सम्बन्धित किसी विवाद का कोई पक्षकार विवाद को किसी न्यायालय के समक्ष लाने से पूर्व विवाद के निपटारे हेतु आवेदन कर सकता है, उन अपराधों को छोड़कर जो विधि के अधीन शमनीय नहीं हैं। साथ ही ऐसे मामले भी स्थाई लोक

अदालत की परिधि से बाहर होते हैं जिसमें वादग्रस्त सम्पत्ति का मूल्य दस लाख रूपए से अधिक

होता है। स्थाई लोक अदालतें एक नियत स्थान पर सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन काम करती हैं। लोक अदालत की तरह यहाँ न तो किसी प्रकार की कोई कोर्ट फ़ीस पड़ती है और न ही

वकील की आवश्यकता होती है। परन्तु यदि पक्षकार चाहें तो अपना पक्ष रखने के लिए वकील नियुक्त कर सकते हैं। सबसे पहले सुलह समझौते के माध्यम से विवाद को निपटाने का प्रयास किया जाता है। परन्तु बातचीत की प्रक्रिया फेल होते ही इस न्यायालय को दीवानी कोर्ट के अधिकार प्राप्त हो जाते हैं और वह मुकदमें के गुण दोष के आधार पर अपना निर्णय सुना सकता है। जिसे मानने के लिए दोनों पक्ष वाध्य होते हैं।

जेब और उसकी इज्जत

डॉ. सुरेश कुमार

हमने एक साहब को दुकान के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि न्यौता दिया। मुख्य अतिथि उन्हीं को बनाना चाहिए जो आगे चलकर हमारे काम आ सके। वो क्या है न कि उनके नाम से दो-चार विज्ञापन यूँ ही झड़ जाते हैं जैसे हवा के चलने से पेड़ के सूखे पत्ते। साहब पर कई मुकदमे चल रहे हैं। खाने के नाम पर पैसा, ओढ़ने के नाम पर बेईमानी, बचाने के नाम पर टैक्स और दिखाने के नाम पर ठेंगा इनका शगल है। वे प्रायः बाहर रहते हैं। उन्हें अंदर की हवा पसंद नहीं है। समाचार पत्रों का पहला पन्ना छोड़कर बाकी सब पन्ने पढ़ने के शौकीन हैं। पहले पन्ने पर इन्हीं की कारस्तानियों की खबरें छाई रहती हैं, ऐसे में खुद के बारे में पढ़ना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं।

वे अपनी हाजिरजवाबदारी के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। एक दिन उनसे किसी पत्रकार ने कह दिया कि आपने देश का पैसा खा लिया। आप गद्दार हैं। इस पर उन्होंने अपनी जेब से पाँच का सिक्का निकाला और कहा – यह लो सिक्का और इसे खाकर दिखाओ। यदि तुम खा गए तो मैं मान लूँगा कि मैंने पैसा खाया है। जेब से खुद का सिक्का निकालकर उसे किसी दूसरे को खाने के लिए देना कभी गद्दार की निशानी नहीं हो सकती। पत्रकार ने पलट कर पूछा – फिर आप दो साल जेल में क्यों रहे? जेल में रहने का मतलब तो यही हुआ न कि आपने कुछ गलत किया था। साहब ने एक लंबी सांस ली और धीरे से कहा – फिर आजादी से पहले जो लोग जेल गए थे, क्या वे दोषी थे? नहीं न! उन्हें तब की सरकार ने जेल भेजा था। मुझे अबकी सरकार ने। उन्हें देश के लिए लड़ने के एवज में भेजा था तो मुझे खुद के एवज में। उनका मामला कोर्ट कचहरी में चला, मेरा मामला भी कोर्ट कचहरी में चला। वे भी बाहर आए थे, हम भी बाहर आए। फर्क केवल इतना था कि वे अपनी दलीलों से बाहर आए और हम अपने दलालों से। दलीलें दलाल से नहीं दलालों से दलीलें चलती हैं। पत्रकार ढीठ था। उसने पूछा – फिर सरकार आपके खिलाफ क्यों है? साहब ने कहा – इसलिए कि इससे पहले की सरकारें मेरे साथ थीं। सरकारों के बीच की दुश्मनी दो पाटों की तरह होती है, जिसमें हम जैसे घुन को पीसा जाता है। अच्छा हुआ कि मैं घुन नहीं साबुत पत्थर निकला। सो बाहर निकल आया। वैसे भी जेब और इज्जत का क्या है, कुछ देर खाली रहने के बाद फिर से भर जाती हैं। वो दिन लद गए कि लुटी इज्जत फिर से नहीं कमाई नहीं जा सकती।

आर्यों का निवास और वैदिक संस्कृतियों का घर हरियाणा

डॉ सत्यवान सौरभ

1 नवंबर 1966 को पंजाब से अलग होकर हरियाणा 17वें भारतीय राज्य के रूप में बना था। हरियाणा के नाम की उत्पत्ति के बारे में विविध व्याख्याएं हैं। प्राचीन काल में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यावर्त और ब्रह्मोपदेश के नाम से जाना जाता था। ये नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्म-भगवान के उद्भव पर आधारित हैं; आर्यों का निवास और वैदिक संस्कृतियों और अन्य संस्कारों के उपदेशों का घर। इसके अन्य नाम बहुधान्यक और बहुधन हरियाणा को भरपूर अनाज और अपार धन की भूमि के रूप में सुझाते हैं। हरियाणा उत्तर पश्चिम भारत में 27 डिग्री 39' एन से 30 डिग्री 35' एन अक्षांश और 74 डिग्री 28' ई से 77 डिग्री 36' ई देशांतर के बीच और समुद्र तल से 700-3600 फीट की ऊंचाई के साथ स्थित है। हरियाणा की राजधानी, चंडीगढ़, इसके पड़ोसी राज्य पंजाब द्वारा साझा की जाती है, जिसे स्विस मूल के फ्रांसीसी वास्तुकार, ले कॉर्बूसियर द्वारा डिजाइन किया गया है। 44,212 वर्ग किमी में, हरियाणा भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 1.34% कवर करता है।

वर्तमान राज्य हरियाणा में शामिल क्षेत्र 1803 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया गया था। 1832 में इसे ब्रिटिश भारत के तत्कालीन उत्तर-पश्चिमी प्रांतों में स्थानांतरित कर दिया गया और 1858 में हरियाणा पंजाब का हिस्सा बन गया। ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति के कारण इस क्षेत्र में शिक्षा, व्यापार, उद्योग, संचार के साधन और सिंचाई के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ। नतीजतन यह 19वीं सदी के दौरान पिछड़ा रहा। हरियाणा और पंजाब के बीच मिलन अजीब था, मुख्यतः दो क्षेत्रों के बीच धार्मिक और भाषाई मतभेदों के कारणः पंजाब के पंजाबी भाषी सिख, हरियाणा के हिंदी भाषी हिंदुओं की तुलना में। दिसंबर 12,1911 को कलकत्ता से दिल्ली में राजधानी के परिवर्तन के साथ, हरियाणा क्षेत्र और अलग हो गया था। 1920 के दशक में, दिल्ली जिले में कुछ बदलाव मुस्लिम लीग और क्षेत्र के लोगों द्वारा दिल्ली के आयुक्त सर जे.पी. थॉमसन को सुझाए गए थे। 1928 में, दिल्ली में सर्वदलीय सम्मेलन ने फिर से दिल्ली की सीमाओं के विस्तार की मांग की। इसके अलावा, हरियाणा के एक अलग राज्य के लिए आंदोलन का नेतृत्व लाला लाजपत राय और आसफ अली, दोनों भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में प्रमुख शख्सियतों के साथ-साथ नेकी राम शर्मा द्वारा किया गया था, उन्होंने एक स्वायत्त राज्य की अवधारणा को विकसित करने के लिए एक समिति का नेतृत्व किया था।

1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में, तत्कालीन पंजाब सरकार के वित्तीय आयुक्त और गोलमेज सम्मेलन के भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सचिव सर जेफ्री कॉर्बेट ने पंजाब की सीमाओं के पुनर्गठन और पंजाब से अंबाला डिवीजन को अलग करने का सुझाव दिया। 1932 में, देशबंधु गुप्ता ने कहा कि ₹हिंदी भाषी क्षेत्र कभी भी पंजाब का हिस्सा नहीं रहा था। इस क्षेत्र के विकास के लिए यह आवश्यक था कि इसे पंजाब से अलग किया जाए और दिल्ली, राजस्थान और इसके आसपास के कुछ हिस्सों को मिलाकर एक नया राज्य बनाया जाए। ग्रेटर दिल्ली या विशाल हरियाणा के निर्माण की मांग को महात्मा गांधी, मोती लाल नेहरू, आसफ अली, सर छोटू राम और ठाकुर दास भार्गव ने उठाया; 1947 में आजादी के बाद हरियाणा पंजाब का हिस्सा बना रहा, लेकिन अलग-अलग राज्यों की मांग - हिंदुओं और सिखों दोनों द्वारा समर्थित - निरंतर, कम नहीं हुई। वास्तव में, आंदोलन ने गति पकड़ी, 1960 के दशक की शुरुआत में अपनी पूरी तीव्रता तक पहुंच गया।

अंत में, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम (और राज्य पुनर्गठन आयोग की पूर्व सिफारिशों के अनुसार) के पारित होने के साथ, सरदार हुकम सिंह संसदीय समिति की सिफारिश पर हरियाणा 1966 में पंजाब से अलग होकर भारत का 17 वां राज्य बन गया। इस समिति के गठन की घोषणा 23 सितंबर 1965 को संसद में की गई थी। 23 अप्रैल, 1966 को हुकुम सिंह समिति की सिफारिश पर कार्य करते हुए, भारत सरकार ने विभाजन और विभाजन के लिए न्यायमूर्ति जे.सी. शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग की स्थापना की। लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को ध्यान में रखते हुए पंजाब और हरियाणा की सीमाओं की स्थापना की। आयोग ने 31 मई, 1966 को अपनी रिपोर्ट दी। इस रिपोर्ट के अनुसार हिसार, महेंद्रगढ़, गुड़गांव, रोहतक और करनाल के तत्कालीन जिलों को नए राज्य हरियाणा का हिस्सा बनना था। इसके अलावा, जींद (जिला संगरूर), नरवाना (जिला संगरूर), नारायणगढ़, अंबाला और जगाधरी की तहसीलों को भी शामिल किया जाना था।

आंवला नवमी कल

इस दिन पूजा और दान का फल कभी खत्म नहीं होता इसलिए इसे अक्षय पुण्य वाला व्रत कहते हैं

दिवाली के 8 दिन बाद यानी कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा के साथ व्रत किया जाता है। इसे आंवला नवमी कहते हैं। ऐसा करने से पर मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। इसलिए इसे अक्षय नवमी भी कहते हैं। इस बार ये व्रत 2 नवंबर को किया जाएगा।

मान्यता है कि आंवला नवमी स्वयं सिद्ध मुहूर्त भी है। इस दिन दान, जप व तप सभी अक्षय होकर मिलते हैं अर्थात इनका कभी क्षय नहीं होता हैं। भविष्य, स्कंद, पद्म और विष्णु पुराण के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु और आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है। पूरे दिन व्रत रखा जाता है। पूजा के बाद इस पेड़ की छाया में बैठकर खाना खाया जाता है। ऐसा करने से हर तरह के पाप और बीमारियां दूर होती हैं।

विष्णु का रूप हैं आंवले का पेड़

पद्म पुराण के मुताबिक भगवान शिव ने कार्तिकेय को कहा है कि आंवले का पेड़ साक्षात विष्णु ही है। ये विष्णु प्रिय है और इसका ध्यान करने से ही गोदान के बराबर फल मिलता है। आंवले के पेड़ के नीचे विष्णु के दामोदर रूप की पूजा की जाती है। संतान प्राप्ति, सुख, समृद्धि और कई जन्मों के पुण्य खत्म न हो इस कामना से अक्षय नवमी की पूजा और व्रत किया जाता है। इस दिन लोग परिवार सहित आंवला के पेड़ के नीचे भोजन तैयार कर ग्रहण करते हैं। इसके बाद ब्राह्मणों को द्रव्य, अन्न एवं अन्य वस्तुओं का दान करते हैं।

आंवला नवमी से जुड़ी मान्यताएं

1. इस दिन महर्षि च्यवन ने आंवला खाया था। जिससे उन्हें फिर से यौवन मिला। इसलिए इस दिन आंवला खाना चाहिए।
2. कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी पर आंवले के पेड़ की परिक्रमा करने से बीमारियां और पापों से छुटकारा मिलता है।
3. इस दिन भगवान विष्णु आंवले के पेड़ में रहते हैं। इसलिए इस पेड़ की पूजा से समृद्धि बढ़ती है और दरिद्रता नहीं आती।
4. अक्षय नवमी पर लक्ष्मीजी ने पृथ्वी पर भगवान विष्णु और शिवजी की पूजा आंवले के रूप में की थी और इसी पेड़ के नीचे बैठकर भोजन किया।
5. मान्यता ये भी है कि इसी दिन भगवान कृष्ण ने कंस वध से पहले तीन जंगलों की परिक्रमा की थी। इस वजह से अक्षय नवमी पर लाखों भक्त मथुरा-वृदांवन की परिक्रमा भी करते हैं।

अलमीरा के दरवाजे पर लगे आईने से फैलती है नकरात्मकता

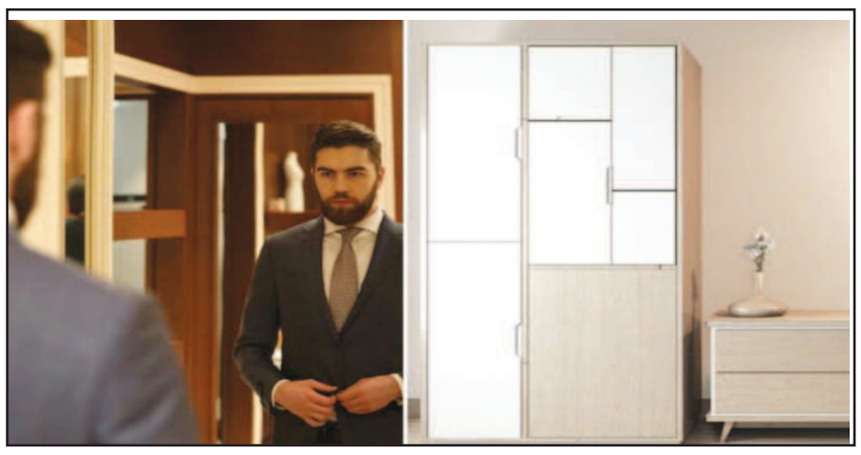

बदलते दौर के साथ ही लोगों की जीना का तरीका भी बदल चुका है। जहां पहले लोगों के घरों मे सिर्फ लकड़ी की अलमारियां हुआ करती थी। लेकिन अब इसे भी फैशनेबल बना दिया गया है। आज ऐसी अलमारियां आ रही हैं, जिनके दरवाजे पर बाहर की तरफ आईना लगा होता है। इस तरह की अलमारी घर में रखने से भाग्य पर असर पड़ता है, जिससे कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता। तो आइए आज वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि आईना वाली अलमीरा को किस दिशा में रखना चाहिए।

वास्तु नियम के मुताबिक, अलमारी के दरवाजे के बाहर आईना लगा बिल्कुल भी सही नहीं है। नियम के अनुसार, अलमारी रखने की दिशा दक्षिण या पश्चिम है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, आईना या शीशा लगाने के लिए पूर्व या उत्तर दिशा को अच्छा माना जाता है, इसलिए अगर अलमारी के दरवाजे पर शीशा लगा होगा तो वह ठीक नहीं है। वास्तु नियमों में माना जाता है कि यह नकारात्मकता का प्रतीक है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ता है। इसके साथ ही आपकी आय में भी कमी आ सकती है।

टूटा आईना घर में कभी न रखें

वास्तु के मुताबिक, टूटा आईना घर में रखने से पॉजिटिव वाइब्रेशन कम होती जाती है। दरअसल, टूटे हुए आईने पर पड़ने वाली रोशनी नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है जिसका सीधा असर घर के सदस्यों पर पड़ता है।

आईने को टूटने पर घर के बाहर फेंक देना

चाहिए। जब कोई आइना अचानक से टूट जाता है तो इसका मतलब है कि घर पर आई कोई बड़ी मुसीबत इस आईने पर टल गई है, इसलिए इसे बाहर फेंक देना चाहिए।

पलंग के ठीक सामने भूलकर भी ना लगाएं आईना

हम सबके घर में आईना जरूर होता है। कभी सजावट के लिए कभी सजने-संवरने के लिए, ज्यादातर लोग आईने को बेडरूम में ही लगाना पसंद करते हैं, लेकिन बेडरूम में आईना लगाना आपको मुश्किल में डाल सकता है। क्योंकि अगर आप इसे पलंग के सामने लगा देते हैं तो इसका बुरा असर आपके पूरे जीवन पर पड़ सकता है। इसलिए आज वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए बेडरूम में आईना लगाने का सही नियम।

पति-पत्नी के संबंधों में खटास

शयनकक्ष, यानी बेडरूम में आप वैसे तो कहीं भी शीशा लगा सकते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार बेड के ठीक सामने आइना या शीशा नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि अगर बेड के ठीक सामने आइना लगा होगा तो सबसे पहले सुबह उठने पर आपको वही दिखेगा जो कि अशुभ है। कहते हैं सुबह उठते ही सबसे पहले अपनी हथलियों में भगवान का स्मरण करना चाहिए। इसलिए बेड के सामने आइना न लगाएं। इसके अलावा ऐसा करने से पति-

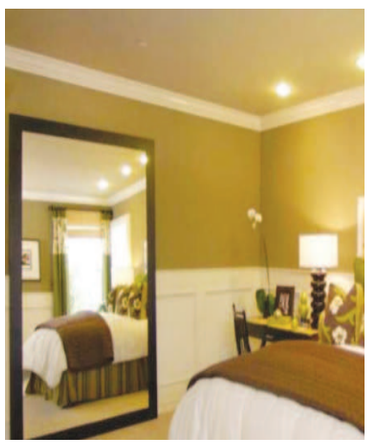

पत्नी के संबंधों में भी खटास आ जाती है और साथ ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी झेलनी पड़ सकती हैं।

करें ये उपाय

लेकिन अगर आपके बेडरूम में लगा वह शीशा फिक्स है और आप उसे हटा नहीं सकते तो उस पर रात को सोने से पहले ही कपड़ा ढंक दें। एक बात और कि आप बेड के सामने वाली जगह, यानी वह दिशा जो आपको उठते ही सबसे पहले दिखाती है, उसे छोड़कर आप बेडरूम की किसी भी दिशा में आइना लगा सकते हैं।

अचानक क्यों टूट जाता है आईना

इसके आलावा आपाके जानकर हैरानी होगी कि जब कोई आइना अचानक से टूट जाता है तो इसका मतलब है कि घर पर आई कोई बड़ी मुसीबत इस आइने पर टल गई है। इसलिए इसे बिना देर किए ही घर से बाहर फेंक देना चाहिए।

आईने को लगाने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण, पश्चिम दिशा और आग्नेय, वायव्य एवं नैऋत्य कोण की दीवार पर आईना लगाना चाहिए। अगर आपके घर या ऑफिस की इन दिशाओं में आईना लगा हुआ है तो उसे तुरंत ही वहां से हटा दें, क्योंकि यह अशुभ होता है। वहीं कई घरों में आईना दीवार पर टाइल्स के बीच में लगा हुआ होता है तो उसे हटाना संभव नहीं है। ऐसे में उस आईना को कपड़ा से ढक सकते हैं, जिससे उसकी आभा किसी भी वस्तु पर न पड़े। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, इस दिशा में आईना लगाना हानि पहुंचाता है। इन दिशाओं में आईना लगाने से भय बना रहता है।

शिव जी के साथ इसलिए विराजित हैं नंदी

भगवान शिव के सभी मंदिरों में आपने देखा होगा कि शिवजी के साथ ही नंदी की प्रतिमा भी स्थापित होती है। शिवजी के सामने नंदी विराजित होते हैं। भक्त को शिवजी के दर्शन करने से पहले नंदी के दर्शन करने पड़ते हैं। नंदी शिवजी की सवारी है, इतना ही नहीं उन्हें शिवजी का सबसे बड़ा भक्त भी कहा जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शक्ति और भक्ति का प्रतीक नंदी आखिर कैसे बने शिव जी की सवारी और क्यों शिवजी के सभी मंदिरों में विराजित होते हैं नंदी। दरअसल इससे पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। जानते हैं शिव नंदी की कथा के बारे में।

शिव नंदी की पौराणिक कथा

शिव पुराण से जुड़ी कथा के अनुसार, शिलाद नामक मुनि हमेशा तप और योग में लीन रहते थे। जिस कारण वे अपने गृहस्थ जीवन को समय नहीं दे पाते थे। शिलाद मुनि के योग और तप में व्यस्त रहने और ब्रह्माचारी होने के कारण उनका वंश समाप्ति की ओर था। ये सब देख उनके पितरों की चिंता बढ़ गई। तब शिलाद मुनि ने संतान की कामना के लिए देवराज इंद्र को अपने तप से प्रसन्न किया। शिलाद मुनि ने इंद्र देव से ऐसे संतान का वरदान मांगा जोकि जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त हो। लेकिन इंद्र देव ऐसा वरदान देने में असमर्थ थे। उन्होंने शिलाद मुनि को भगवान शिव से वरदान मांगने को कहा। शिलाद मुनि ने फिर कठोर तपस्या की और भगवान शिव को प्रसन्न किया।

शिलाद मुनि की तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उनके स्वयं पुत्र के रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। शिवजी नंदी के रूप में प्रकट हुए। इसके बाद शिवजी ने माता पार्वती की सम्मति से संपूर्ण गणों और वेदों के समक्ष गणों के अधिपति के रूप में नंदी का अभिषेक कराया। इस तरह के नंदी नंदीश्वर बन गए और शिवजी के वरदान से नंदी जन्म के बाद मृत्यु से मुक्त और अजर-अमर हो गए। शिवजी ने नंदी को यह भी वरदान दिया कि जहां उनका निवास होगा वहां नंदी का भी निवास होगा। इसलिए शिवजी के सभी मंदिरों या शिवालयों में नंदी की स्थापना की जाती है।

नंदी के समर्पण से प्रसन्न हुए थे महादेव

शिवजी और नदी से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय हलाहल विष निकला था। संपूर्ण संसार की रक्षा के लिए शिवजी ने स्वयं इसे पी लिया। लेकिन विषपान करते समय कुछ बूंदे धरती पर गिर गई थी, जिसे नंदी ने चाट लिया। नंदी का ये प्रेम और समर्पण देख भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने नंदी को अपने सबसे बड़े भक्त की उपाधि दी। इस तरह नंदी भगवान शिव की सवारी के साथ ही उनके सबसे बड़े भक्त भी कहलाते हैं।

कार्तिकेय के नाम पर है कार्तिक मास का नाम

अभी कार्तिक महीना चल रहा है और इस महीने का नाम कार्तिकेय स्वामी के नाम पर रखा गया है। मान्यता है कि जब कार्तिकेय स्वामी ने तारकासुर का वध किया, उस समय हिन्दी पंचांग का आठवां महीना चल रहा था। शिव जी कार्तिकेय स्वामी के पराक्रम से खुश होकर इस आठवें महीने का नाम कार्तिक रखा। कार्तिकेय स्वामी गणेश के भाई हैं। जानिए इन दोनों भाइयों से जुड़ी एक कहानी...

शिव जी और पार्वती जी ने एक दिन विचार किया कि अब बच्चों का विवाह करना चाहिए। कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी से कहा कि जो इस पूरे संसार का चक्कर लगाकर पहले लौट आएगा, उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मयूर यानी मोर पर बैठकर उड़ गए। गणेश जी का वाहन चूहा है तो उन्हें अपना दिमाग दौड़ाया।

गणेश जी ने तुरंत ही माता-पिता यानी शिव-पार्वती की परिक्रमा कर ली और कहा कि मेरे तो आप दोनों ही पूरा संसार हैं। ये बात सुनकर शिव जी और पार्वती जी बहुत प्रसन्न हो गए। शिव जी ने गणेश जी को प्रथम पूज्य होने का वरदान दे दिया।

कार्तिकेय स्वामी संसार की परिक्रमा करके आए तो उन्हें थोड़ा ज्यादा समय लग गया। वापस लौटकर कार्तिकेय स्वामी ने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। पूरी बात मालूम हुई तो कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। नाराज होकर कार्तिकेय स्वामी क्रोंच पर्वत पर चले गए।

ये क्रोंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। माता-पिता ने कार्तिकेय स्वामी को मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन कार्तिकेय का गुस्सा खत्म नहीं हुआ।

जब बहुत कोशिशों के बाद भी शिव-पार्वती कार्तिकेय स्वामी को मना नहीं पाए तो उन्होंने तय किया कि अब से वे हर माह की अमावस्या पर शिव जी और पूर्णिमा पर पार्वती जी कार्तिकेय से मिलने क्रोंच पर्वत पर जाएंगी। इसलिए श्रीपर्वत के मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में शिव जी और पार्वती जी, इन दोनों की ज्योतियां हैं। मल्लिका यानी पार्वती और अर्जुन यानी शिव जी। इस कहानी का संदेश यह है कि माता-पिता अपनी नाराज संतान को मनाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। बच्चों को भी अपने माता-पिता की भावना का ध्यान रखना चाहिए। बच्चे अलग अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं तो माता-पिता को ही उन्हें थोड़ा प्रेम से समझाना चाहिए।

अनमोल वचन

1) जिन लोगों का भाग्य उनका साथ नहीं देता उनके दोस्त भी नहीं होते.

(2) पानी अगर मर्यादा तोड़ने पर आ जाए तो तय है विनाश, और अगर जुबान मर्यादा तोड़े तो फिर होता है सर्वनाश.

(3) जिन लोगों को दूसरों की कुछ ज्यादा फ़िक्र होती है ना, वो खुद इस दुनिया में अकेले रह जाते हैं.

(4) कोई भी काम करने के लिए जिस शक्ति की जरुरत होती है, वो है विश्वास. इससे बड़ी कोई शक्ति नहीं होती.

(5) जब किसी आदमी को ज्यादा सोचने की बीमारी लग जाती है तो वो होश में रहकर भी बेहोश ही रहता है.

(6) जब तक हम खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक भगवान पर भरोसा करना भी मुश्किल है.

घोड़े की नाल को यहां रखने से मिलेगी शनि के प्रकोप से मुक्ति

घोड़े की नाल घर में सुख, संपत्ति और सौभाग्य लेकर आते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो घोड़े की नाल आपकी किस्मत का दरवाजा खोल सकती है। इसे घर में रखने से जीवन की तमाम कठिनाइयां, परेशानियां और नकारात्मकता दूर होती है। इसकी वजह से आपके घर में शांति और चारों तरफ पॉजिटिविटी फैली रहती है, तो अगर आपको भी घर में शांति और बैंक में अथाह पैसे चाहिए तो घोड़े की नाल को अपने घर में ज़रूर रखें।

क्या होती है घोड़े की नाल?

लोहे से बनी घोड़े की नाल को उनके पैरों में पहनाया जाता है, जिससे वो आसानी से चल और दौड़ सकें। ये नाल घोड़े के पंजों के बीच में ठोकी जाती है। इनकी नाल दो तरह की होती हैं। पहली यू आकार की और दूसरी उल्टी यू आकार की।

दरवाजे के बाहर रखें

घोड़े की नाल को घर के दरवाजे की चौखट के बाहरी ओर रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में शांति और सकारात्मकता का प्रवेश होता है। घोड़े की नाल को उत्तर-पश्चिम वाले दरवाजे की चौखट पर रखना चाहिए। वैसे यू आकार की घोड़े की नाल ही चौखट पर रखें, लेकिन अगर उल्टे यू आकार की नाल रख रहे हैं तो उसके ऊपर एक कांच भी लगाना चाहिए।

धन दौलत बढ़ाने के लिए ऑफिस में रखें

व्यापार में तरक्की के लिए अपने कार्यस्थल के दरवाजे पर यू आकार की घोड़े की नाल लगाना चाहिए। घोड़े की नाल से सफलता मिलती है। इससे पैसों की आवक बनी रहती है। दुकान के बाहर काले घोड़े की नाल लगाने से बिक्री बढ़ जाती है।

शनि का प्रकोप होगा दूर

वास्तु शास्त्र के मुताबिक काले घोड़े की नाल लगाने से शनि का प्रकोप दूर हो जाता है। अगर आपके घर की खुशियों को जल्दी नजर लग जाती है तो घर के मुख्य दरवाजे पर काले घोड़े की नाल लगाना शुभ माना जाता है।

केआरके ने सलमान खान से मांगी माफी

बोले- मेरी गिरफ्तारी के पीछे भाईजान का हाथ नहीं था, पीछे से कोई और खेल कर गया

एक्टर और सेल्फ-क्लेम्ड फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान उर्फ केआरक अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। अब हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए सलमान खान से माफी मांगी है। दरअसल कुछ महीने पहले केआरक को उनके आपत्तिजनक ट्वीट्स की वजह से गिरफ्तार कर लिया गया था। फिर कमल ने अपनी रिहाई के बाद कहा था कि उनकी गिरफ्तारी के पीछे सलमान का हाथ था।

मेरी गिरफ्तारी के पीछे सलमान खान नहीं थे

केआरक ने अपने पोस्ट में लिखा, 'मैं सभी मीडिया से जुड़े लोगों को ये बताना चाहता हूं कि मेरी गिरफ्तारी के पीछे सलमान खान नहीं थे। पीछे कोई और खेल कर गया। भाईजान सलमान खान मैं आपसे माफी मांगता हूं। मुझे गलतफहमी हो गई थी। अगर मैंने आपका किसी भी तरह से दिल दुखाया हो तो मुझे माफ कर दीजिए। मैंने ये भी तय किया है कि मैं अब आपकी फिल्मों के रिव्यू भी नहीं करूंगा।'

केआरक ने एक और पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कुछ लोगों को लगता है कि मेरी गिरफ्तारी के पीछे करण जौहर का हाथ था। मैं ये कहना चाहता हूं कि करण जौहर का मेरे अरेस्ट होने से कोई लेना देना नहीं है। शुक्रिया।'

केआरक और सलमान खान का आमना-सामना कोर्ट के कानूनी दांव-पेंचों में हो चुका है। कुछ समय पहले सलमान ने उनके खिलाफ अपमानजनक कमेंट्स करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा था। हालांकि, बाद में केआरक ने सुपरस्टार से माफी मांगी और वादा किया कि वो उनके खिलाफ कुछ भी बुरा नहीं लिखेंगे और यहां तक कि उनकी किसी फिल्म का रिव्यू भी नहीं करेंगे।

केआरक के ऊपर 2020 में युवा सेना की कोर कमेटी ने मलाड पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कराई थी। कमेटी के मेंबर राहुल कनल का आरोप था कि कमाल ने दिवंगत एक्टर इरफान खान और ऋषि कपूर को लेकर आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। इस मामले में पुलिस ने कमाल के खिलाफ सेक्शन 294 के तहत मामला दर्ज किया था। फिर उन्हें 2 साल बाद 30 अगस्त को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद केआरक को बोरीवली कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। हालांकि 9 दिन तक जेल में रहने के बाद केआरक को जमानत दे दी गई थी।

धमाल मचाने के लिए तैयार पुष्पा 2

अल्लू अर्जुन ने शुरू की फिल्म शूटिंग, सेट से सामने आई एक्टर की तस्वीर

अल्लू अर्जुन ने अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग आखिरकार शुरू कर दी है। फैंस लंबे समय से फिल्म का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच हाल ही में फिल्म की शूटिंग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है फोटो में एक्टर के साथ फेमस सिनेमैटोग्राफर मिरोस्लाव कुबा ब्रोजेक भी दिख रहे हैं। फोटो में सिनेमैटोग्राफर अल्लू अर्जुन को समझा रहे हैं, वहीं एक्टर उन्हें ध्यान से सुनते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, खुद मिरोस्ला कूबा ब्रोजेक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की। जिसमें वो अल्लू के साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो से पता चल रहा है कि वो अल्लू अर्जुन को कुछ समझा रहे हैं। बता दें कि

कारणों के चलते, लंबे समय से फिल्म की शूटिंग नहीं हो पा रही थी। लेकिन अब फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है, उम्मीद की जा रही है कि फिल्म अगले साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

कुछ समय पहले अल्लू अर्जुन ने फिल्म पुष्पा द रूल के बारे में बात की थी। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा - मैं इस फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं। मेरा ऐसा मानना है कि पार्ट 2 को हम और भी बेहतर और खास बना सकते हैं। यह हमारे लिए बेहद खास मौका है कि हम फिल्म के पार्ट 2 को पिछले पार्ट से ज्यादा बेस्ट तरीके से पेश कर सकते हैं।'

दूसरे पार्ट को 400 करोड़ के बजट में बनाना चाहते हैं मेकर्स

सूत्र ने आगे बताया, ₹मेकर्स इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग अगले साल जनवरी तक पूरी करना चाहते हैं। शूटिंग के बाद चार महीने फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में दिए जाएंगे। रिलीज की समय सीमा के कारण पहले पार्ट का पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जल्दबाजी में किया गया था। मेकर्स अब इस गलती को दोहराना नहीं चाहते हैं।

पहला पार्ट 194 करोड़ रुपए के बजट में बनाया गया था, जबकि प्रोड्यूसर्स दूसरे पार्ट के लिए 400 करोड़ रुपए से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट करने पर विचार कर रहे हैं। साथ ही मैथरी मूवी मेकर्स इस बार हिंदी डबिंग राइट्स अपने पास सुरक्षित रखने के लिए उत्सुक हैं।

पुष्पा के हिंदी वर्जन ने कमाए 110 करोड़ रुपए

बता दें कि सुकुमार के डायरेक्शन में बनी 'पुष्पाः द राइज' को पिछले साल 17 दिसंबर को रिलीज किया गया था। फिल्म में अल्लू-रश्मिका के अलावा सुनील, सामंथा रुथ प्रभु, फहाद फासिल, प्रकाश राज, अजय घोष समेत कई स्टार्स लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया गया था। इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने लगभग 110 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। अब फैंस को फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है।

शाहरुख खान के बर्थडे से पहले 'मन्नत' के बाहर लगा फैंस का मेला

शाहरुख खान की पिछली फिल्मों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। लेकिन उन्हें लेकर दर्शकों का प्यार कम नहीं हुआ है। वे अब भी अपने फैंस के लिए बॉलीवुड के बादशाह हैं। शाहरुख खान 2 नवम्बर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने वाले हैं। ऐसे में उनके फैंस के लिए भी यह दिन अहम होता है। खास बात यह है कि फैंस अभी से ही उनकी झलक पाने के लिए इंतजार करने लगे हैं। हाल ही उनके एक फैन ने 'मन्नत' के बाहर का वीडियो शेयर किया है, जिसमें काफी संख्या में फैंस नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान को देखने और उनसे मिलने के लिए रोज ही लोग उनके घर के बाहर एकत्रित होते हैं। खास तौर पर उनके बर्थडे के मौके पर तो लोग मुंबई के बाहर से भी आते हैं। यही कारण है कि 2 नवम्बर के लिए अभी से ही फैंस का आना शुरू हो गया है। शाहरुख भी हर बर्थडे पर अपने फैंस को शुक्रिया कहने के लिए घर से बाहर आते हैं।

संडे को जमा हो गई भीड़

शाहरुख के घर के बाहर का का जो वीडियो सामने आया है, वह रविवार का है। छुट्टी का दिन होने के कारण काफी संख्या में लोग 'मन्नत' के बाहर एकत्रित हो गए। सभी को लग रहा था कि शाहरुख की बर्थडे से पहले ही झलक देखने को मिल जाएगी। गौरतलब है कि आगामी 2 नवम्बर को शाहरुख खान 57 साल के हो जाएंगे।

बता दें 2023 में शाहरुखकी तीन बड़ी फिल्में रिलीज होंगी, जिसे लेकर फैंस उत्साहित हैं। सबसे पहले साल की शुरुआत में 26 जनवरी के मौके पर फिल्म 'पठान' रिलीज होगी। फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी नजर आएंगे।

'राम सेतु' के मेकर्स पर लगा रिसर्च वर्क कॉपी करने का आरोप, हिस्टोरियन ने दी लीगल एक्शन की चेतावनी

अक्षय कुमार बड़ी तेजी से फिल्मों का निर्माण कर दर्शकों के सामने आते रहते हैं लेकिन अक्सर वे अपनी फिल्मों की कहानी को लेकर कानूनी झमेले में फंस जाते हैं. 'सम्राट पृथ्वीराज' के बाद अक्षय की फिल्म 'राम सेतु' भी विवादों में घिर रही है. दरअसल, पंजाब के एक हिस्टोरियन ने दावा किया है कि उनके रिसर्च वर्क को बिना किसी अनुमति के मेकर्स ने उठा लिया है.

ये हिस्टोरियन पंजाब के रहने वाले अशोक कुमार कैंथ हैं, जो फिलहाल श्रीलंका में काम कर रहे हैं. वे डिपार्टमेंट ऑफ रामायण रिसर्च कमेटी, श्रीलंका के हैड हैं. उनका कहना है कि फिल्म का मुख्य किरदार 'आर्यन' उनके जीवन पर आधारित है. साथ ही मेकर्स ने बिना अनुमति के उनका रिसर्च वर्क कॉपी किया है. उनका कहना है कि श्रीलंका में रामायण फैक्ट्स पर उन्होंने रिसर्च की थी और वही सब 'राम सेतु' में दिखाया गया है.

कैंथ का कहना है कि यदि "राम सेतु' के मेकर्स मुझ से इस विषय पर चर्चा करते तो यह फिल्म और बेहतर बन सकती थी. मैंने इस विषय पर जमीनी स्तर पर काम किया है और मुझे इसके बारे में काफी कुछ पता है. मैं इसे लेकर उनके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगा.' बता दें कि 'राम सेतु' को अभिषेक शर्मा ने निर्देशित किया है. फिल्म में अक्षयके साथ नुसरत भरूचा और जैकलीन फर्नांडीस भी नजर आई थीं. यह फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है. साथ रिलीज हुई 'थैंक गॉड' से कमाई के मामले में यह फिल्म आगे निकल चुकी है।

'सौंदर्या ने मेरा करियर बर्बाद कर दिया': 'बिग बॉस 16' से बाहर होने के बाद मान्या सिंह ने किया बड़ा दावा

मान्या सिंह

फेमिना मिस इंडिया 2020 की उपविजेता मान्या सिंह , जो हाल ही में 'बिग बॉस 16' से बाहर हुई हैं, ने अपनी सह-प्रतियोगी सौंदर्या शर्मा पर कुछ गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सौंदर्या ने एक एजेंसी को उसके बारे में झूठी बातें कहकर उसका करियर बर्बाद करने की कोशिश की, जहां वे दोनों काम करते थे। मान्या ने कहा, "मैं एक ऑडिशन में सौंदर्या से पहली बार मिली थी और ऑडिशन के बाद हमारी मुलाकात बहुत गर्मजोशी से नहीं हुई थी।" उन्होंने आगे कहा, मुझे पता चला कि उसने मेरी एजेंसी से मेरे बारे में बुरी तरह से बात की, कि मैं पीड़ित कार्ड खेल रही थी और जिसके लिए मैं मुझे अपने करियर में एक कठिन दौर देखना पड़ा।" मान्या के सौंदर्या के साथ कभी अच्छे संबंध नहीं थे और सप्ताहांत के एक एपिसोड में, उन्होंने सौंदर्या के चरित्र पर सवाल उठाया और कास्टिंग काउच के माध्यम से काम पाने के लिए उन पर आरोप लगाया। घर से बाहर आने के बाद जब मान्या कृष्णा अभिषेक द्वारा होस्ट किए गए शो

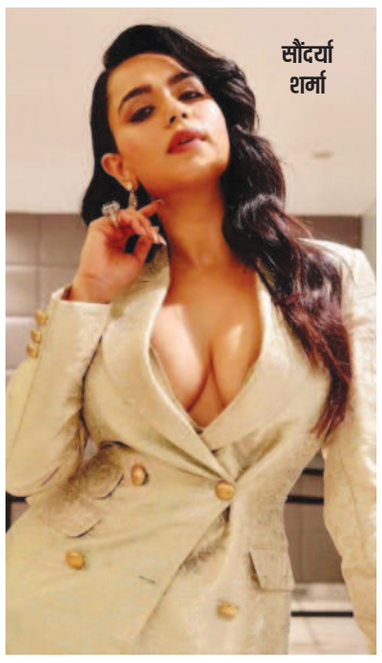
सौंदर्या शर्मा

'बिग बज' में आईं, जहां 'बिग बॉस' से बेदखल प्रतियोगी दिलचस्प खेल खेलते हैं और बिना किसी पक्षपात के घरवालों के बारे में अपनी राय देते हैं। इस दौरान उन्होंने 'बिग बॉस 16' की कई बातों का खुलासा किया। मान्या ने कहा, "सौंदर्या और गौतम शो में एक-दूसरे के लिए प्यार दिखाने की बहुत कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि दर्शक उनके बीच सच्चा प्यार देखते हैं।"

'बिग बज' पर होस्ट कृष्णा के साथ बातचीत के दौरान, मान्या ने उन्हें बताया कि उनका गौतम के साथ बहुत करीबी रिश्ता है और सौंदर्या उनके लिए कभी भी अच्छी नहीं हो सकती। मान्या ने कहा, "मैं गौतम के बारे में बहुत सुरक्षात्मक हूं, हम एक विशेष समीकरण साझा करते हैं। जब मैं घर से निकल रही थी तो मैंने उसे गले लगाया और देखभाल करने के लिए उसके कानों में फुसफुसाया। मुझे पूरा यकीन है कि सौंदर्या उसके लिए अच्छी नहीं है।" वूट पर 'बिग बज' स्ट्रीम।

स्वदेश लौट रही हैं प्रियंका चोपड़ा! तीन साल बाद भारत वापसी को लेकर भावुक दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड की देसी गर्ल ने दुनियाभर में अपने नाम का डंका बजा रखा है। वह अब भारत ही नहीं विदेश में भी सफलता का स्वाद चख चुकी हैं। ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा किसी न किसी वजह से आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपनी फिल्मों को लेकर तो कभी अपनी निजी जिंदगी के कारण चर्चाओं में रहने वाली देसी गर्ल पिछले कई वर्षों से अपने पति निक, बेटी मालती और परिवार वालों के साथ विदेश में रह रही हैं। जिसके चलते उनके भारतीय फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेकरार रहते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते हैं। जो फैंस हमारी प्यारी देसी गर्ल को भारतीय धरती पर कदम रखते देखना चाहते हैं उनके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा जल्दी भारत वापस आ रही हैं।

दरअसल, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर करीब तीन साल बाद अपने भारत लौटने की जानकारी साझा की है। इस बार वह अपने देश अकेली नहीं बल्कि अपनी लाडली बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ आ रही हैं। प्रियंका यह जानकारी साझा करते हुए काफी भावुक दिखाई दीं। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी यूएसए-मुंबई फ्लाइट के बोर्डिंग पास की एक तस्वीर पोस्ट की है और इसके साथ एक कैप्शन भी लिखा।

पाकिस्तानी फिल्म 'मौला जट्ट' की ताबड़तोड़ कमाई जारी, यूके बॉक्स ऑफिस पर 17 दिन में जूनियर एनटीआर की 'आरआरआर' को चटाई धूल

लंबे समय तक विदेश में रहने के बाद अपने देश लौटने के एहसास से बेहतर कुछ नहीं होता। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस समय बहुत ज्यादा खुश हैं और इसकी वजह उनका लगभग तीन साल बाद भारत लौटना है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर बोर्डिंग पास की तस्वीर साझा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'आखिरकार...घर जा रही हूं। करीब 3 साल बाद।' इस ट्रिप पर उनके साथ उनकी प्यारी सी नन्हीं राजकुमारी मालती मैरी चोपड़ा भी होंगी। बता दें, यह मालती की पहली भारत यात्रा होगी। प्रियंका कोरोना महामारी के बाद पहली बार भारत लौट रही हैं।

प्रियंका कई वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। वह देश में पढ़ने के लिए 12 साल की उम्र में अमेरिका चली गई थीं। लेकिन वर्षों बाद वह भारत लौटीं और बॉलीवुड में अपना करियर बनाया। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक बेहतरीन करियर के बाद, प्रियंका ने साल 2015 में 'क्वांटिको' से हॉलीवुड में कदम रखा था। इतना ही नहीं साल 2018 में उन्होंने अमेरिकी सिंगर और म्यूजिशियन निक जोनस से शादी भी रचा ली थी, जिसके बाद वह पूरी तरह से अमेरिका शिफ्ट हो गई थीं।

क्या 'कांतारा' का हिंदी रीमेक बनेगा, कौन निभाएगा मुख्य किरदार? ऋषभ शेट्टी ने दिए चौंकाने वाले जवाब

ऋषभ शेट्टी की पिछले दिनों रिलीज हुई फिल्म 'कांतारा' इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक है। शुरुआत में सिर्फ कन्नड़ भाषा में रिलीज हुई इस फिल्म की धमाकेदार कमाई को देखते हुए इसे बाद में कई भाषाओं में डब और रिलीज किया गया था। इसी क्रम में फिल्म का हिंदी संस्करण 14 अक्टूबर, 2022 को बड़े पर्दे पर आया था, जिसके बाद से यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस तरह से ऋषभ शेट्टी की यह फिल्म पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से सिनेमाघरों में काबिज है। 'कांतारा' की कमाल की सफलता के बाद इसके निर्देशक, अभिनेता और निर्माता ऋषभ शेट्टी की खुशी का ठिकाना नहीं है। ऐसे में हाल ही में एक इंटरव्यू में ऋषभ ने फिल्म की सफलता से लेकर इसके हिंदी रीमेक तक, कई तरह के सवालों के जवाब दिए। चलिए जानते हैं कि इस सुपर डुपर हिट फिल्म के निर्माता ऋषभ शेट्टी हिंदी रीमेक के बारे में क्या सोचते हैं...

हाल ही में 'कांतारा' स्टार ऋषभ शेट्टी ने एक मीडिया संस्थान को दिए इंटरव्यू में फिल्म के हिंदी रीमेक को लेकर खुलकर बात की। इस साक्षात्कार में ऋषभ ने अपने दिल की बातों को बड़ी बेबाकी से सबके सामने रखा, जो काफी चौंकाने वाला था। ऋषभ से जब पूछा गया कि क्या 'कांतारा' का हिंदी रीमेक बनना चाहिए? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, 'कांतारा का हिंदी रीमेक बनने का कोई भी चांस नहीं है, ऐसा मुझे लगता है और यही सही भी रहेगा। क्योंकि पहले ही फिल्म का डब हुआ हिंदी वर्जन रिलीज हो चुका है।'

इसके बाद जब ऋषभ से पूछा गया कि अगर फिर भी कभी 'कांतारा' का हिंदी रीमेक बना तो इसमें कौन सा बॉलीवुड अभिनेता सबसे बेस्ट होगा? ऋषभ ने इस सवाल का बड़ा ही चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा,'ऐसे किरदारों को निभाने के लिए आपको जड़ों और संस्कृति पर विश्वास करना होगा। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बड़े अभिनेता हैं जिनकी मैं प्रशंसा करता हूं। लेकिन मुझे रीमेक में कोई दिलचस्पी नहीं है।'

साक्षात्कार में हिंदी रीमेक के इर्द-गिर्द घूमते प्रश्नों के अलावा ऋषभ से ऑस्कर में फिल्म की एंट्री को लेकर प्रशंसकों की मांग को लेकर भी सवाल किया गया। ऑस्कर में कांतारा के प्रवेश के पक्ष में लोगों के बारे में पूछे जाने पर अभिनेता ने कहा,'मैं उस पर किसी भी तरह की प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता।

मैंने अभी इसके बारे में 25000 ट्वीट देखे हैं। इससे मुझे खुशी होती है, लेकिन मैं उस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। क्योंकि मैंने इस सफलता के लिए काम नहीं किया था। मैंने बस काम के लिए काम किया था।' आपको बता दें, 'कांतारा' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इतना ही नहीं फिल्म को देखकर बड़ी-बड़ी हस्तियां भी इसकी तारीफ करती थक नहीं रही हैं।

बुरे सपनों से बचाएगी म्यूजिक थेरेपी

सोने से पहले संगीत सुनिए, इससे बुरे सपने 4 गुना तक कम होंगे, अच्छी नींद आएगी

रात के समय कभी-कभी लोगों को ऐसे सपने आते हैं कि उनके पीछे कोई खूंखार जानवर पड़ा है। वे दौड़ रहे हैं, लेकिन पैर नहीं चल रहे हैं। किसी भूल भुलैया में खो गए हैं, जहां से निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। इस तरह के बुरे सपने आना आम बात है, लेकिन कुछ लोग इससे इतने परेशान हो जाते हैं कि उन्हें अनिद्रा, चिंता और तनाव होने लगता है।

लगातार एक हफ्ते तक यह स्थिति हो तो मन में वहम हो जाता है कि कुछ गलत हो रहा है। मगर स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ जेनेवा में हाल ही में एक स्टडी के दौरान एक ऐसी म्यूजिक थेरेपी खोजी गई है, जिससे बुरे सपने आना कम हो जाएंगे। साथ ही ऐसे सपने बंद होने की संभावना भी 4 गुना तक बढ़ सकती है।

संगीत से बुरे सपने भी अच्छे होंगे

रिसर्च के अनुसार रात में सोते समय संगीत सुनने से ये बुरे सपने अच्छे सपनों में बदल सकते हैं। इसके अलावा अच्छी नींद भी आ सकती है। म्यूजिक नींद में लोगों के इमोशंस को कंट्रोल करने का काम करता है। स्टडी के दौरान यह थेरेपी उन लोगों पर ज्यादा असरदार साबित हुई, जिन्हें हफ्ते में कम से कम एक बार बुरे सपने आते हैं। इनसे निजात पाने के लिए लोग म्यूजिक थेरेपी के जरिए भावनात्मक रूप से मजबूत भी हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने इसे इमेजरी रिहर्सल थेरेपी (IRT) भी कहा है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन के मुताबिक, अमेरिका के 4% से ज्यादा लोग इन दिनों बुरे सपनों से परेशान हैं। प्रमुख शोधकर्ता डॉ लैम्प्रोस पेरोगाम्प्रोस के अनुसार, यह बगैर किसी दवा के सबसे प्रभावी इलाज है। इससे चार गुना तक बुरे सपने आना कम हो जाते हैं।

इमेजरी रिहर्सल थेरेपी में चार चरण होते हैं, जिन्हें एक दिन में पूरा किया जा सकता है। लोगों को अपने बुरे सपनों के हर विवरण को लिखने के लिए कहा जाता है। उन्हें बुरे सपनों को सकारात्मक तरीके से लिखने के लिए कहा जाता है, ताकि सुखद और सशक्त हल निकले। इसके बाद प्रैक्टिस शुरू होती है। सपने को पॉजिटिव तरीके से रोजाना 5 से 20 मिनट तक रिहर्स करने के लिए कहा जाता है, जब तक कि वह याददाश्त में बैठ नहीं जाता। रिसर्च में नाइटमेयर डिसऑर्डर से जूझ रहे 18 लोगों को सपना प्रैक्टिस करते वक्त पियानो सुनाया गया। इस दौरान उन्हें कोई दूसरी आवाजें सुनाए नहीं दीं।

मोबाइल-कंप्यूटर के साइड इफेक्ट्स

गर्दन झुकाकर हम रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं; हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें

कोरोना काल के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल और ऑफिस में कंप्यूटर पर काम का समय बढ़ गया। हम दिनभर मोबाइल और क ंप्यूटर की तरफ सिर झुकाए रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के काइरोप्रैक्टर्स एसोसिएशन ने नए शोध में दावा किया है कि हम इसी तरह इन डिवाइस का ज्यादा इस्तेमाल करते रहे तो गर्दन और पीठ में कूबड़ निकल सकता है। वैज्ञानिकों ने इसे 'टेक नेक' नाम दिया है। इस स्थिति में हमारी रीढ़ की हड्डी को झुकाव का सामना करना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के रीढ़ विशेषज्ञों के मुताबिक, जब हम गर्दन आगे 60 डिग्री झुकाते हैं, तो रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं।

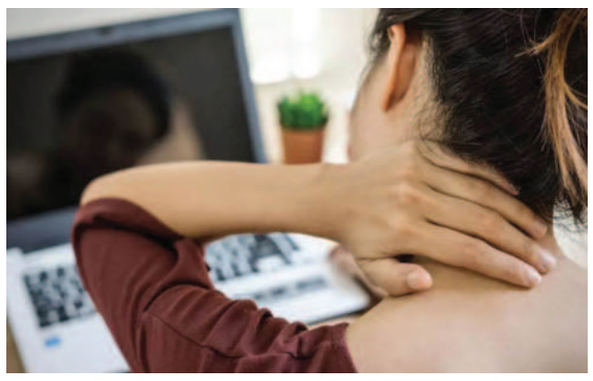

ऑफिस में लगातार काम करना खतरनाक

सिडनी की लेखिका टुडी यिप कहती हैं, ऑफिस में रोज 12 घंटे काम करके गर्दन में कूबड़ जैसी स्थिति आ गई थी। सिरदर्द भी रहने लगा था। हफ्ते में 70 घंटे काम करने से बिस्तर पकड़ने की नौबत आ गई थी। रीढ़ विशेषज्ञों की सलाह पर टुडी ने आठ हफ्ते तक रीढ़, गर्दन के अभ्यास किए। ऑफिस में पॉश्चर सुधारा और दिनभर में कई बार स्ट्रेच किया। तब जाकर वे पुराना स्वरूप हासिल कर पाईं।

अब गर्दन में दर्द और अकड़न आम

ऑस्ट्रेलिया में वयस्कों पर हुए शोध के मुताबिक 42% वयस्क गर्दन दर्द से परेशान थे। इतने ही लोग गर्दन अकड़ने की समस्या से जूझ रहे थे। 36% को सिर में दर्द और 25% लोग माइग्रेन से परेशान थे। करीब एक तिहाई ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों ने कहा कि वे हर घंटे 5 से 30 बार अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं 10 में से एक ने माना कि वे ऐसा 40 बार तक करते हैं। विशेषज्ञों ने इन्हें हर 30 से 60 मिनट में अपनी जगह से उठने और आसपास घूमने के लिए कहा। लेकिन युवाओं ने स्वीकारा कि उन्होंने इस सलाह को नहीं माना। आश्चर्यजनक रूप से वर्क फ्रॉम होम कर रहे 41% लोगों ने हर घंटे विराम लिया।

65 साल से ऊपर के बुजुर्गों के गिरने पर हड्डी टूटने की आशंका 5% ज्यादा

अगर बुजुर्ग बार-बार गिरते हैं, तो यह अपने आप में एक बीमारी है। यह दूसरी बीमारियों की वजह से होती है और कई दूसरी बीमारियों की वजह बनती है। 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के गिरने पर हड्डी टूटने की आशंका 5% बढ़ जाती है। अचानक गिरना किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, यह बार-बार होने लगता है। दरअसल, दिमाग अचानक शरीर का साथ छोड़ देता है। इस वजह से बुजुर्गों के गिरने की घटनाएं होती हैं। पार्किंसन जैसी बीमारी के चलते दिमाग और शरीर की तारतम्यता बार-बार टूटती है। इससे बुजुर्गों को कई बार चोटें लगती हैं, तो कई बार हड्डी टूट जाती है। इस उम्र में हड्डी जुड़ने में लंबा समय लग जाता है।

कूल्हे की हड्डी टूटने पर मौत की आशंका

ब्रिटेन की सरकारी रिपोर्ट कहती है कि 65 साल से ऊपर के एक तिहाई और 80 साल से ऊपर के आधे लोग साल में एक बार जरूर गिरते हैं। गिरने से बुजुर्गों के कूल्हे की हड्डी टूटने की वजह से एक साल के अंदर मौत की संभावना तीन गुनी हो जाती है। जबकि 20% मामलों में बुजुर्गों को लंबे समय तक देखभाल की जरूरत पड़ती है।

डॉक्टर कहते हैं कि स्ट्रोक से ज्यादा बुजुर्ग गिरने से अस्पताल पहुंचते हैं। 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के अचानक गिरने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अकेले ब्रिटेन में ही जहां 2010-11 में 1.85 लाख गिरने से लोग अस्पताल पहुंचे थे, वहीं 2019-20 में 2.34 लाख बुजुर्गों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। ओलिवर कहते हैं- मरीज अस्पताल में स्वस्थ होने आते हैं, लेकिन वे कई बार यहां दूसरी बीमारियों से संक्रमित हो जाते हैं। बुजुर्गों में यह संक्रमण कई बार जानलेवा हो जाते हैं।

घर पर इलाज का बंदोबस्त बना रहे डॉक्टर

गिरने के बाद घर पर इलाज से बुजुर्गों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत एक साल में 65% से गिरकर 16% पर आ गई।

गिरने के बाद घर पर इलाज से बुजुर्गों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत एक साल में 65% से गिरकर 16% पर आ गई।

तकनीक की मदद से बुजुर्गों के गिरने के बाद अस्पताल जाने की नौबत कम करने की कोशिश साल 2018 में वेल्स में हुई। घर पर इलाज का जुगाड़ किया गया। इससे गिरने पर बुजुर्गों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत एक साल में ही 65% से गिरकर 16% पर आ गई।

डॉरसेट हेल्थकेयर के कंसल्टेंट डॉक्टर क्लिफ किलगोर कहते हैं- अगर 85 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग 72 घंटे से ज्यादा समय तक लेटे रहें, तो उनकी मांसपेशियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि उनका उठ पाना मुश्किल होता है। इससे बुजुर्गों को बचाने का सबसे अच्छा तरीका अस्पताल की बजाय घर पर देखभाल है। बीपी, आंख और कान के इलाज की दवाओं से गिरने के मामले बढ़ते हैं।

इन सावधानियों से बुजुर्ग गिरने से बचें

कसरत हर उम्र में शरीर का नियंत्रण बढ़ाती है। बुढ़ापे में भी व्यायाम जरूरी है।

कसरत हर उम्र में शरीर का नियंत्रण बढ़ाती है। बुढ़ापे में भी व्यायाम जरूरी है।

योग-कसरत हर उम्र में शरीर का नियंत्रण बढ़ाती है। गिरने की आशंका कम होती है।

धीरे चलें और चप्पल ऐसी पहनें, जिससे फिसलने का खतरा कम हो।

बुजुर्ग बड़ा या भारी सामान लेकर न चलें।

घर का फर्नीचर ऐसे रखें कि उससे टकराकर बुजुर्गों को चोट न लगे।

बुजुर्गों का बिस्तर ज्यादा ऊंचा न रखें। सोते हुए गिरने के मामले ज्यादा होते हैं।

घर में स्लिप प्रूफ मैट का इस्तेमाल करें।

दिल का दौरा पड़ना क्या होता है, हार्ट अटैक के लक्षण, कारण, इलाज

सबसे पहला प्रश्न तो यही है कि हृदयाघात या दिल का दौरा क्या है? क्योंकि हाल के समय में हार्ट अटैक से बड़े-बड़े सेलिब्रेटी का निधन हुआ है। हार्ट अटैक को मायोकार्डियल इंफार्क्शन भी कहते हैं। जब दिल की मांसपेशियों को उचित मात्रा में खून नहीं मिल पाता है तो हार्ट अटैक की समस्या होती है। दिल की मांसपेशियों तक खून की सप्लाई को फिर से बहाल करने में जितना अधिक समय लगेगा, दिल की मांसपेशियों को उतना ही ज्यादा नुकसान पहुंचेगा और मरीज के लिए खतरा भी उतना ही ज्यादा बढ़ेगा।

हार्ट अटैक का मुख्य कारण कोरोनरी आर्टरी डिजीज है। हालांकि, कोरोनरी धमनी में गंभीर ऐंठन या अचानक संकुचन के कारण दिल की मांसपेशियों को रक्त की सप्लाई रुक सकती है और इनकी वजह से हार्ट अटैक आ सकता है, लेकिन बहुत कम मामलों में ही ऐसा होता है।

हार्ट अटैक के लक्षण क्या होते हैं?

हार्ट अटैक या दिल का दौरान आने पर कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें यदि जल्दी समझ लिया जाए तो दिल को अधिक नुकसान से बचाने के साथ ही मरीज की जान भी बचाई जा सकती है।

सीने में दर्द या बेचैनी : हार्ट अटैक के ज्यादातर मामलों में छाती के बीच में या बाईं ओर असुविधा होती है, बेचैनी महसूस होती है। यह बेचैनी कुछ मिनटों के लिए हो सकती है और कई बार कुछ देर रुकने के बाद वापस दिक्कत महसूस होती है। इस बेचैनी के दौरान अहसज दबाव, दिल को निचोड़ने जैसा और दर्द महसूस होता है।

सांस लेने में दिक्कत : सीने में तकलीफ के साथ सांस लेने में दिक्कत की समस्या होती है, लेकिन सीने में दिक्कत से पहले भी सांस लेने में समस्या हो सकती है।

कमजोरी महसूस करना, हल्का-हल्का और बेहोशी सी छाना। यही नहीं ठंडा पसीना भी आ सकता है। जबड़े, गर्दन और पीठ में दर्द व असहज महसूस होना।

एक या दोनों बाहों य कंधों में दर्द और असहज महसूस होना।

हार्ट अटैक के अन्य लक्षणों में असामान्य और बिना किसी कारण के थकान, मतली या उल्टी आना भी शामिल हैं। ये लक्षण आमतौर पर महिलाओं में ज्यादा दिखते हैं।

शरीर के ऊपरी हिस्से में दर्द

हार्ट अटैक के कारण बताएं

हार्ट अटैक का प्रमुख कारण कोरोना हार्ट डिजीज ही होता है। दिल को रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों में जब प्लाक जमा हो जाता है और रक्त प्रवाह धीमा पड़ जाता है या रुक जाता है तो हार्ट अटैक आता है। धमनियों में प्लाक जमने को एथरोस्क्लेरोसिस भी कहा जाता है। हार्ट अटैक मुख्यतया दो प्रकार के होते हैं।

टाइप-1 हार्ट अटैक तब आता है, जब धमनी की भीतरी दीवार पर मौजूद प्लाक की परत टूट जाती है और कोलेस्ट्रॉल व अन्य पदार्थ रक्त प्रवाह में शामिल हो जाते हैं। इसकी वजह से रक्त का थक्का बन जाता है और यह धमनी में रुकावट का कारण बन जाता है।

टाइप-2 अटैक तब आता है, जब दिल को ऑक्सीजन से भरपूर उतना खून नहीं मिलता, जितने की उसे आवश्यकता होती है। इस स्थिति में धमनी में ब्लॉकेज नहीं होता है।

हार्ट अटैक के अन्य कारणों में रक्त वाहिका का फटना, रक्त वाहिका में ऐंठन, नशीले पदार्थ का अत्यधिक सेवन और रक्त में ऑक्सीजन की कमी शामिल हैं।

हार्ट अटैक के जोखिम कारक क्या-क्या हैं?

कई स्वास्थ्य स्थितियां, आपकी जीवनशैली, आपकी उम्र, आपका पारिवारिक इतिहास भी दिल की बीमारियों और हार्ट अटैक के आपके जोखिम को बढ़ाते हैं। इसी वजह से इनको हार्ट अटैक के लिए रिस्क फैक्टर की श्रेणी में रखा जाता है। दुनिया के कई अन्य देशों की ही तरह भारत में भी हार्ट अटैक के 3 प्रमुख

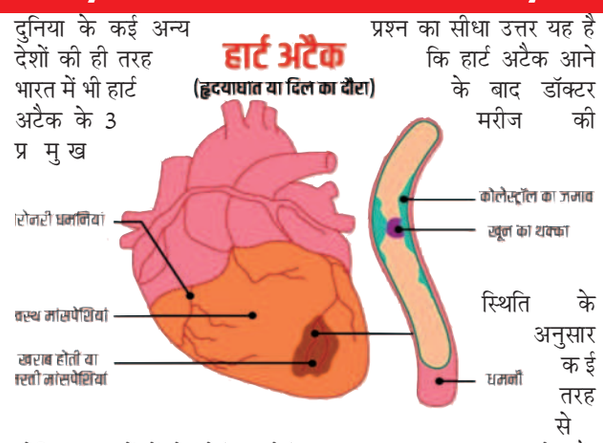

जोखिम कारकों में से कोई न कोई एक ज्यादातर लोगो में पाया जाता है। यह तीन प्रमुख जोखिम कारक हैं - हाई ब्लड प्रेशर, हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल और धूम्रपान।

धूम्रपान
हाई कोलेस्ट्रॉल
मोटापा
व्यायाम न करना
बहुत अधिक तनाव
डायबिटीज और प्रीडायबिटीज
ट्रांसफैट या सैचुरेटिड फैट डाइट लेना
शराब का बहुत अधिक सेवन
स्लीप एपनिया

ऊपर बताए गए जोखिम कारकों को अपने खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव करके नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन कुछ जोखिम कारकों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। इसमें शामिल हैं आपकी उम्र और पारिवारिक इतिहास। उम्र बढ़ने के साथ हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ता है और अगर आपके परिवार में किसी को पहले हार्ट अटैक या दिल की कोई बीमारी रही है तो आपको भी इसका खतरा हो सकता है। हालांकि, आप स्वयं पर नियंत्रण रखकर और लाइफस्टाइल में बदलाव करके अपने जोखिम को कुछ हद तक कम कर सकते हैं।

हार्ट अटैक का इलाज क्या है?

हार्ट अटैक आने के बाद मरीज को क्या इलाज दिया जाता है? इस प्रश्न का सीधा उत्तर यह है कि हार्ट अटैक आने के बाद डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार कई तरह से इलाज करते हैं। इसमें मरीज को दर्द से राहत देना और दिल को अधिक नुकसान से बचाने के साथ ही आगे फिर से अटैक न आए उसके लिए उपाय करना शामिल हैं। निम्न तरीकों से हार्ट अटैक के बाद मरीज का इलाज किया जाता है-

स्टेंट – एंजियोप्लास्टी के दौरान डॉक्टर मरीज की धमनी में तार से बनी जाली के स्टेंट को लगा देते हैं, ताकि धमनी खुली रहे और रक्त प्रवाह सामान्य रूप से होता रहे।

एंजियोप्लास्टी – एंजियोप्लास्टी की मदद से धमनी में मौजूद प्लाक को हटाकर और बलून का इस्तेमाल करके ब्लॉकेज को खोल दिया जाता है। बता दें कि आजकल डॉक्टर अकेले एंजियोप्लास्टी तकनीक का इस्तेमाल नहीं करते।

हार्ट बाईपास सर्जरी – जब ब्लॉकेज को हटाना संभव न लगे तो डॉक्टर रक्त प्रवाह को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए बाईपास सर्जरी का विकल्प चुनते हैं।

हार्ट वाल्व सर्जरी – वाल्व रिपेयर या रिप्लेसमेंट सर्जरी में सर्जन वाल्व को रिपेयर या रिप्लेस कर देते हैं, ताकि दिल ठीक तरह से खून को पूरे शरीर में पंप कर सके।

पेसमेकर – पेसमेकर एक ऐसा यंत्र है, जिसे त्वचा के नीचे लगाया जाता है। यह दिल की धड़कनों को सामान्य बनाए रखने में मदद करता है।

हार्ट ट्रांस्प्लांट – जब दिल का दौरा पड़ने की वजह से हृदय के अधिकांश हिस्से को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचता है या ज्यादातर उत्तक मर जाते हैं तो डॉक्टर हार्ट ट्रांस्प्लांट (हृदय प्रत्यारोपण) की सिफारिश करते हैं। हार्ट अटैक के इलाज के लिए डॉक्टर आपको नीचे बताई गई दवाओं के सेवन के लिए भी कह सकते हैं –

हार्ट अटैक के बाद रिकवरी के लिए क्या करूं?

अगर आपको हार्ट अटैक आया है तो, जाहिर है कि आपके दिल को नुकसान पहुंचा है। इससे दिल की धड़कन और शरीर के विभिन्न अंगों तक खून को पंप करने की इसकी क्षमता पर असर पड़ा होगा। एक बार हार्ट अटैक आने के बाद आपको आगे चलकर फिर से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, किडनी से जुड़ी समस्याएं और पेरिफेरल आर्टिरियल डिजीज हो सकते हैं। हार्ट अटैक के बाद आपको भविष्य में इस तरह की समस्याएं न हों, उसके लिए आपको निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए –

फिजिकल एक्टिविटी – हार्ट अटैक के बाद आपका फिजिकली एक्टिव होना बहुत जरूरी होता है। अपने डॉक्टर से बात करें कि आप अपने को स्वस्थ रखने और भविष्य में किसी तरह की समस्या से बचने के लिए नियमित तौर पर किस तरह के व्यायाम कर सकते हैं। आपके डॉक्टर आपको कुछ समय के लिए भारी कार्य और यात्रा कम करने के साथ ही यौन गतिविधियां कम करने को भी कह सकते हैं।

लाइफस्टाइल में बदलाव – स्वस्थ भोजन करना, नियमित तौर पर व्यायाम करना, धूम्रपान से दूरी बनाना और तनाव को नियंत्रित करने के साथ ही डॉक्टर द्वारा बताई कई दवाओं का समय पर सेवन करके आप स्वयं को भविष्य की समस्याओं से बचा सकते हैं। अपने डॉक्टर की मदद से आप कार्डियक रिहैब्लिटेशन प्रोग्राम का हिस्सा बनकर अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव कर सकते हैं।

आंखों में सूखापन क्यों आता है?

आंखों में सूखापन के कारणः जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे आंखों में सूखापन भी आना शुरू हो जाता है। लेकिन आजकल युवावस्था में भी ये समस्या देखने को मिलती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे में लोगों को इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि लोगों की आंखों में सूखापन आने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं। पढ़ते हैं आगे

क्यों आता है आंखों में सूखापन?

बता दें कि जब व्यक्ति लंबे समय तक स्क्रीन का इस्तेमाल करता है या लगातार कंप्यूटर के सामने बैठता है तब आंखों में

सूखापन आने की समस्या हो सकती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि स्किन के सामने व्यक्ति अपनी आंखों को कम छपकाता है, जिसके कारण आंसू भाप बनकर हवा में उड़ जाते हैं। ऐसे में आंखों में सूखापन के समस्या पैदा होती है।

जब व्यक्ति जरूरत से ज्यादा धूम्रपान का सेवन करता है तो इसके कारण व्यक्ति की आंखों में सूखापन की समस्या हो सकती है। बता दें कि धूम्रपान करने से आंखों में जहरीले तत्व पहुंचते हैं, जिसके कारण आंखों को प्रोटेक्ट करने वाली कंजेक्टिवा को हानि पहुंचती है और आंखों में सूखापन की समस्या पैदा हो सकती है।

जब व्यक्ति लंबे समय तक कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करता है तो इसके कारण कॉर्निया तक ऑक्सीजन की सप्लाई सही से नहीं हो पाती हैं। ऐसे में आंखों में सूखेपन की समस्या हो सकती है।

जब महिलाएं मेनोपॉज के दौर में होती है तब भी उनकी आंखों में सूखापन की समस्या हो सकती है। यह समस्या मूड स्विंग्स और तनाव के कारण हो सकती है।

क्यों आपको रोज पीना चाहिए गुनगुना पानी?

पानी चाहे ठंडा पीजिये या फिर गुनगुना इसका सबसे पहला लाभ है कि आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है। अगर शरीर हाइड्रेटेड रहेगा तो कई सारी बीमारियां नहीं होंगी और आप स्वस्थ रहेंगे। अब आपने बहुत सारे लोगों के मुंह से सुना होगा कि सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना चाहिए, इससे कई बीमारियों का जोखिम कम होता है। ये सारी बातें विभिन्न शोधों के आधार पर और आयुर्वेद के आधार पर कही जाती हैं। हालांकि उसके बाद भी ऐसा कहा जाता है कि इस बारे में अभी कम ही वैज्ञानिक शोध हैं कि गुनगुना पानी शरीर को किन-किन बीमारियों से बचाता है और किन बीमारियों के जोखिम को कम करता है।

फिर भी घरेलू नुस्खों, आयुर्वेद और प्राचीन ज्ञान के आधार पर ऐसा कहा जाता है कि गुनगुना पानी स्वास्थ्य के लिए वरदान है। अगर आप सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुना पानी पीते हैं, तो आपका

पाचन तंत्र मजबूत रहता है और आपको पेट संबंधी परेशाओं से छुटकारा मिलता है।पेट सही से साफ होता है और कब्ज की समस्या दूर होती है। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने से गैस नहीं बनती और मोटापा भी कम होता है। वजन कम करने के लिए गुनगुने पानी में नींबू मिलाकर पीने की सलाह दी जाती है। गुनगुने पानी पीने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और स्ट्रेस भी कम होता है। यह भी कहा जाता है कि घुटनों में दर्द में भी गुनगुना पानी फायदेमंद होता है। सर्दी-जुकाम होने पर तो गुनगुना पानी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ऐसा करने से यह समस्या बढ़ती नहीं है और जल्दी ठीक होती है। कोरोना काल में भी गर्म पानी पीने की सलाह दी गई थी ताकि गले की खराश कम हो और वायरल से लड़ने की शक्ति मिले। कई शोधों में यह बात पता चली है कि थकान होने पर अगर गर्म पानी पिया जाए तो इससे बॉडी को रिलेक्स मिलता है। 2016 में एक स्टडी हुई थी जिसमें कहा गया था कि सर्जरी के बाद गर्म पानी आंतों की गतिविधियों और गैस निष्कासन पर अनुकूल प्रभाव डाल सकता है। साल 2019 में हुए एक शोध में पता चला है कि गुनगुना पानी पीने से मूड में सुधार होता है और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गतिविधि में भी सुधार होता है। इसके अलावा, गुनगुना पानी पीने से अपच की समस्या दूर होती है और शरीर डिटॉक्सिफाई होता है। थकान दूर होती और रक्त संचार सही रहता है।

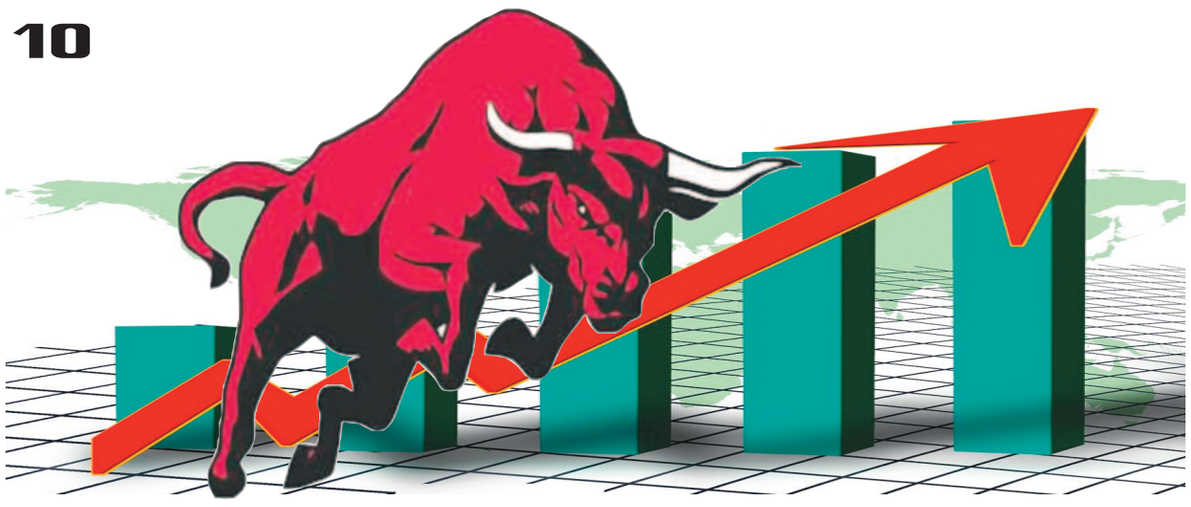

इस महीने 3,000 अंक से ज्यादा चढ़ा सेंसेक्स

आखिरी दिन 786 अंक चढ़कर 60,000 के पार निकला, अल्ट्राटेक सीमेंट 4% भागा

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा। सोमवार को हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 60,000 तो निफ्टी 18 हजार पार पहुंच गया। सेंसेक्स 786 अंक या 1.31% बढ़कर 60,746 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 225 अंक या 1.27% की तेजी के साथ 18,012 पर पहुंच गया। ऑटो, आईटी, फार्मा सेक्टर्स में खरीदारी से बाजार में ये तेजी दिखी।

सेंसेक्स के 30 में से 27 शेयरों में तेजी रही। अल्ट्राटेक सीमेंट 4.18% की तेजी के साथ 6713 पर बंद हुआ। वहीं एम&एम, एचडीएफसी, सनफार्मा और एलटी करीब 3% चढ़कर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी और डॉ. रेड्डीज में करीब आधा फीसदी की गिरावट देखने को मिली। स्ट्रॉन्ग कॉरपोरेट अर्निंग

रिपोर्ट समेत कुछ अन्य कारणों से अकेले इस महीने सेंसेक्स 3,000 अंक से अधिक चढ़ा है। 13 सितंबर के बाद निफ्टी 18,000 के पार पहुंचा है।

शॉर्ट टर्म ट्रेंड पॉजिटिव

एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक डे ने कहा, डेली चार्ट पर कंसॉलिडेशन ब्रेकआउट के बाद निफ्टी में तेजी आई है। डेली टाइम फ्रेम पर, इंडेक्स क्रूशियल मूविंग एवरेज से ऊपर बना हुआ है, जो शॉर्ट टर्म अपट्रेंड की पुष्टि करता है। शॉर्ट टर्म में, ट्रेंड पॉजिटिव रह सकता है। निचले लेवल पर 17850/17700 पर सपोर्ट दिखाई दे रहा है। हायर एंड पर 18100/18300 पर रजिस्टेंस है।

डीसीएक्स स्टिम्स का आईपीओ खुला

डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर्स की कंपनी डीसीएक्स सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इश्यू 2 नवंबर को बंद होगा। बेंगलुरु की इलेक्ट्रॉनिक सब-सिस्टम और केबल हार्नेस बनाने वाली कंपनी ने 197-207 रुपए प्रति शेयर के प्राइस बैंड में इश्यू ओपन किया है। इसका लॉट साइज 72 शेयरों का है। एक लॉट के लिए कम से कम 14,904 रुपए निवेश करने होंगे। कंपनी ने एंकर बुक के जरिए 225 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

शुक्रवार को तेजी में बंद हुआ था बाजार

हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (28 अक्टूबर) को बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 203 अंकों की तेजी के साथ 59,959 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंक बढ़कर 17,786 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं 10 शेयरों में गिरावट रही थी।

अडाणी ग्रुप का 1 ट्रिलियन डॉलर का वैल्यूशन प्लान

ग्रीन एनर्जी से लेकर हेल्थकेयर सेक्टर में 12.36 लाख करोड़ रु निवेश करेंगे गौतम अडाणी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर आदमी गौतम अडाणी ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर्स, एयरपोर्ट्स और हेल्थकेयर सेक्टर में अपना बिजनेस बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए अडाणी ग्रुप का इन सभी सेक्टरों में 150 बिलियन डॉलर से ज्यादा (12.36 लाख करोड़ रुपए) का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान है।

अडाणी इस प्लान के जरिए अपने ग्रुप को 1 ट्रिलियन डॉलर के वैल्यूशन पर पहुंचाकर 'एलीट ग्लोबल क्लब ऑफ कंपनीज' में शामिल होने का अपना सपना पूरा करना चाहते हैं। 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लिमिटेड की इन्वेस्टर्स मीट में अडाणी ग्रुप के सीएफओ जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने ग्रुप के इन सभी ग्रोथ प्लान्स के बारे में डिटेल शेयर की थीं। जिसका खुलासा अब हुआ है।

5 से 10 सालों में कई सारे बिजनेस में निवेश करेंगे अडाणी

रॉबी सिंह ने बताया कि अडाणी ग्रुप का अगले 5 से 10 सालों में कई सारे बिजनेस में निवेश करने का प्लान है। ग्रुप हाइड्रोजन बिजनेस में 50-70 बिलियन डॉलर और ग्रीन एनर्जी बिजनेस में 23 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान बना

अभी अडाणी ग्रुप की वैल्यूशन है 260 बिलियन डॉलर

रहा है। इसके अलावा ग्रुप इलेक्ट्रिक ट्रांसमिशन में 7 बिलियन डॉलर, ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी में 12 बिलियन डॉलर और रोड सेक्टर में 5 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करेगा।

डेटा सेंटर बिजनेस में एंट्री करेंगे, एयरपोर्ट्स बिजनेस बढ़ाएंगे

ग्रुप के सीएफओ ने आगे बताया कि अडाणी ग्रुप क्लाउड सर्विसेस के साथ डेटा सेंटर बिजनेस में एंट्री करने के लिए 6 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा। इसके लिए ग्रुप ने डेटा सेंटर बिजनेस करने वाली कंपनी ऐज कोनेक्स के साथ पार्टनरशिप की है।

इसके अलावा अडाणी ग्रुप ने एयरपोर्ट्स बिजनेस में 9-10 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट करने का प्लान भी बनाया है, जहां यह पहले से ही सबसे बड़ा निजी ऑपरेटर है।

पेट्रोकेमिकल में 2 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट प्लान

रॉबी सिंह ने यह भी बताया कि सीमेंट सेक्टर में एंट्री के लिए ग्रुप ने 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट किया था। ग्रुप आगे भी इस सेक्टर में निवेश करना जारी रखेगा। इसके अलावा अडाणी का पेट्रोकेमिकल सेक्टर में 2 बिलियन डॉलर इन्वेस्ट करने का प्लान भी है, जिसके जरिए वे 1 मिलियन टन प्रति वर्ष पीवीसी फैसिलिटी का सेट अप करना चाहते हैं।

हेल्थकेयर और कॉपर सेक्टर में भी करेंगे निवेश

सीएफओ ने बताया कि ग्रुप 1 बिलियन डॉलर के इन्वेस्टमेंट के साथ कॉपर सेक्टर में भी एंट्री करेगा, जिसके जरिए वे 0.5 मिलियन टन प्रति वर्ष स्मेल्टर का सेट अप करेंगे। इसके अलावा ग्रुप हेल्थकेयर सेक्टर में इंश्योरेंस, अस्पताल और डायग्नोस्टिक और फार्मा में 7-10 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें से कुछ पैसा अडाणी फाउंडेशन से आएगा।

अडाणी ग्रुप की वैल्यूशन है 260 बिलियन डॉलर

अडाणी ग्रुप की शुरुआत 1988 में हुई थी। इसके बाद से इस ग्रुप ने तेजी से ग्रोथ की है। 2015 में ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 16 बिलियन डॉलर था। अब 2022 में ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन 260 बिलियन डॉलर हो गया है। यानी सात साल में ग्रुप के मार्केट कैप में 16 गुना से ज्यादा की ग्रोथ हुई है।

1 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यूशन वाली कंपनियां

गौतम अडाणी अपने ग्रुप को 1 ट्रिलियन डॉलर के वैल्यूशन पर पहुंचाना चाहते हैं। बता दें कि दुनिया भर में कुछ ही ग्रुप हैं, जिनकी वैल्यूशन 1 ट्रिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की है। इनमें एपल, सऊदी अरामको, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल की पैरेंट अल्फाबेट और अमेजन शामिल हैं।

आरडी से तैयार होगा बड़ा फंड

एसबीआई इस पर दे रहा 6.25% तक का ब्याज, यहां देखें कहां आरडी कराना रहेगा ज्यादा फायदेमंद

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने हाल ही में रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। अब आपको एसबीआई में आरडी कराने पर अधिकतम 6.10% ब्याज मिलेगा। आरडी के जरिए बिना किसी रिस्क के आप छोटे या बडे. फाइनेंशियल गोल (वित्तीय लक्ष्य) को आसानी से पा सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि आरडी पर प्रमुख बैंक कितना ब्याज दे रहा हैं?

सबसे पहले समझें आरडी क्या है?

रिकरिंग डिपॉजिट या आरडी बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं। मतलब आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी।

कितना रहता है मैच्योरिटी पीरियड?

इसका मैच्योरिटी पीरियड आमतौर पर 6 महीने से 10 साल के बीच रहता है। हालांकि देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में आपको मिनिमम 1 साल के लिए निवेश करना होगा।

2 साल की आरडी पर कौन सा बैंक दे रहा कितना ब्याज

बैंक	ब्याज दर(%)
इंडसइंड बैंक	7.00
एचडीएफसी	6.15
एसबीआई	6.25
पंजाब नेशनल बैंक	5.00
आईसीआईसीआई	5.80

कितने रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश?

इस आरडी स्कीम में आप मिनिमम 100 रुपए हर महीने निवेश कर सकते हैं। इससे ज्यादा 10 के मल्टीपल में आप कोई भी रकम जमा करा सकते हैं। मैक्सिमम जमा राशि की कोई लिमिट नहीं है।

कहां खुलवा सकते हैं आरडी अकाउंट?

आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी व्यक्ति इसका खाता किसी भी बैंक में खुलवा सकता है। सभी प्राइवेट और सरकारी बैंकों में ये अकाउंट खोल सकते हैं।

3 नवंबर को आरबीआई की स्पेशल मीटिंग

महंगाई कंट्रोल नहीं कर पाने से जुड़ी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा, लगातार 9 महीने से महंगाई 6% के ऊपर

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लगातार नौ महीनों तक महंगाई को 2%-6% के दायरे में नहीं रख पाने के बाद 3 नवंबर को एक एडिशनल मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में आरबीआई महंगाई को कंट्रोल नहीं कर पाने के कारणों से जुड़ी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। छह साल पहले मुद्रास्फीति-लक्षित मौद्रिक नीति व्यवस्था अपनाने के बाद पहली बार ये मीटिंग होगी।

ये बैठक आरबीआई अधिनियम 1934 की धारा 45जेडएन के प्रावधानों के तहत की जा रही है। सेंट्रल बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी के रेगुलेशन 7 और मॉनेटरी पॉलिसी प्रोसेस रेगुलेशन 2016 का भी जिक्र किया है। एमपीसी स्ट्रक्चर के तहत सरकार ने आरोबीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि महंगाई 2%-6% के दायरे में बनी रहे। हालांकि, इस साल जनवरी से ही

महंगाई लगातार 6% से ऊपर बनी हुई है।

क्या है आरबीआई एक्ट की धारा 45जेडएन?

इस सेक्शन में कहा गया है यदि RBI इंफ्लेशन टारगेट को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे विफलता के कारणों को एक्सप्लेन करते हुए सरकार को एक रिपोर्ट पेश करनी होगी। रिपोर्ट में सेंट्रल बैंक को इंफ्लेशन टारगेट को हासिल करने में विफलता के कारण, बैंक अब क्या कदम उठाएगा और इन कदमों को उठाकर महंगाई को कंट्रोल करने में कितना समय लगेगा ये बताना होगा।

एमपीसी का रेगुलेशन 7 क्या है?

आरबीआई एमपीसी के रेगुलेशन 7 और मॉनेटरी पॉलिसी प्रोसेस रेगुलेशन्स 2016 में कहा गया है कि सरकार को भेजी जाने वाली रिपोर्ट पर चर्चा और ड्राफ्ट तैयार करने के लिए नॉर्मल पॉलिसी प्रोसेस के हिस्से के रूप में एक अलग बैठक शेड्यूल करने की आवश्यकता है।

आरबीआई को रिपोर्ट कब तक भेजनी है?

नियमों के मुताबिक जिस तारीख को आरबीआई इंफ्लेशन टारगेट को पूरा करने में विफल रहा, उस तारीख से एक महीने के भीतर सरकार को रिपोर्ट भेजी जानी आवश्यक है। मौजूदा मामले में सितंबर महीने के महंगाई के आंकड़े 12 अक्टूबर को जारी किए गए थे। इसलिए RBI के पास सरकार को रिपोर्ट भेजने के लिए 12 नवंबर तक का समय है।

साल में 6 बार होती है एमपीसी मीटिंग

वर्तमान में, एक वित्तीय वर्ष में छह बार एमपीसी की मीटिंग होती है। यानी हर दो महीने में मीटिंग शेड्यूल होती है। पूरे फाइनेंशियल ईयर के लिए एमपीसी की बैठकों का कार्यक्रम घोषित किया जाता है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत में, RBI ने कहा कि एमपीसी की बैठक 6-8 अप्रैल, 6-8 जून, 2-4 अगस्त, 28-30 सितंबर, 5-7 दिसंबर और 6-8 फरवरी 2023 को होगी।

2-4 मई को ऑफ-साइकिल बैठक हुई थी

इस कार्यक्रम के अनुसार, एमपीसी की बैठक पहले ही अप्रैल, जून, अगस्त और सितंबर में हो चुकी है। हालांकि, एमपीसी ने 2-4 मई 2022 तक एक ऑफ-साइकिल बैठक की थी, जिसमें उसने रेपो रेट में 40 बेसिस पॉइंट यानी करीब 0.4% की बढ़ोतरी की थी। 3 नवंबर को होने वाली बैठक भी वित्तीय वर्ष की शुरुआत में घोषित कार्यक्रम से से अलग होगी।

महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ाता है।

ट्विटर पर बदलेगी वैरिफिकेशन प्रोसेस

मस्क ने कहा– पूरी प्रोसेस को नया रूप दिया जा रहा, ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए अब 1600 रु. देने पड़ सकते हैं

सेन फ्रांसिस्को, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। ट्विटर अपने प्लेटफॉर्म पर पूरी वैरिफिकेशन प्रोसेस को नया रूप देने पर काम कर रहा है। एक ट्विटर यूजर के सवाल के जवाब में एलन मस्क ने वैरिफिकेशन प्रोसेस को नया रूप देने की जानकारी दी। हालांकि, मस्क ने यह नहीं बताया है कि वो किस तरह के बदलावों पर काम कर रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि वह वैरिफिकेशन प्रोसेस के लिए फीस वसूल सकते हैं।

ब्लू सब्सक्रिप्शन चार्ज बढ़ सकते हैं

द वर्ज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन चार्ज भी बढ़ाने का

प्लान बना रहे हैं। इसे 19.99 डॉलर (लगभग 1,600 रुपए) किया जा सकता है। अभी इसका मंथली चार्ज 4.99 डॉलर (करीब 410 रुपए) है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि मस्क ने इन बदलावों के लिए एम्प्लॉइज को 7 नवंबर की डेडलाइन दी है। अगर कर्मचारी इसका पालन नहीं करते हैं तो उन्हें 'पैक अप एंड लीव' करना होगा।

क्या 75% कर्मचारियों को निकालेंगे मस्क?

बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि मस्क कंपनी के 75% कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रहें हैं। मस्क ने ट्विटर की कमान संभालने ही पूर्व ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल को निकाल दिया। हालांकि, उन्होंने इस फैसले को सार्वजनिक नहीं किया है। कंपनी छोड़ने वाले अन्य लोगों में सीएफओ नेड सेगल और विजया गड्डे है। हालांकि मस्क ने 75% कर्मचारियों को निकालने के दावे को खारिज किया है।

जून में लॉन्च हुई थी पहली सब्सक्रिप्शन सर्विस

ट्विटर ब्लू को पिछले साल जून में प्लेटफॉर्म की पहली सब्सक्रिप्शन सर्विस के रूप में लॉन्च किया गया था। सब्सक्रिप्शन सर्विस को यूएस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लॉन्च किया गया था। ऐसे में ये देखना होगा कि मस्क ग्लोबल लेवल पर इस सर्विस को कैसे शुरू करेंगे। इसमें मंथली सब्सक्रिप्शन के आधार पर प्रीमियम फीचर्स का एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलता है। इसमें ट्वीट एडिट करने की सुविधा भी शामिल है। ट्वीट्स को एडिट करने की सुविधा भी इस महीने की शुरुआत में दी गई है। बीते दिनों एलन मस्क ने एक पोल में यूजर्स से पूछा था कि क्या उन्हें एडिट बटन चाहिए। 70% से ज्यादा ने हां में जवा दिया था।

आईओसीएल को पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर हो रहा नुकसान

कंपनी को जुलाई-सितंबर में 272.35 करोड़ का घाटा हुआ

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने दूसरी तिमाही में घाटा होने की जानकारी दी है। कंपनी को जुलाई-सितंबर में 272.35 करोड़ का घाटा हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को 1,992.53 करोड़ का घाटा हुआ था। आईओसी के साथ-साथ अन्य सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने 2022-23 की पहली तिमाही में भारी नुकसान दर्ज किया था। इसकी वजह महंगाई को नियंत्रित करने में सरकार की मदद के लिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में संशोधन नहीं करना है।

सूचना के मुताबिक पिछले साल जुलाई-सितंबर में आईओसी को 6,360.05 करोड़ का मुनाफा

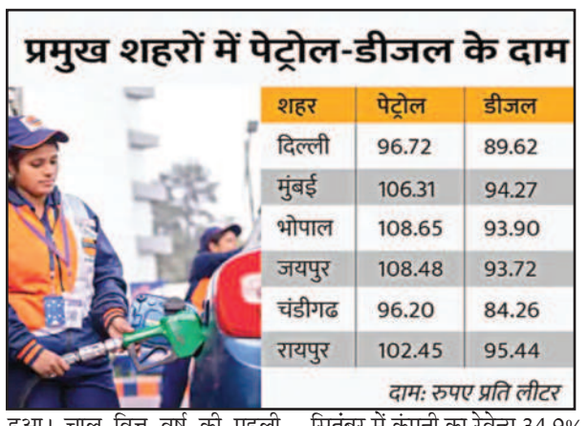

प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

शहर	पेट्रोल	डीजल
दिल्ली	96.72	89.62
मुंबई	106.31	94.27
भोपाल	108.65	93.90
जयपुर	108.48	93.72
चंडीगढ	96.20	84.26
रायपुर	102.45	95.44

दाम: रुपए प्रति लीटर

हुआ। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल-सितंबर के बीच कंपनी ने 2,264.88 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया है।

पिछले साल समान छमाही में कंपनी को 12,301.42 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर में कंपनी का रेवेन्यू 34.9% बढ़कर 2.28 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह पिछले 1.69 लाख करोड़ रुपए था।

बीते कई महीनों से कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है, लेकिन रिटेल पंप की पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग 85-86 डॉलर प्रति बैरल के हिसाब से थीं। इससे कंपनियों को नुकसान हुआ। सरकार ने बीते दिनों कहा था कि तेल कंपनियां खुदरा कीमतों में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि तीनों सरकारी तेल कंपनियों ने दरों को फ्रीज करने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं दी है। जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी, लेकिन 19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया।

सोना-चांदी के दामों में गिरावट : अक्टूबर में 52 हजार से फिसलकर 50 हजार पर आया सोना, चांदी भी 4 हजार से ज्यादा सस्ती हुई

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजार में आज, यानी सोमवार को सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 31 अक्टूबर को सर्राफा बाजार में सोना 201 रुपए सस्ता होकर 50,301 रुपए पर आ गया है। इस महीने की शुरुआत में सोना 52 हजार पर पहुंच गया था, जो फिसलकर 50 हजार के करीब आ गया है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	50,301
23	50,100
22	46,076
18	37,726

चांदी में भी गिरावट

अगर चांदी की बात करें तो इसमें भी आज गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 377 रुपए सस्ती होकर 57,042 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस महीने की शुरुआत में चांदी 61 हजार के ऊपर थी। यानी इसकी कीमत में अक्टूबर में ही 4 हजार से ज्यादा की गिरावट आई है।

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि आने वाले दिनों में शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इससे सोने की डिमांड में तेजी आने की उम्मीद है। डिमांड में तेजी आने से इसकी कीमतें और बढ़ सकती हैं और आने वाले दिनों में ये 52 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं।

हॉलमार्क देखकर ही खरीदें सोना

सोना खरीदते वक्त उसकी क्वॉलिटी पर जरूर गौर करें। सबसे अच्छा है कि हॉलमार्क देखकर सोना खरीदें। हॉलमार्क सरकारी गारंटी है। हॉलमार्क का निर्धारण भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड करती है। हॉलमार्किंग योजना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत संचालन, नियम और विनियम का काम करती है।

देशी यूपीआई ने बढ़ाई अमेरिका-चीन की चिंता

भारत में रोज हो रहे 22 करोड़ ऑनलाइन पेमेंट

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपीआई एक ऐसी इंडियन टेक्नोलॉजी जिसने पश्चिमी देशों को चौंकाया है। यूपीआई पेमेंट को भारत ही नहीं विदेशों में भी अपनाया जा रहा है। भारत में हर दिन 22 करोड़ ऑनलाइन ट्रांजैक्शन होते हैं। ऑनलाइन पेमेंट यूपीआई के चलते बहुत आसान हो गया है। अब कुछ खरीदने के लिए कैश की नहीं, मोबाइल और इंटरनेट की जरूरत होती है। यूपीआई 2.0 में तो इंटनरेट के बिना भी पेमेंट हो रहा है। मतलब समय के साथ करेंसी और ट्रांजैक्शन का तरीका भी बदला है और इंडियन यूपीआई ने अपनी कई खूबियों के चलते इंटरनेशनल मार्केट में भी कमाल किया है। अभी एक देश से

दूसरे देश में पैसे भेजने के लिए पेपल, ओएफएक्स, वेस्टर्न यूनियन, स्विफ्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफार्म का यूज करते हैं।

रेल राज्य मंत्री जालना से तिरुपति विशेष ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल राज्य, कोयला और खान मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे एक समारोह में उद्घाटन विशेष ट्रेन संख्या 07414 जालना-तिरूपति (वाया, परभणी, परली वैजनाथ, बीदर, कालाबुरागी, गुंतकल) को जालना रेलवे स्टेशन पर नारायण कुचे, विधान सभा सदस्य, बदनापुर, अन्य जन प्रतिनिधियों और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री पाटिल दानवे ने कहा कि जालना-तिरूपति-जालना के बीच विशेष ट्रेन के उद्घाटन के साथ मराठवाड़ा क्षेत्र के लोगों का एक लंबे समय से पोषित सपना आज पूरा हो गया है और उन्होंने यात्रियों से इस अवसर का उपयोग बालाजी को पाने के लिए करने की अपील की। दर्शन उन्होंने यह भी कहा कि, तिरुमाला आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह बहुत सुविधाजनक ट्रेन है। विशेष ट्रेन जालना से रविवार को 11.50 बजे शुरू होती है और सोमवार को 09.05 बजे तिरुपति पहुंचती है। वापसी दिशा में, ट्रेन मंगलवार को तिरुपति से शाम 6.30 बजे शुरू होती है और बुधवार को शाम 6 बजे जालना पहुंचती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार पिछली सरकारों की तुलना में रेल विकास परियोजनाओं के लिए आवंटन में लगभग 10 गुना की वृद्धि कर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा व्यक्त विश्वास को पूरा करते हुए काम करना जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे ने भी मराठवाड़ा क्षेत्र के रेल यात्रियों की तीर्थयात्री शहर तिरुपति के लिए अतिरिक्त यात्रा सुविधा की मांग को पूरा करते हुए, जालना-तिरुपति-जालना के बीच परली, बीदर, हुमनाबाद और रायचूर के बीच एक विशेष साप्ताहिक ट्रेन शुरू की है।

यह मराठवाड़ा और कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के विभिन्न गंतव्यों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों की यात्रा आकांक्षाओं को भी पूरा करता है। नई शुरू की गई साप्ताहिक विशेष ट्रेन एलएचबी डिब्बों के साथ चलेगी जो यात्रियों के लिए आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करती है। शुरुआत में अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर के महीनों के दौरान 6 ट्रिप चलाई जाएंगी।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का दीपावली स्नेह मिलन, अन्नकूट प्रसाद तथा साधारण सभा का आयोजन मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हॉल में किया गया। शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सर्वप्रथम मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना की तथा सदस्यों ने सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया। अध्यक्ष लाजपतराय गुप्ता ने सपरिवार पधारे सभी सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। मानद मंत्री पंकज संघी ने वार्षिक कार्य विवरण तथा कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल ने वर्ष 2021-22 का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर सभा से पारित करवाया. युवा मोर्चा की रपट संयोजक नितेश अग्रवाल ने प्रस्तुत की। वरिष्ठ सदस्य श्याम सुंदर अग्रवाल के संचालन में शाखा के मेधावी विद्यार्थियों का रजत पदक व सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया। अवसर पर केंद्रीय समिति से पधारे अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष राकेश जालान का शाखा के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया. केंद्रीय समिति अध्यक्ष ने मलकपेट शाखा के अपने अग्रसेन हॉल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी उपयोगिता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक सुरेश गोयल, दिनेश गोयल,प्रदीप बंसल की संयोजन में आयोजित अन्नकूट प्रसाद में बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने सपरिवार पधार कर प्रसाद ग्रहण किया। साधारण सभा में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की तेलंगाना इकाई में शाखा अध्यक्ष लाजपत राय गुप्ता को सहमंत्री, मानद मंत्री पंकज संघी को कार्यकारिणी सदस्य तथा केंद्र समिति सदस्य राजकुमार गुप्ता को राजस्थानी ग्रेजुएट एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। अवसर पर परामर्शदाता सुरेश चंद गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल व राजकुमार गुप्ता, ओम प्रकाश पचेरिया, चंद्र मोहन अग्रवाल,हरिश्चंद्र बजाज, अशोक कुमार अग्रवाल,प्रदीप बंसल, संजीव गोयल, सुनील रुंगटा, रवि अग्रवाल,श्याम लाल गोयल, शैलेश अग्रवाल,संजय गुप्ता, युवा मोर्चा के राहुल अग्रवाल,किशन जैन, जितेंद्र गोयल, महिला सदस्यों रेखा अग्रवाल, शीतल रुंगटा, भारती अग्रवाल, राखी सुरेखा, स्नेहलता गुप्ता तथा डिंपल संघी समेत समाज के बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास का दिवाली मिलन संपन्न

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास शाखा ने दीपावली मिलन समारोह मनाया। शाखा के मानद मंत्री राजेंद्र अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम में 150 लोगों ने भाग लिया, जिसकी उन्होंने बहुत सराहना की। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, सहमंत्री सतीश अग्रवाल ने शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने मेहमानो का शाल द्वारा सम्मान किया। पदाधिकारियों ने कार्यक्रम व्यवस्थापक, बच्चों एवं महिलाओं के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर दिलीप भाई ने अपने सुरीले गाने से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन दो बालिकाएं खुशबू एवं आंचल ने बखूबी निभाया। सीमा गारोडिया एवं पूजा अग्रवाल ने दीपोत्सव कार्यक्रम कीया। उपाध्यक्ष दीपक गोयल ने कपल गेम्स खिलाये। विपिन सिंघानिया के साथ साहिल एवं पूनम अग्रवाल ने रंगारंग संगीतमय लाइव गायन पर बॉलीवुड तंबोला प्रस्तुत किया।

वहां उपस्थित लोगों ने इस कार्यक्रम की विशेष सराहना की एवं भरपूर आनंद उठाया। सभी लोगों ने खूब मस्ती एवं जोश के साथ नाचते-गाते हुए दिवाली मिलन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, सहमंत्री तुषार गुप्ता,एवं सुमीत सिंगल आदि ने सहयोग कीया।

आलाप ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन महफिल-ए-गज़ल का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की सुपरिचित संस्था आलाप (आत्मा के लिए संगीत) के तत्वावधान एवं संगीतकार रामवतार दाहिमा के संयोजन में दीपावली मिलन के शुभ अवसर पर आरजीए सभागार में महफिल-ए-गज़ल का आयोजन किया गया। इस शानदार कार्यक्रम में जावेद नसीम के संचालन में सुश्री सुरभि आर्य, सुश्री संगीता मित्रा और सबेर हबीब ने अपनी गज़लों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। की-बोर्ड पर उमर खान एवं तबले पर हरजीत सिंह ठाकुर द्वारा दी गई संगत को भरपूर सराहा गया। सुश्री पूर्वी दायमा, अरुण दधीच एवं सुश्री पूर्वा गुरु ने अतिथि कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम में डॉ. मोहन गुप्ता, गजल गायक अदनान सालेम, तबला वादक भोलाशंकर, नन्दगोपाल भट्टड, सरवत अली सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया और गज़लों का आनंद लिया।

बिहार सहयोग समिति ने धूमधाम से मनाया महापर्व छठ

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति द्वारा छठ पूजा बंडाचेरु बतुकम्मा घाट, आनंदबाग, सफीलगुड़ा में बड़ी धूमधाम से संपन्न हुई। इस मौके पर हजारों की संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने घंटो पानी में रहकर उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। इस मौके पर रेलवे डेपलोमेंट के सिपीआरो शकील अहमद एवं मलकाजगीरी पार्षद श्रवन कुमार, बिनायक नगर पार्षद राजलक्ष्मी, गौतम नगर पार्षद रामु यादव और ऐनु नायडू एवं बहुत से गणमान्य लोगों ने छठ पूजा में भाग लिया।आये हुए सभी भक्तों के लिए बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव और उनकी पूरी टिम ने पुरा बंदोबस्त किए। सभी गणमान व्यक्ति का स्वागत समिति द्वारा किया गया।

बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) में आज सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया गया। एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय है, जिसे बीडीएल द्वारा 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक मनाया जा रहा है। बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन कंचनबाग, भानुर और विशाखापत्तनम इकाई में स्थित कंपनी के सभी कर्मचारियों के लिए बीडीएल कॉर्पोरेट कार्यालय से बीडीएल के निदेशक (उत्पादन) बीडीएल द्वारा प्रशासित ₹ईमानदारी प्रतिज्ञा₹ के साथ शुरू हुआ। एन श्रीनिवासुलु निदेशक (वित्त), बीडीएल, डॉ. उपेंद्र वेन्नम, आईपीओएस मुख्य सतर्कता अधिकारी, बीडीएल और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2022 के अवसर पर भारत की राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, रक्षा मंत्री और केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा दिए गए संदेशों को पढ़ा गया। सप्ताह भर चलने वाले समारोह के दौरान सतर्कता जागरूकता फैलाने के लिए कंपनी के कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और बच्चों और डीएवी स्कूल, भानुर के छात्रों के लिए भाषण, नारा लेखन, पोस्टर / कोलाज बनाने और प्रश्नोत्तरी पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

भक्तिभाव से मनाया गया छठ पर्व

कागजनगर, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर कागज नगर के सिरपुर पेपर मिल के गार्डन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठ पर्व धूमधाम से मनाया गया। उत्तर भारतीय प्रगति समाज की ओर से छठ पूजा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम अध्यक्ष अश्विनी कुमार सिंह एवं सन्तोष कुमार ठाकुर, संजय सिंह ने सभी को छठ पर्व कि हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में कोनेरू कृष्णा विशेष रूप से पधारे एवं छठ पूजा की हार्दिक बधाई दी।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन अमीरपेट में श्रीमती प्रमिला अग्रवाल जी के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी का पंचदेव दरबार सजाया गया, जिसमें बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि देवकीनन्दन, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक श्रृंगार किया गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक घनश्याम शर्मा तथा प्रसिद्ध गायक सुरेश बाबु ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की।

भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

दुकानदार नियमों का पालन करें : एग्रीकल्चर अधिकारी

मदनूर, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एग्रिकल्च अधिकारी राजू ने सोमवार के दिन मंडल केंद्र के फर्टीलाइजर दुकानों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया को बताया कि मंडल के किसान अगर निजी दुकान में चना बीज, रसायनिक खत के बैग खरीदते हैं, तो वे दुकानदार से असली पावती लें। अगर कोई दुकानदार किसानों को अधिक दाम पर रसायनिक खाद या बीज बेचता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

रामदरबार फीलखाना में अन्नकूट प्रसादी आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा रामदरबार फीलखाना में अन्नकूट प्रसादी की व्यवस्था की गयी। इस संदर्भ में, उक्त समाज के आधिकारिक सूत्रों ने आगे बताया कि, रामदरबार फीलखाना हैदराबाद के तत्वावधान में अन्नकूट प्रसादी की व्यवस्था की गयी। बडे बुजुर्गों व महिलाओं की उपस्थिति में भगवान की आरती की गयी। इसमें सिखवाल समाज के अध्यक्ष भगवान व्यास, कमल उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, रामेश्वर लाल उपाध्याय, रामेश्वरलाल बिलाल, रंगलाल ओझा, मुरलीधर उपाध्याय, घेवर चंद उपाध्याय, चंपालाल उपाध्याय, मोतीलाल जोशी, रामेश्वर लाल तिवारी, रामचंद्र तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, सोहनलाल जोशी, निरंजनलाल जोशी, राजाराम व्यास, रामदेव ओझा, ओमप्रकाश व्यास, सिखवाल सेवा संघ के अध्यक्ष सुरेश उपाध्याय, कन्हैय्यालाल व्यास(ठाकुर), डॉ. हरिकिशन नागला, हंसराज व्यास(रेखी), गोपाल जोशी, बनवारीलाल व्यास एवं समाज बंधु व महिला बच्चों की उपस्थिति में उपरोक्त अन्नकूट प्रसादी की गयी।

इरीसेट द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरीसेट) द्वारा सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

यह सुदृढ और अखंड भारत के मूल्यों को मजबूत बनाते हुए हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने और मजबूत करने के हमारे समर्पण को बढ़ावा देने एवं सुदृढ बनाने का एक विशेष अवसर है। राष्ट्रीय एकता दिवस के पालन की एक महत्वपूर्ण विशेषता, इस अवसर पर आयोजित होने वाला शपथ ग्रहण समारोह है।

इरिसेट संस्थान ने इस अवसर को शपथ ग्रहण समारोह एवं एकता दौड़ का आयोजन कर के मनाया है।

सी. नीलकंठा रेड्डी, वरिष्ठ आचार्य/प्रशिक्षण ने संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं प्रशिणार्थियों को शपथ ग्रहण कराया है।

बाद में उन्होंने एकता दौड़ का आरंभ झंडी हिला कर किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 प्रशिक्षणार्थी, संकाय सदस्य और कर्मचारियों ने भाग लिया है।

छठ पूजा समिति, याप्राल, सिकंदराबाद द्वारा मालाना मंदिर में आयोजित छठ पूजा में भाग लेते हुए एचएस चौहान, पीपी पांडे, रनविजय चौबे, केके सिंह, बी. श्रीनिवास यादव व अन्य।

अशोकनगर महिला मंडली द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में भाग लेती हुई विशेष अतिथि पूजा गुप्ता, राधिका व अन्य। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिमायतनगर में आयोजित छठपूजा में उगते सूर्य को अर्घ्य देते हुए राघवेंद्र मिश्र, रंजना मिश्र।

मोरबी हादसे की 11 दर्दनाक कहानियां

परिवार में अकेला बचा 4 साल का जियांश, रूपेश के घर से एक साथ उठी चार अर्थियां

एक्सक्यूसिव डेस्क, 31 अक्टूबर। किसी ने औलाद खो दी, किसी ने जीवन साथी। किसी की कोख में ही उसकी औलाद की कब्र बन गई। किसी के अपने उसकी आंखों के आगे डूब गए। कहीं मासूम परिवार में अकेला बचा, तो किसी के घर से एक साथ कई अर्थियां उठीं।

गुजरात के मोरबी पुल हादसे के बाद हर ओर ऐसे ही मंजर दिखाई दे रहे हैं। जिस मच्छू नदी पर ये पुल बना था, वो अब तक 134 लाशें उगल चुकी है। इनमें मासूम बच्चे हैं, औरतें हैं और बुजुर्ग भी। एक शख्स ने 8 महीने की गर्भवती की लाश देखी और फिर उसकी आंखें ये दहलाने वाला दृश्य भूल नहीं पाईं।

पहली कहानी: पत्नी-बेटे की लाश मिली, बेटी समेत परिवार के 5 सदस्य लापता

मोरबी हादसे में कई परिवार खत्म हो गए हैं। इन्हीं में एक आरिफ भी हैं। आरिफ परिवार के 8 सदस्यों के साथ ब्रिज पर घूमने गए थे। ब्रिज टूटने से सभी लोग नदी में गिर गए। हादसे में आरिफ की जान बच गई, लेकिन पत्नी और 5 साल के बेटे की जान चली गई। वहीं, उनकी बेटी समेत 5 सदस्य लापता हैं।

दूसरी कहानी: यहां 1000 से ज्यादा लोग जमा थे

इस हादसे में 8 लोगों की जान बचाने वाले चश्मदीद ने कहा- यहां हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे। जो तैरना जानते थे, वो तैरकर बाहर आ रहे थे। बच्चे डूब रहे थे, हमने पहले उन्हें बचाया। उसके बाद बड़ों को निकाला। पाइप के सहारे लोगों को निकाल रहे थे।

तीसरी कहानी: गर्भवती की जान गई, जिंदगी में ऐसा नहीं देखा था

दूसरा चश्मदीद बोला- मैं यहां हर रविवार को चाय बेचता हूं। मैंने लोगों को तार से लटके देखा। इसके बाद वे फिसलने लगे। मैं रातभर नहीं सोया। पूरी रात लोगों को बचाने में जुटा रहा। मेरा दिल तब दहल गया, जब मैंने 7-8 महीने के गर्भवती की लाश देखी। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ नहीं देखा।

चौथी कहानी: हादसे को शब्दों में बयां करना मुश्किल

हादसे के वक्त मौजूद चश्मदीद हसीना ने कहा- मैं हादसे को शब्दों में बयां नहीं कर सकती। वहां बच्चे भी थे। मैं अपने परिवार के साथ जितने लोगों की मदद कर पाई, मैंने की। मैं लोगों को अस्पताल ले जाने के लिए अपनी गाड़ी दे दी। मैंने जिंदगी में ऐसा मंजर नहीं देखा।

पांचवी कहानी: मंदिर में काम कर रहे थे, 8 को बचाया

हादसे के वक्त एक और चश्मदीद सुभाषभाई ने कहा कि हम पुल के बगल में स्वामीनारायण मंदिर के निर्माण पर काम कर रहे थे। पुल टूटा हुआ देखकर हम लोग तुरंत दौड़े

और 8 की जान बचाई। और लोगों को नहीं बचा सके। बड़े लोग पुल की रस्सी के सहारे बाहर निकले, लेकिन छोटे बच्चे नदी से बाहर नहीं निकल पाए।

छठी कहानी: नदी में कूदे पूर्व विधायक कांति

मोरबी के पूर्व विधायक कांति अमृतिया लोगों को बचाने के लिए खुद नदी में उतर गए। इस त्रासदी के बाद कांति ने एक वीडियो जारी कर कहा कि तुरंत लाइटिंग की जाए। कलेक्टर ने उनकी सलाह पर काम किया और रेस्क्यू के लिए इंतेजाम किया।

सातवीं कहानी: इतनी मौतें पहली बार देखीं

रेस्क्यू में लगे एनडीआरएफ कमांडेंट वीवीएन प्रसन्न कुमार ने कहा कि हमने इतनी मौतें पहली बार देखी हैं। अक्सर ऐसा नाव पलटने पर होता है। लेकिन यहां नदी के मटमैले पानी में हमें लोगों को ढूंढने में दिक्कत आ रही है। ढहे हुए पुल के नीचे भी और शव फंसे हो सकते हैं। उन्हें खोजने हम गहरे गोताखोरों की मदद ले रहे हैं।

आठवीं कहानी: आंखों के सामने डूबे 6 परिजन

बेटी की ननद की सगाई में आई हलीमाबेन के परिवार के 6 लोग उसकी आंखों के सामने हादसे का शिकार हो गए। हलीमा ने बताया कि उनकी बेटी-दामाद, दोनों नवासे, हलीमा के जेठ और उनका लड़का झूलतो पुल देखने गए थे, लेकिन उसके टूटने से नदी में गिर गए।

नौंवी कहानी: तार के सहारे बचा रूपेश, बच्चों को बचाने में कीचड़ में डूबी पत्नी

पत्नी और तीन बच्चों को अपनी आंखों के सामने खो देने वाले पति की हालत देखकर पूरे गांव में मातम छाया है। जामनगर जिले के धरोल तालुका के जलिया देवानी गांव में एक परिवार के तीन बच्चों सहित 4 सदस्यों की मौत हुई। रूपेश ब्रिज की केबल पकड़ने से बच गया, जबकि पत्नी तीनों बच्चों को खोजने गई लेकिन कीचड़ में धंसकर जान गंवा दी।

दसवीं कहानी: अनाथ हो गया 4 साल का जियांश

मोरबी में रहने वाले हार्दिक फलदू पत्नी मिरल और चार साल के बेटे जियांश के साथ रविवार की शाम घूमने निकले थे। शाम करीब 6 बजे तीनों ब्रिज पर पहुंचे और कुछ ही देर बाद ब्रिज टूट गया। तीनों नदी में गिर गए। हादसे में हार्दिक और पत्नी मिरल की मौत हो गई। लेकिन डूब रहे जियांश को किसी ने बचा लिया। जियांश की जान तो बच गई, लेकिन अब उसके सिर पर माता-पिता का साया नहीं रहा।

ग्यारहवीं कहानी: 6 साल की बहन के साथ फोटो ले रहा था, फिर वो नहीं मिली

एक लड़का अपनी 6 साल की बहन के साथ पुल पर फोटो ले रहा था। पुल गिरा, दोनों नदी में गिर गए। लड़का तो बच गया, लेकिन उसकी मासूम बहन लापता हो गई। हॉस्पिटल में खोजने के बावजूद वह नहीं मिली। अब वह घटना वाली जगह पर बैठकर रोत हुआ अपनी बहन को खोज रहा है।

पूरे मोरबी में मातम का अंधेरा, लोगों ने दिवाली पर लगाई लाइटें बुझा दीं

दिवाली के मौके पर जहां कल तक पूरा शहर लाइटों से जगमगा रहा था। वहीं, रविवार की शाम को हुए हादसे ने शहरवासियों को मातम के अंधेरे में डुबो दिया। लोगों ने घरों की जगमगाती लाइटें बंद कर दीं। स्थानीय लोग, स्वयंसेवक, अस्पताल के कर्मचारी, पुलिस, फायर ब्रिगेड सभी बचाव कार्य में लगे रहे।

गुजरात में ब्रिज टूटा, 141 की मौत

गुजरात के मोरबी पुल हादसे में मरने वालों की तादाद सोमवार सुबह तक 190 से ज्यादा पहुंच गई है। मृतकों में 25 बच्चे भी शामिल हैं। 170 लोग रेस्क्यू किए गए हैं। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे हुआ था। 143 साल पुराना यह पुल 6 महीने से बंद था। हाल ही में इसकी मरम्मत की गई थी।

हादसे के दर्दनाक वीडियो- टूटे पुल पर जान अटकी थी

गुजरात के मोरबी में रविवार शाम करीब 6.30 बजे केबल सस्पेंशन ब्रिज टूटने से करीब 400 लोग मच्छु नदी में गिर गए। राजकोट के भाजपा सांसद मोहन कुंदरिया की फैमिली के 12 लोगों की जान चली गई। हादसे से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हैं। लोग टूटे ब्रिज पर लटके हुए मदद की गुहार लगा रहे हैं।

43 साल बाद वही कहर वैसा ही मौत का तांडव

तब गुजरात के मोरबी शहर में खंभों पर लटकती मिली थीं लाशें

मोरबी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रविवार को गुजरात में मोरबी शहर की मच्छू नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। इस पर करीब 500 लोग सवार थे, जो नदी में जा गिरे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हादसे में 134 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इस भयानक हादसे ने मोरबी के लोगों की फिर से एक दर्दनाक घटना की याद दिला दी थी। यह हादसा मच्छू नदी के डैम टूटने से हुआ था। आइए जानते हैं कि किस तरह 11 अगस्त 1979 को यह पूरा शहर किस तरह श्मशान में तब्दील हो गया था।

ओवरफ्लो हो गया था डैम

लगातार बारिश और स्थानीय नदियों में बाढ़ के चलते मच्छु डैम ओवरफ्लो हो गया था। इससे कुछ ही देर में पूरे शहर में तबाही मच गई थी। 11 अगस्त 1979 को दोपहर सवा तीन बजे डैम टूट गया और 15 मिनट में ही डैम के पानी ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया था। देखते ही देखते मकान और इमारतें गिर गईं थी, जिससे लोगों को संभलने तक का मौका भी नहीं मिला था।

हादसे में 1400 लोगों की मौत हुई थी

सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस हादसे में 1439 लोगों और 12,849 हजार से ज्यादा पशुओं की मौत हुई थी। बाढ़ का पानी उतरने के लोगों ने भयानक मंजर देखा। इंसानों से लेकर जानवरों के शव खंभों तक पर लटके हुए थे। हादसे में पूरा शहर मलबे में तब्दील हो चुका था और चारों ओर सिर्फ लाशें नजर आ रही थीं। इस भीषण हादसे के कुछ दिन बाद इंदिरा गांधी ने मोरबी का दौरा किया था, तो लाशों की दुर्गंध इतनी ज्यादा थी कि उनको नाक में रुमाल रखनी पड़ी थी। इंसानों और पशुओं की लाशें सड़ चुकी थीं। उस समय मोरबी का दौरा करने वाले नेता और राहत एवं बचाव कार्य में लगे लोग भी बीमारी का शिकार हो गए थे।

मोदी ने रैली में साधा था स्व. इंदिरा गांधी पर निशाना

करीब पांच साल पहले मोरबी में चुनावी रैली के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था- 'मच्छू बांध त्रासदी के बाद राहत कार्य के दौरान राहुल गांधी की दादी इंदिराबेन मुंह पर रूमाल डाले दुर्गंध और गंदगी से बच रही थीं। जबकि, संघ के कार्यकर्ता कीचड़ व गंदगी में घुस कर सेवाभाव से काम कर रहे थे। गुजराती मैगजीन चित्रलेखा ने इंदिरा की तस्वीर पर राजकीय गंदगी और संघ के कार्यकर्ताओं की तस्वीर पर मानवता की महक का शीर्षक लगाया था।'

गुजरात में ब्रिज टूटा, अब तक 190 लोगों की मौत: 70 से ज्यादा घायल

गुजरात के मोरबी में रविवार शाम करीब 6.30 बजे केबल सस्पेंशन ब्रिज टूटने से करीब 400 लोग मच्छु नदी में गिर गए। हादसे में 190 लोगों की मौत हुई है। इनके शव मोरबी के सिविल हॉस्पिटल में पहुंचा दिए गए हैं। मरने वालों में 50 से ज्यादा बच्चे और महिलाएं हैं। 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 100 लोगों की तलाश अभी भी जारी है। हादसे से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हैं। ब्रिज टूटने से तुरंत बाद का वीडियो दिखाई दे रहा, जिसमें लोग टूटे ब्रिज पर लटके हुए मदद की गुहार लगा रहे हैं। हादसे के बाद कोई तैरकर बच आया तो किसी को वहां पर मौजूद लोगों ने बचाया। वहीं, वीडियो में कुछ लोग एक शव को लिए भाग रहे थे।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़, मारे गए इनामी माओवादी

जवानों पर की फायरिंग, सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख जंगल की ओर भागे, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

कांकेर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में फिर से पुलिस नक्सली मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि जवान बड़ी संख्या में नक्सलियों के मौजूद होने की सूचना पर गए थे। उसी दौरान माओवादियों ने उन पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसी फायरिंग का जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया और 2 नक्सलियों को मार गिराया गया है। मामला सिकसोड़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, डीआरजी के जवान रविवार रात ही कडमे गांव के जंगलों में नक्सलियों के छिप होने की सूचना पर निकल गए थे। इस बीच सोमवार सुबह 3 बजे के आस-पास नक्सली जवानों पर फायरिंग करने लगे। जवानों ने भी जबरदस्त फायरिंग की। जिसके बाद नक्सली जंगल की ओर भाग निकले।

बताया गया है कि आधे घंटे तक दोनों तरफ से फायरिंग चलती रही। फिर जब नक्सली जंगल की ओर भागे, तब इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। मुठभेड़ की पुष्टि एसपी शलभ सिन्हा ने की है।

भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

जानकारी मिली है कि जो नक्सली मारे गए हैं। वो दोनों ही बड़े कैडर के नक्सली थे। इसमें से एक नक्सली की पहचान दर्शन पद्दा के रूप में हुई है। वो परतापुर एरिया कमेटी सचिव एवं उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी सदस्य के रूप काम कर रहा था। इसके अलावा एक और नक्सली की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। जवानों ने मौके से भारी मात्रा में विस्फोटक, आर्म्स-एम्यूनेशन और नक्सली सामान बरामद किया है।

पूरी घटना के बाद सोमवार दोपहर को बस्तर आईजी सुंदरराज पी और पुलिस अधिकारियों ने प्रेस को जानकारी भी दी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में नक्सलियों को बड़ा नुकसान हुआ है। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली दर्शन पद्दा पर 8 लाख और दूसरे पर 8 लाख का इनाम था। दोनों पिछले दिनों हुए आगजनी और हत्या की वारदात में शामिल थे। आईजी ने बताया कि मौके पर 15 से 20 नक्सली मौजूद थे।

महिला माओवादी मारी गई, नक्सलियों ने अब बताया

कांकेर-नारायणपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में हुए पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में घायल महिला नक्सली उंगी मंडावी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। 6 दिन पहले ही इसे लेकर नक्सलियों ने पर्चा जारी किया है। 15 अक्टूबर को नारायणपुर डीआरजी के साथ देवगांव हुचडी में नक्सलियों की मुठभेड़ हुई थी। जिसमें महिला नक्सली उंगी मंडावी बुरा तरह घायल हो गई थी। नक्सली घायल महिला नक्सलियों को अपने साथ ले गए थे, लेकिन अब उन्होंने उसके मारे जाने की खबर पर्चे के जरिए दी है। जानकारी मिल रही है कि महिला नक्सली की मौत मुठभेड़ के 3-4 दिन बाद ही हो गई थी, लेकिन अब नक्सलियों ने पर्चा जारी किया है। पर्चे में नक्सलियों ने कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए राज्य सरकार लाखों जनता को विस्थापित कर रावघाट खदान खोल रही है। इसके विरोध में चल रहे आदिवासी अभियान को दबाने के लिए फर्जी मुठभेड़ों के जरिए आम जनता की हत्या की जा रही है। बस्तर के कांकेर और दूसरे जिलों में लगातार नक्सली जवानों पर पहले भी फायरिंग करते रहे हैं। इसके पहले कांकेर जिले में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया था। जिसमें 3 जवान घायल हो गए थे। नक्सलियों ने यहां 2 अलग-अलग जगह पर आईईडी ब्लास्ट किया था। जिसकी चपेट में एसएसबी के जवान आए थे।

भीषण हादसे में व्यापारी की मौत

खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, हाईकोर्ट के अधिवक्ता समेत 2 की हालत गंभीर

बिलासपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर-बिलासपुर रोड पर भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक व्यापारी की मौत हो गई। वहीं, हाईकोर्ट के एडवोकेट समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार सवार तीनों लोग रायपुर से देर रात लौट रहे थे। तभी सरगांव के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रक से तेज रफ्तार कार टकरा गई। इस हादसे के बाद सभी घायल करीब एक घंटे तक पड़े रहे। रायपुर से उनके पीछे लौट रहे परिचित ने उन्हें स्थानीय अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार बिलासपुर के जूनीलाइन निवासी आशीष शुक्ला हाईकोर्ट के एडवोकेट हैं। वे जूना बिलासपुर के कतियापारा निवासी अपने दोस्त व्यापारी शिवकुमार गुप्ता उर्फ छब्बू खोवा और गोंडपारा के रत्तू उर्फ ज्ञानेंद्र राज उरमलिया के साथ रविवार को रायपुर गए थे। तीनों अर्टिगा कार में सवार होकर रात करीब 12 बजे रायपुर से बिलासपुर लौट रहे थे। तभी सरगांव के पास उनकी तेज रफ्तार कार नेशनल हाइवे के किनारे खड़ी ट्रक क्रमांक सीजी 10 एडी 9100 से टकरा गई।

व्यापारी की मौत, दो गंभीर अपोलो अस्पताल में भर्ती

इस घटना में खोवा व्यापारी शिवकुमार गुप्ता उर्फ छब्बू (45) की मौत हो गई। वहीं, एडवोकेट आशीष शुक्ला और रत्तू उरमलिया गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह हादसा इतनी भयावह थी कि एडवोकेट की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि बिना किसी संकेत के ट्रक नेशनल हाईवे के किनारे खड़ी थी, जिसके चलते अनियंत्रित कार ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में मरने वाले शिवकुमार गुप्ता के साले की तबीयत खराब चल रही है। उनका अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था, जिन्हें डिस्चार्ज कराकर रायपुर भर्ती करने के लिए गए थे।

उतरौला उपद्रव में 17 साल बाद फैसला 41 दोषियों को पांच-पांच साल की सजा

बलरामपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलरामपुर में वर्ष 2005 में होली पर्व पर उतरौला में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के मामले में अपर न्यायाधीश जहेन्द्र पाल सिंह ने 41 लोगों को पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी को 14500 रुपए का जुर्माना भी अदा करना होगा। इनमें से एक व्यक्ति के न्यायालय न आने के कारण उसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर कुर्की की कार्रवाई की गई है। न्यायालय के आदेश पर भाजपा नेता व पूर्व उतरौला नगर पालिका अध्यक्ष अनूपचंद गुप्ता सहित 40 लोग जेल में 20 अक्टूबर से ही निरुद्ध हैं।

शासकीय अधिवक्ता नवीन कुमार तिवारी ने बताया कि वर्ष 2005 को दिन में करीब एक बजे उतरौला में होली का जुलूस निकल रहा था।

पुलिस जवान ने 2 लोगों को मारी गोली

जेल सुपरिटेंडेंट का बॉडीगार्ड है आरोपी

पलामू, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू में फायरिंग हुई। फायरिंग का आरोप जिले के जेल सुपरिटेंडेंट के बॉडीगार्ड पर लगा है। आरोपी जवान का नाम विनीत कुमार है। कहा जा रहा है कि विनीत ने नशे की हालत में अपने सर्विस रिवॉल्वर से कुछ समय के अंतराल पर 2 लोगों को गोली मार दी। घायलों में एक को हाथ में छर्रा लगा है जबकि दूसरे व्यक्ति को बांह में गोली लगी है। घायलों में अंजन तिवारी (40 वर्ष) और मनीष तिवारी (38 वर्ष) है। दोनों चचेरे भाई हैं। फायरिंग नशे की हालत में यूं ही की गई थी या ये आपसी रंजिश का मामला है। इसकी जांच जारी है।

पूरा मामला पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के चियांकी इलाका का है। घटना, रविवार देर शाम की है। छठ पूजा के पहले अर्घ्य की चहल-पहल के बीच फायरिंग की ये घटना हुई। फायरिंग में घायल अंजन तिवारी ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि वो रविवार देर शाम अपने पिता को रिसीव करने आकाश धर्म कांटा की तरफ जा रहा था तभी पुलिस जवान विनीत कुमार ने उसे लक्ष्य कर फायरिंग की। गनीमत रही कि गोली सीधे उसे नहीं लगी बल्कि हाथ में छर्रा आकर लगा। अंजन ने बताया कि मैं मामले की सूचना देने थाने गया। इसके करीब आधे घंटे बाद विनीत ने मेरे चचेरे भाई मनीष तिवारी को भी गोली मारी जो उसके बांह में लगी। मनीष तिवारी ही हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए राजधानी रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा, डीएसपी सुरजीत कुमार, टाउन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अभय कुमार सिन्हा, टीओपी-2 प्रभारी रुद्रानंद सरस मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। घटना के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली। जख्मी युवक का बयान लिया। पुलिस फरार जवान की तलाश में जुटी है।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में दिखेगा विविधता का नजारा

रायपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए देश-विदेश से कलाकार पहुंचने लगे हैं। साइंस कॉलेज मैदान राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के लिए तैयार हो रहा है। पहली से तीन नवंबर तक आयोजित होने वाले समारोह के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मुख्य मंच पर राज्योत्सव और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के कार्यक्रम होंगे। साइंस कॉलेज मैदान में विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल और व्यावसायिक स्टॉल लगेंगे। दूसरी ओर फूड जोन भी बनाया जा रहा है। मालूम हो कि पहली नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया गया। राज्य गठन को 22 साल पूरे होने को हैं। हर साल की तरह इस बार भी भव्य स्तर पर राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में तीसरी बार राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

जब आजम से डर गए थे 3 अफसर

डीएम को चिट्ठी लिखकर कहा था- हमारे घर की रेकी हो रही, हमें जान का खतरा

मुरादाबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। ये अप्रैल 2019 की बात है। सपा के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान और रामपुर के तत्कालीन डीएम आन्जनेय कुमार सिंह के बीच टकराव चरम पर पहुंच चुका था। डीएम के आदेश पर आजम के खिलाफ रामपुर के मिलक थाने में हेट स्पीच की एफआईआर दर्ज हो चुकी थी। उसी दरम्यान रामपुर में अहम प्रशासनिक पदों पर बैठे 3 अफसरों ने अचानक एक चिट्ठी डीएम को लिखी।

15 अप्रैल 2019 को जब ये चिट्ठी डीएम आन्जनेय सिंह के पास पहुंची तो उन्होंने इसे पढ़ते-पढ़ते ही रामपुर के पुलिस कप्तान को बुलावा भेज दिया। तीनों चिट्ठियों का मजमून कमोबेश एक जैसा था। जिसे पढ़ते-पढ़ते डीएम के चेहरे के भाव बदलने लगे थे।

एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम ने जताया था खतरा

डीएम को ये तीन चिट्ठियां भेजी गई थीं उस वक्त रामपुर के एडीएम प्रशासन रहे जेपी गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट सर्वेश गुप्ता और एसडीएम सदर प्रेम प्रकाश तिवारी की ओर से। तीनों चिट्ठियों में एक ही बात लिखी थी- हमारे घरों की रेकी हो रही है, हमें और हमारी फैमिली को जान का खतरा है। जिले के तीन अहम प्रशासनिक पदों पर बैठे तीन पीसीएस अधिकारियों के मन का डर निकालने के लिए तब रामपुर के तत्कालीन डीएम आन्जनेय कुमार सिंह को इन तीनों अफसरों की सिक्योरिटी बढ़ानी पड़ी थी। इन अधिकारियों ने डीएम से शिकायत की थी कि कुछ लोग उनके घरों के आसपास रेकी कर रहे हैं। दफ्तर आते-जाते भी कुछ लोग पीछा करते हैं और भविष्य में कोई हमला कर सकते हैं। बता दें कि ये तीनों वही अफसर हैं जिनका जिक्र आजम ने 7 अप्रैल को दी गई अपनी हेट स्पीच में भी किया था। आजम ने एक जनसभा में पब्लिक से कहा था- तुम्हें नहीं दिख रहा रामपुर में कैसा कलक्टर आया है और अपने साथ तीन अधिकारी कैसे लाया है। अब आपको बताते हैं कि ये तीन अधिकारी आजम के निशाने पर क्यों आए? दरअसल, आन्जनेय रामपुर से पहले फतेहपुर के डीएम थे। जेपी गुप्ता, सर्वेश गुप्ता और प्रेम प्रकाश तिवारी भी तब फतेहपुर में ही अलग-अलग पदों पर थे। जब आन्जनेय रामपुर के डीएम बनकर आए तो कुछ ही दिन में इन तीनों का भी शासन ने रामपुर में तबादला कर दिया। इससे ये संदेश गया कि आन्जनेय कुमार सिंह की डिमांड पर ही आजम को घेरने के लिए शासन ने इन तीनों अधिकारियों को रामपुर भेजा है। आन्जनेय ने रामपुर में तैनाती के एक महीने के भीतर ही आजम के खिलाफ जो भी कड़े एक्शन लिए। उन्हें अमलीजामा पहनाने में इन तीनों अधिकारियों की अहम भूमिका रही। ऐसे में ये तीनों भी आजम की नजरों में चुभने लगे थे। मुरादाबाद के कमिश्नर आन्जनेय कुमार सिंह ने स्वीकार किया कि तब रामपुर के एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम सदर ने उन्हें एक चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने अपनी जान का खतरा बताते हुए कहा था कि कोई उनके घरों की रेकी करा रहा है। आन्जनेय सिंह बोले- शिकायत आई थी, लेकिन मुझे नहीं लगा कि बात बहुत बड़ी थी। मैंने तुरंत तीनों अधिकारियों और उनके आवासों की सिक्योरिटी बढ़वा दी थी। इस बारे में शासन को भी अवगत करा दिया गया था। आईएएस आन्जनेय कुमार सिंह। सिक्किम कैडर के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी ने सपा नेता आजम खान की सल्तनत को उजाड़कर रख दिया है। यही वो अफसर हैं, जिसके बारे में 2019 में दी गई अपनी हेट स्पीच की वजह से आजम खान को अब विधायकी तक गंवानी पड़ गई। मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आन्जनेय कुमार तब रामपुर के कलेक्टर हुआ करते थे। वही कलेक्टर जिससे कभी नेताजी ने अपने जूते साफ कराने की हसरत पाली थी।

गहलोत बोले- राजस्थान मॉडल स्टेट

गुजरात में वचन पूरा करेंगे

बीजेपी विधायक रामलाल बोले- 2032-33 में लागू होंगी घोषणाएं, तब कांग्रेस सरकार आएगी क्या ?

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम गहलोत ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार की 18 स्कीम्स गिनाते हुए राजस्थान को मॉडल स्टेट बताया है। इसके जरिए गुजरात में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में विधानसभा चुनाव में वोटर्स को साधने के लिए वादा भी कर दिया है। इसी पर सियासत गरमा गई है। बीजेपी राजस्थान के मुख्य प्रवक्ता और विधायक रामलाल शर्मा ने कहा-कांग्रेस की गहलोत सरकार झूठी घोषणाएं कर वाहवाही लूटने का काम कर रही है। ओल्ड पेंशन स्कीम (OPS) और संविदा कर्मियों को नियमित करने की थोथी घोषणा है। कांग्रेस सरकार ऐसी-ऐसी घोषणाओं की वाहवाही लूटने का काम कर रही है। जिन घोषणाओं का इम्प्लीमेंटेशन 2032-33 के बाद शुरू होगा। आने वाले समय में इस बात की क्या गारंटी है कि जब ओपीएस स्कीम का फायदा मिलना शुरू होगा, तो उस समय कांग्रेस की सरकार आएगी।

गहलोत सरकार जनता को गुमराह करने का काम कर रही

रामलाल शर्मा ने कहा- इस तरीके से गहलोत सरकार जनता को गुमराह करने का काम कर रही है। सरकार ने जिस तरीके से संविदा कर्मियों को नियमित करने की पोस्ट कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के ट्विटर हैंडल से करवाई और गुजरात जाकर मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा-हमने राजस्थान में संविदा कर्मियों को नियमित करने का काम किया है, जबकि राजस्थान के संविदा कर्मी आंदोलन की राह पर उतारू हैं। इसलिए यह कहकर कांग्रेस सरकार ने जनता के साथ धोखा किया है। मौजूदा हालात में राज्य सरकार के पास जो संसाधन है, उनसे मदद कर दे वो ही बहुत है। भविष्य के फायदे के अंदर संविदाकर्मियों को 9 साल और 18 साल के बाद मिलने वाले वेतन की घोषणा की गई है। इस बीच जो संविदा कर्मी रिटायरमेंट की उम्र होने पर नौकरी से हट जाएंगे,

उनकी पिछले कई सालों की सर्विस जीरो साबित करने का काम किया जा रहा है। इस तरीके के दोहरे मापदंड के पर सरकार काम कर रही है जो गलत है। जो काम राजस्थान में किया, वो गुजरात में भी लागू करवाएंगे

गुजरात में विधानसभा चुनाव की कैम्पेनिंग में जुटे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अहमदाबाद सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा- गुजरात में कांग्रेस ने 5 यात्राएं शुरू करने जा रही है। गुजरात में आप पार्टी आई है और बीजेपी जिस तरह प्रोपागेंडा कर रही है। उसे देखकर लगता है गुजरात में जो सत्ता विरोधी लहर सरकार के खिलाफ है ऐसा माहौल मैंने पहले कभी नहीं देखा, इतना भयंकर माहौल है। कांग्रेस ने जो अपने वचन प्रदेशवासियों को दिए हैं। राहुल गांधी आए तब भी दिए हैं। उसमें और वचन जुड़ते जा रहे हैं। हमारा कमिटमेंट है कि कांग्रेस पार्टी पब्लिक से जो वचन करेगी सरकार बनाने पर वो पूरा करेगी। ये हम सब पब्लिक से वादा करते हैं। हम 5 यात्राएं निकालकर जनता को बताएंगे कि हमारे वचन क्या हैं। हम वचन पूरा करेंगे ये उनको विश्वास दिलाएंगे। इससे मैं समझता हूँ कि एक माहौल बदलेगा। गहलोत बोले- आम आदमी पार्टी को तो गुजरात में घुसने का अधिकार ही नहीं है। पंजाब में उन्होंने महात्मा गांधी का चित्र हटा दिया। मैं केजरीवाल को कंडेम करता हूँ । उनका दुस्साहस कैसे हो गया। वो किस नैतिकता के आधार पर वोट मांग रहे हैं। लोगों को झूठे वादे करके गुमराह कर रहे हैं।

गुजरात में कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा स्थगित

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मोरबी हादसे के कारण गुजरात में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा समते अन्य कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए है। सीएम गहलोत ने आज मोरबी गए और मृतकों के परिजनों से मिले। सीएम गहलोत ने कहा कि 150 से अधिक लोगों की जान लेना वाला यह घोटाला सामने आना चाहिए। पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए। हादसे के कारण कांग्रेस ने गुजरात में आज से शुरू होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा समेत अन्य कार्यक्रम स्थगित कर दिए है। सीएम ने कहा कि आज कांग्रेस की 5 रैलियां थी, स्थगित कर दी गई है। इतनी बड़ी घटना हुई है। बता दें, गुजरात में कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा का आज से आगाज होने वाला था। इसमें सचिन पायलट, मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलानाथ और मुकुल वासनिक और सचिन पायलट समेत बड़े नेता शामिल होने वाले थे। लेकिन फिलहाल कांग्रेस आलाकमान ने परिवर्तन संकल्प यात्रा समेत अन्य कार्यक्रम स्थगित कर दिए है।

गहलोत ने मोरबी में पहुंचकर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। राहत एवं कार्यों में लगे लोगों को जान बचाने के लिए धन्यवाद दिया। सीएम गहलोत ने प्रार्थना सभा में भाग लिया। सीएम ने कहा कि जो घायल व्यक्ति है। उनका अच्छी तरह से इलाज हो जाए। मैन बात तो यह है। सीएम ने कहा कि ब्रिज पर इतने लोगों को अलाऊ क्यों किया गया। सीएम गहलोत ने कहा कि जो कंपनी काम देख रही है, उसने इसका पूरा लाइसेंस भी नहीं लिया। ये तमा बातें हम सुन रहे हैं। सच्चाई के लिए यह जरूरी है कि हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाए। बड़ी घटना है ये। गुजरात सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। सीएम ने कहा कि कमेटी बने, तीन महीने में रिपोर्ट आए, ताकि सच्चाई मालूम पड़ सके। उसके हिसाब से फिर ऐक्शन भी होना चाहिए। तब जाकर लोगों में विश्वास जगेगा कि सरकार ने तत्काल कार्यवाही की है।

सीएम गहलोत ने कहा कि मैंने सुना है कि राज्य सरकार ने कमेटी बनाई है। इसका कोई तुक नहीं है। अधिकारियों की कमेटी तो बनती रहती है।

सवाई माधोपुर में भी लड़कियों की नीलामी

एनसीडब्ल्यू चीफ का दावा; लड़कियों को किया जा रहा किडनैप

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कुछ इलाकों में लड़कियों की नीलामी की खबर सामने आने के बाद अब राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि इस तरह की कुछ गतिविधियां सवाई माधोपुर में भी हो रही हैं। रेखा शर्मा ने कहा, 'रात के वक्त यह सबकुछ प्रशासन के द्वारा मैनेज किया जा रहा था। ऐसा भीलवाड़ा में था। लेकिन प्रशासन को यह नहीं पता था कि मैं सवाई माधोपुर में थी। इस तरह की गतिविधियां वहां भी हो रही हैं। लड़कियों को अगवा किया जा रहा है, यहां लाया जा रहा है। मौजूदा हालात पर प्रकाश डालते हुए रेखा शर्मा ने कहा, 'जब मेरी टीम वहां (भीलवाड़ा) पहुंची तो कुछ भी नहीं मिला था। हालांकि, ढाबा मालिकों से मीडिया की बातचीत में यह बात सामने आई कि ऐसी गतिविधियां वहां संचालित हो रही थीं लेकिन जैसे ही ऐसी खबरें प्रकाश में आईं घरों में ताले लग गए।' रेखा शर्मा ने यह भी कहा कि स्थानीय प्रशासन ने उनसे मुलाकात कर इस मुद्दे पर बातचीत भी नहीं की।

रेखा शर्मा ने कहा, मैं अधिकारियों से मिलने की कोशिश कर रही हूं। मुख्य सचिव प्रधानमंत्री मोदी के इवेंट को लेकर व्यस्त हैं। डीजीपी कही किसी चीज का उद्घाटन कर रहे हैं। वो मीटिंग में शामिल होने को लेकर दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वो अपना काम पूरा करने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं।'

लड़कियों की नीलामी से संबंधित विभिन्न केसों को लेकर रेखा शर्मा ने कहा, 'यह संभव नहीं है कि हर परिवार में 8-10 लड़कियां हों। इसके लिए फर्जी डॉक्यूमेंट दिये गये। डीएनए टेस्ट से पता चल जाएगा कि वो उन परिवारों से ताल्लुक नहीं रखती हैं। एक आईपीएस अफसर की निगरानी में बनी एसआईटी का गठन करना होगा।'

बता दें कि राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में स्टांप पेपर पर लड़कियों की नीलामी की खबर सामने आने के बाद राज्य के डीजीपी एमएल लाथर ने कहा था कि प्रदेश की पुलिस महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध को नियंत्रित करने की तमाम कोशिशें कर रही है। इस संबंध में एक रिपोर्ट 'दैनिक भास्कर' में छपी थी। जिसके बाद एनआचआरसी ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था। एक बयान में डीजीपी ने समाचार पत्र में छपी खबर पर कहा कि रिपोर्ट में जिन दो लड़कियों का जिक्र किया गया है वो अभी नारी निकेतन, अजमेर में रह रही हैं। लड़कियों के साथ हुई घटना को लेकर साल 2019 में पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया था। अपराध सिद्ध होने पर 25 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी।

महिलाओं के प्रति ऐसी घटनाओं को लेकर डीजीपी ने कहा था कि साल 2019 में भीलवाड़ा जिले में लड़कियों की खरीद-बिक्री के खिलाफ 'ऑपरेशन गुड़िया' चलाया गया था।

पायलट समर्थक विधायक और राठौड़ को डोटासरा की चेतावनी

डोटासरा बोले- पार्टी कमजोर करने का अधिकार किसी को नहीं, हाईकमान सब देख रहा

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सचिन पायलट समर्थक परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ के बीच हुई बयानबाजी पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने दोनों को चेतावनी दी है। डोटासरा ने कहा- सभी लोगों को मर्यादा में रहकर काम करना चाहिए। जो कांग्रेस पार्टी की रीति नीति और उसके संस्कार रहे हैं। कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने का किसी को अधिकार नहीं है। इन सब चीजों पर पार्टी आलाकमान गौर कर रहा है। डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

डोटासरा ने कहा- कोई कुछ भी बयान दे रहा है। उसे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी देख रही है। केसी वेणुगोपाल की ओर से जो एडवाइजरी जारी हुई है, हर चीज केसी वेणुगोपाल के संज्ञान में है। ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे पार्टी को नुकसान हो। चाहे वह कोई भी नेता क्यों न हो।

महेश जोशी, प्रतापसिंह ने विवाद से किया किनारा

रामनिवास गावड़िया के धर्मेंद्र राठौड़ को चापलूसी करके नेता बनने वाले बयान के विवाद पर जलदाय मंत्री महेश जोशी और प्रतापसिंह ने किनारा कर लिया। महेश जोशी ने कहा- बयानों पर

पार्टी ने एडवाइजरी जारी कर रखी है। मैं एडवाइजरी का उल्लंघन नहीं करुंगा। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने भी इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं करके इससे किनारा कर लिया।

गावड़िया ने कहा था- धर्मेंद्र राठौड़ चापलूसी करके नेता बने, पार्टी को नुकसान कर रहे

परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया ने कल कहा था- जूते चप्पल उठाकर सेवा चाकरी की, उन्हें आरटीडीसी अध्यक्ष बना दिया लेकिन ये पार्टी का नुकसान कर रहे हैं। किसी की चापलूसी करके नेता बन जाए। किसी विधायक के क्षेत्र में जाकर पार्टी का नुकसान करे। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धर्मेंद्र राठौड़ कोई जननेता नहीं हैं। ये लोग तो चापलूसी करके नेता बने हुए हैं, कागजी नेता हैं। राठौड़ बीजेपी नेताओं से स्वागत करवा रहे हैं। परबतसर दौरे की हमें जानकारी नहीं दी।

धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा था- इन लोगों ने सरकार गिराने का प्रयास किया था

रामनिवास गावड़िया के बयान पर धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने पलटवार करते हुए कहा था कि इन लोगों ने बीजेपी से मिलकर कांग्रेस सरकार गिराने का प्रयास किया था। पार्टी को इन लोगों ने कितना नुकसान पहुंचाया है।

जहरीला पदार्थ पीने से महिला की मौत

झालावाड़, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के बानोर गांव में जहरीला पदार्थ पीने से एक महिला की तबीयत बिगड़ गई। महिला को गंभीर हालत में जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रविवार देर रात उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक महिला के परिजनों ने महिला के पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर थाने के हेड कॉन्स्टेबल कुंवरपाल ने बताया कि मृतक महिला के पिता बजरंगलाल ने रिपोर्ट में बताया कि महिला का पति दुर्गालाल (20) महिला को आए दिन परेशान करता था। इसके चलते उसने कीटनाशक पदार्थ पी लिया। महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे गंभीर हालत में जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

मोबाइल को लेकर 5 साल के बच्चे की हत्या

घर की छत पर मिला शव, पड़ोसी महिला और उसका बॉयफ्रेंड हिरासत में

श्रीगंगानगर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोबाइल की बात को लेकर हुए विवाद में 5 साल के बच्चे की हत्या कर दी। शव घर की छत पर ही पड़ा मिला। पुलिस ने महिला और उसके बॉयफ्रेंड को राउंडअप किया है। मामला श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर का है।

पुलिस के मुताबिक सजना कॉलोनी के साजन उर्फ सोनू सिंधी के बेटे तुषार (5) की हत्या की गई। हत्या रविवार को दोपहर 2 से 4 बजे के बीच की गई। हत्या के आरोप में पड़ोसी महिला सुखप्रीत बाजीगर पत्नी अशोक और कुम्हारांवाला मोहल्ला निवासी उसके बॉयफ्रेंड लक्ष्मण वर्मा को पुलिस ने राउंडअप किया है। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस के अनुसार सुखप्रीत कौर बाजीगर ने चार-पांच दिन पहले तुषार से उसकी मां का मोबाइल लिया था। तुषार ने घर आकर मां सुमन को बताया तो एतराज करने पर सुखप्रीत ने मोबाइल लौटा दिया। फिर मोबाइल पर सुखप्रीत कौर के लक्ष्मण नामक बॉयफ्रेंड के कॉल आने लगे। इस बात को लेकर तुषार की मां ने सुखप्रीत कौर को टोका तो दोनों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सुखप्रीत ने उसे अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। दो दिन पूर्व लक्ष्मण ने तुषार के पिता को फोन कर कहा कि वह अपनी पत्नी को समझाए। लक्ष्मण ने यह भी कहा कि वह सुखप्रीत कौर को समझा देगा। साजन ने बताया कि दोपहर में मैंने तुषार को अपने पास बैठाकर खाना खिलाया। मैं दोपहर 2 बजे काम पर चला गया। दोपहर 3 बजे बीमार पत्नी ने फोन पर कहा कि तुषार घर के बाहर खेल रहा था वह मिल नहीं रहा। घर पहुंचकर मैंने उसकी तलाश शुरू की।

राजस्थान में बारिश का अलर्ट, चलेंगी बर्फीली हवाएं

प्रदेश के कई जिलों में बरसात-बूंदाबांदी के आसार, फिर तेज होगी सर्दी

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। वजह है- कश्मीर और हिमाचल में बन रहा नया वेदर सिस्टम। इसके चलते उत्तरी राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ़ सहित कई जिलों में हल्की बरसात के आसार हैं। इसके बाद तेज सर्दी का दौर शुरू हो जाएगा। पहाड़ों पर बर्फबारी-बारिश से बर्फीली हवाएं चलेंगी। मैदानी इलाकों में भी इसका असर महसूस होगा।

स्काइमेट के मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित और हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस(वेदर सिस्टम) एक्टिव हुआ है। हालांकि यह ज्यादा शक्तिशाली नहीं है, इसलिए हो सकता है कि इसका असर ज्यादा नहीं रहे। लेकिन इन इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की

पूरी संभावना है। अनुमान है कि 2 नवंबर तक इस सिस्टम का असर रहेगा। इसके बाद 4 नवंबर को दोबारा से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। यह काफी प्रभावशाली होगा।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और तेज बारिश के आसार

4 नवंबर को उत्तरी भारत के जम्मू-लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड एरिया में एक्टिव होने वाले इस सिस्टम से कहीं-कहीं बारिश के साथ भारी बर्फबारी होगी। यही नहीं, इस सिस्टम का असर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में भी देखने को मिलेगा। हनुमानगढ़, गंगानगर सहित कई जिलों में 6 नवंबर को मौसम में बदलाव होगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

8 नवंबर से बढ़ेगी सर्दी

7 नवंबर को इस सिस्टम के चले जाने के बाद एक बार फिर उत्तरी हवाएं मैदानी इलाकों में आनी शुरू होंगी। संभावना है कि बर्फीली हवाएं चलने से मैदानी इलाके दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में सर्दी बढ़ेगी। तापमान में और तेजी से गिरावट होगी। 8 नवंबर से लोगों को तेज सर्दी का सामना करना पड़ सकता है।

राजस्थान में ताजा मौसम देखें तो तापमान में उतार-चढ़ाव रहा है। चित्तौड़गढ़ में बीती रात न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह इस सीजन यहां की सबसे ठंडी रात रही। इससे पहले तक सीकर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस था। इसी तरह हनुमानगढ़, जालोर, अलवर, बारां, चूरू, उदयपुर में भी बीती रात न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

राहुल के ट्वीट से गहलोत को मिली मजबूती

राजस्थान की गर्वनेंस को सराहा, संकेत यह कि गुजरात चुनाव तक सीएम की कुर्सी को खतरा नहीं!

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव तक राजस्थान में अब सियासी संकट टलता हुआ नजर आ रहा है। इसकी बड़ी वजह राहुल गांधी के राजस्थान के गर्वनेंस मॉडल की सराहना करना है। राहुल गांधी ने गुजरात चुनाव को लेकर ट्वीट किया। इसमें उन्होंने संविदाकर्मियों को पक्की नौकरी, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल और समय पर प्रमोशन करने के 3 वादों की बात करते हुए लिखा कि राजस्थान में लागू किया, अब गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनते ही कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा।

राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद इसके सियासी मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद अशोक गहलोत समर्थकों ने इसका प्रचार शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर पायलट समर्थक इस पर ज्यादा रिएक्ट करने से बच रहे हैं। यह भी स्पष्ट हो गया है कि गुजरात चुनाव के प्रचार को लेकर कांग्रेस इसी फॉर्मूले पर जाएगी। ओल्ड पेंशन स्कीम और संविदाकर्मियों को पक्की नौकरी गुजरात चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े हथियार होंगे।

राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कम से कम गुजरात चुनाव और कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान से गुजरने तक सीएम अशोक

गहलोत की कुर्सी को खतरा नहीं है। इसकी बड़ी वजह गहलोत सरकार की ओर से राजस्थान में लागू की गई ये तमाम योजनाएं हैं। जिन्हें लेकर कांग्रेस गुजरात में चुनाव प्रचार में उतर रही है। ऐसे में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व गुजरात चुनाव से पहले राजस्थान में किसी भी किस्म का बदलाव नहीं करना चाहेगा। इसके अलावा 20 दिसम्बर तक राजस्थान से भारत जोड़ो यात्रा भी गुजरेगी।

किरोड़ी बोले- सीएम जांच नहीं करवाएंगे तो ईडी लेकर आऊंगा

कहा- दौसा में 5 एमएलए व 3 मंत्री, जिन्होंने पैसे लूटे

दौसा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के कद्दावर नेता व राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने पेपर लीक मामले में रविवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दौसा जिले में अभी 5 विधायकों में से 3 मंत्री हैं, जिन्होंने पैसे लूटे हैं। मुख्यमंत्री तो इनकी जांच करवाएंगे नहीं, लेकिन मैं यहां ईडी लेकर आऊंगा जो राहुल गांधी को भी 72 घंटे तक बिठाकर पूछताछ करे कि बैठ जा... और सोनिया को भी पूछे। जिसके नाम से पैर फूलते हैं, वो ईडी राजस्थान की धरती पर लाऊंगा और जो गरीब बच्चों का पैसा मुंह से होकर खाया है उसे नाक से निकलवाऊंगा। यह काम मैं जरूर करूंगा

राज्यसभा सांसद रविवार को गीजगढ़ कस्बे में सिकराय विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के दीपावली स्नेह मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा टीचर भर्ती में 26 लाख परीक्षार्थी बैठे थे और मैंने जब पेपर लीक का मुद्दा उठाया तो शिक्षा मंत्री कहने लगे- जो इसका मुद्दा उठाया उसे गिरफ्तार कर लो। सोचने की बात है कि जब 10-15 लाख रुपए देकर टीचर बनने लगे तो फिर तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स का भविष्य क्या होगा।

जयपुर में पत्थर खान में डूबा युवक, मौत

बर्तन धोते समय पैर फिसलने से गिरा, 100 फीट गहरी खान से निकाला शव

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में पत्थर की खान में रविवार देर रात एक युवक की डूबने से मौत हो गई। बर्तन धोते समय पैर फिसलने से वह पानी में गिरा था। 100 फीट गहरी खान में दौलतपुरा थाना पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया। सोमवार सुबह खान में भरे पानी से काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव

हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है।

एसआई रामेश्वर ने बताया कि हादसे में मुकेश (24) पुत्र स्वदेश मांझी निवासी शमशेर खाप गया बिहार की मौत हो गई। वह बिलोची के कालीघाट स्थित पत्थर खान पर परिवार के साथ रहता था। पिछले काफी समय से पत्थर खान बंद पड़ी है। करीब 100 फीट गहरी खान में पानी भरा हुआ है। रात करीब 11 बजे मुकेश खाना खाने के बाद खान पर बर्तन धोने गया था। बर्तन धोते समय पैर फिसलने से वह खान में भरे पानी में डूब गया। थाली गिरने की आवाज सुनकर उसका भाई उकेश खान पर पहुंचा तो मुकेश नहीं मिला। इधर-उधर काफी आवाज लगाकर ढूंढा, लेकिन उसका पता नहीं चला।

पानी में डूबने की शंका के चलते पुलिस को सूचित किया। दौलतपुरा थाना पुलिस और सिविल डिफेंस टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

गर्लफ्रेंड की वजह से किया सुसाइड... बोलकर फंदे पर लटका युवक

कहा- उसने धोखा दिया, अब ब्लैकमेल कर रही; एक साल से रिलेशन में था

अजमेर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर में 18 साल क एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या करने से पहले युवक ने एक सुसाइड वॉइस मैसेज भी छोड़ा। कहा- अपनी भीलवाड़ा की रहने वाली गर्लफ्रेंड की वजह से सुसाइड कर रहा है। उसने धोखा दिया। ब्लैकमेल कर रही थी। सोमवार को अलवर गेट थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजनों को दे दिया। घटना अजमेर के गुलाब बाड़ी की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, रविवार को दोपहर करीब 2 बजे जतन प्रजापत उर्फ राहुल (18) पुत्र शंकरलाल प्रजापत ने अपने घर के कमरे में रस्सी से फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जब दोस्त बुलाने गया हो तो कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। इसके बाद घर में हड़कंप मच गया। परिवार वाले जतन को जेएलएन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

बिहार एसोसिएशन ने कई स्थानों पर कराया छठपूजा का आयोजन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारतीयों द्वारा मनाए जाने वाला लोक आस्था के सबसे बड़ा महापर्व छठ में अस्ताचल व उदित सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों द्वारा अपने-अपनों एवं समस्त जगत वासियों के सुखमय जीवन हेतु प्रार्थना की गई। पिछले कई दिनों से चला आ रहा यह त्योहार आज शहर के सभी घाटों पर उदयाचल सूर्य पूजा के साथ संपन्न हुआ।

एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार व मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एसोसिएशन के द्वारा शहर के समस्त छठ घाटों पर राज्य सरकार के स्थानीय प्रशासनिक विभाग एवं जीएचएमसी के सहयोग से महापर्व छठ पूजा का सुंदर एवं भव्यता से आयोजन कराया गया जहां श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य सूर्य देव का उदयाचल रूप को अर्घ्य सहित विधिवत पूजा कर हर्षोल्लास सहित भव्य रूप में समापन किया। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद इस बार शहर के प्रायः सभी बतुकम्मा घाट पर पूजा का चाक-चौबंद व्यवस्था कराया था, जिसका संचालन केंद्रीय कार्यकारी पदाधिकारी के द्वारा संचालित किया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उनके टीम के माध्यम से शहर के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं हेतु संसाधन जूटा कर अधिक से अधिक साधन जुटाने का प्रयास किया गया, जो सराहनीय था। चिल्ड्रन पार्क टैंकबंड मुख्य घाट भरत सिंह, उप्पल घाट रविशंकर सिंह, दिलीप कुमार एवं पीके सिंह, नागौल घाट- एके मौर्य एवं रामविनोद झा, शमीरपेट घाट- मनोज कुमार, दीपक पांडा एवं चौधरी पंडित, हसमतपेट घाट- उत्तम यादव, पटनचेरु घाट - किशन प्रसाद, काटे दान-मनोज शाही व राहुल शाही शमशाबाद घाट-नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, मियांपुर घाट-प्रेम शकर सिंह, सुराराम घाट-दिनेश सिंह, जीड़िमेटला घाट सौरव सिंह, नलगंदला घाट-राजीव रंजन अतुल कुमार एवं सुमन प्रकाश, बोलाराम घाट अखिलेश सिंह अमीनपुर छठ घाट गोपाल शाह, हफीजपेट धर्मेंद्र सिंह, एनके सिंह, नागेंद्र राय एवं गंगाराम बतुकम्मा घाट पर विनोद राय, चंद्रशेखर व विक्की ने अपना योगदान दिया।

श्रद्धालुओं ने छठ व्रतियों को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त करने साथ अपने आराध्य देव से विश्व शांति के हेतु कामना की। सभी छठ घाटों पर छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों को बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के क्षेत्रीय आयोजकों द्वारा भव्य स्वागत के साथ ही प्रसाद वितरण एवं चाय का उत्तम प्रबंध किया गया।

कर्मनघाट हनुमान मंदिर में चार दिवसीय छठ पूजा आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा कर्मनघाट हनुमान मंदिर में चार दिवसीय छठ पूजा आयोजित की गयी। सोमवार 31 अक्तुबर को सुबह उगते सूरज को अर्घ्य दिया गया। इसमें हजारों की संख्या में भक्तगण पूजा में शामिल हुए तथा उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा जो व्यवस्था की गयी उससे व्रतधारी महिलाएं एवं पुरुष काफी खुश हुए। सभी ने संस्था द्वारा की गयी व्यवस्था को सराहा।

उत्तर भारती नागरिक संघ के चेयरमैन एनके सिंह ने सभी भक्तों को बताया कि, आगे आनेवाले समय में इससे भी अच्छी व्यवस्था की जायेगी। इस अवसर पर संघ के चेयरमैन एनके सिंह ने अपने परिवार के साथ सूरज भगवान को अर्घ्य दिया। इसमें जिन गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया उनमें चेयरमैन एनके सिंह, मनोहर सिंह, यूथ प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह, राजकुमार पांडे, राजु वर्मा, पंडित गजेंदर महाराज, पंडित अनिल महाराज, सुभाष सिंह, संदीप सिंह, आदित्य सिंह, एसएस यादव, भोला यादव, राम से यादव, उज्वल केसरी एवं अन्य भक्तगण उपस्थित हुए। इस दौरान पूजा का समापन बडे धूमधाम से किया गया एवं आनेवाले वर्ष के लिए भगवान से प्रार्थना की गयी कि, भगवान सभी भक्तों को सुख समृद्धि प्रदान करें।

बिहार समाज सेवा संघ द्वारा छठ पूजा संपन्न

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ ने लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को बड़े धूमधाम से हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित गणेश-दुर्गा तालाब में आयोजित किया। बिहार समाज सेवा संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ ने अपने अथक परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर यह कार्यक्रम सफल हो पाया। बिहार समाज सेवा संघ ने इस महापर्व को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां जैसे अर्घ्य देने हेतु घाट पर स्वक्ष पानी, घाट की सफाई, श्रद्धालुओं के बैठने एवं रुकने की व्यवस्था के अलावा बागी सभी प्रकार की अन्य व्यवस्थाएं भी की थीं। इसमें शहर के बिभिन्न भागो से लगभग 1200 श्रद्धालुओं ने बिहार समाज सेवा संघ के घाट पर छठ पूजा संपन्न की। बिहार समाज सेवा के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।

समाज के अध्यक्ष पप्पू सिन्हा ने सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिचित की। महामंत्री मनीष तिवारी ने जहा श्रद्धालुओ की पूजा से समन्धित सुबिधाओं का ध्यान रखा, वहीं कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति ने अपना कर्तव्य खुब जिम्मेदारी से निभाई। बिहार समाज सेवा संघ इस छठ पूजा के सफल आयोजन का श्रेय अपने अति विशिष्ट मार्गदर्शक मंडल जिसमें अलोक कुमार झा, संजय सिंह, विकास हिसारिया, अजय कुमार, डॉ. देवकुमार पुखराज एवं रजनीश कुमार झा, सुश्री अनिता सिंह को भी देता है जिनके मार्गदर्शन और सानिध्य में यह आयोजन सफल हो सका।

महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन जवाहरलालजी राठी के स्वर्गवास पर महेश बैंक के प्रधान कार्यालय में आयोजित शोकसभा में श्रध्दा सुमन अर्पित करते हुए चेयरमैन रमेश कुमार बंग, सीनियर वाइस चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधना, निदेशक बदरीविशाल मूंदडा, ब्रजगोपाल असावा, गोविंद राठी, प्रेम कुमार बजाज, पुष्पा बूब, रामप्रकाश भण्डारी, रमाकांत ईन्नाणी एवं सीएस सुमन हेडा।

हिन्दी महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय, नल्लाकुंटा में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर एनसीसी एवं एनएसएस द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया, जो महाविद्यालय प्रांगण से आरंभ होकर बरकतपुरा होकर वापस महाविद्यालय पहुँची। तत्पश्चात एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के तेलुगु विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो. कसिरेड्डी वेंकट रेड्डी उपस्थित हुए। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवनी एवं हैदराबाद स्टेट में उनके द्वारा की गई कार्यवाही का महत्व समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यदि सरदार वल्लभ भाई पटेल नहीं होते आज स्थानीय स्थितियाँ ऐसी नहीं होती। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम से हुआ। महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डा. श्रीदेवी ने स्वागत भाषण दिया। इन कार्यक्रमों में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस्टा सिटी, अत्तापुर में आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्रद्धालु।

पावरग्रिड एसआर-1 द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता दिवस समारोह में भाग लेते हुए आरएचक्यू के, सिकंदराबाद के कार्यकारी निदेशक राजेश श्रीवास्तव, बी. बालसुब्रमण्यम व अन्य।

जेपी युवासेना ने मनाई वल्लभभाई पटेल की जयंती

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के कुछ हिस्सों में निजाम राजशाही को खत्म करने और देश की आजादी के बाद इसे एक एकीकृत देश बनाने के लिए काम करने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती कार्यक्रम जेपी युवासेना के नेतृत्व में बोइनपल्ली खेल के मैदान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप मौजूद रहे और पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में शाकिब, वरप्रसाद, महेन्द्र, रविंदर, मुकेश यादव, पवन, बंडारी रमेश, गणेश और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोइनपल्ली क्षय रोग उपचार केंद्र के तत्वावधान में क्षय रोग के रोगियों के लिए पोषाहार भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना ने कहा कि क्षय रोग के रोगियों को पौष्टिक आहार देने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी।

ताडबन्द हनुमान मंदिर अन्नकूट प्रसाद में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बंद स्थित श्री हनुमान मंदिर में आयोजित अन्नकूट महाप्रसादी में भक्तों का जन सैलाब उमड़ा। प्रेस विज्ञप्ति में अन्नकूट प्रसादी के आयोजक गजेन्द्रसिंह बाकलिया राजपुरोहित (निम्बोल) ने बताया कि श्री बालाजी डेयरी प्रौडक्ट्स, महाकाली मंदिर बाकलिया व सेवड़ राजपुरोहित परिवार के सानिध्य में आयोजित नवां अन्नकूट पर पहले पूजा अर्चना कर हनुमानजी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण व भोग चढाया गया। अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में स्थानीय व प्रवासी बन्धुओं, विभिन्न समाजों के गणमान्य भक्तो व राजपुरोहित समाज बन्धुओं ने सपरिवार हजारों की संख्या में पधारकर भाग लिया। अवसर पर देश के विभिन्न प्रांतों महाराष्ट्र से कैलाशसिंह, हरिसिंह, गंगासिंह, जयसिंह, मनोहरसिंह, श्यामसिंह, राजस्थान से हीरसिंह, नरपतसिंह धुनेड़ी, डुंगरसिंह, बैंगलोर से नाथुसिंह, देवेन्द्रसिंह, जगदीशसिंह राजपुरोहित प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। सम्मानित प्रवासी समाज बन्धु भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, मांगूसिंह राजपुरोहित, अशोकसिंह ढालोप, टीआरएस युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, प्रेमसिंह ठाकुरवास, चेनसिंह, देवेन्द्र राजपुरोहित, उत्तमसिंह राजपुरोहित, हरिसिंह, छोटुसिंह, शंकरसिंह ढोनड़ी-ढाणी, श्रवणकुमार, जेठुसिंह, पप्पुलाल, पारस घोड़ेला, नेमीचन्द लखारा, पुखराजसिंह राजपुरोहित, परबत सोलंकी, लक्ष्मणसिंह भैसाणा, शम्भुसिंह राजपुरोहित व बहुत से भक्तों ने भी अन्नकूट प्रसाद का सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम को भव्यरुप प्रदान करने में रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, मनोहरसिंह, उगमसिंह, जगदीशसिंह, फेफसिंह, रामेश्वरसिंह, पारससिंह, सुमेरसिंह, करणसिंह बांकलिया राजपुरोहित निम्बोल व पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह सेवड़ राजपुरोहित तालकिया एंड कालु ने प्रमुख रुप से सहयोग दिया।

जन सेवा संघ द्वारा छठ पर्व का आयोजन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ द्वारा छठ पर्व के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया।

जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने कहा कि 27 घाटों के प्रभारियों और तेलंगाना सरकार के सहयोग से बहुत ही सफलतापूर्वक छठ महापर्व का समापन हुआ।

साथ ही अध्यक्ष ने सभी घाट प्रभारियों एवं संघ के सदस्यों को उनके अथक परिश्रम और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। संघ के महासचिव केडी चौबे ने संगठन के सभी अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जो पिछले 15 दिनों से अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों की व्यवस्था में दिन रात लगे हुए थे।

जन सेवा संघ की ओर से तेलंगाना सरकार, प्रशासन, जीएचएमसी, पुलिस तथा छठ व्रती के प्रति धन्यवाद और आभार प्रकट किया गया।

गोल्डन मंदिर, रोड नं-12 पर दीपावली मिलन व अन्नकूट में 500 भक्तों ने भाग लिया। इसमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल, सावरमल अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, अभिषेक तिवारी, भजन गायक सुरेश कुमार अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, महेश कोतिया, शंकरलाल अग्रवाल, शंकरलाल गुप्ता, समाजसेवी गोपाल बल्दवा व पत्नी मंजू बल्दवा शामिल रहे।

पुरानापुल स्थित सखी बाबा मठ में दीपावली के संदर्भ में आयोजित अन्नकूट महोत्सव में भगवान का दर्शन लाभ व आशीर्वाद लेते हुये महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, वेणुगोपाल लोया, श्रीगोपाल बंग, श्यामसुन्दर लोया, नवलकिशोर बंग, आनन्द झंवर, सुनील व्यास, बृजगोपाल राठी, विकास इन्दोरीया एवं अन्य।

अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम शाखा द्वारा दीपावली मिलन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना वनस्थलीपुरम शाखा द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद का कार्यक्रम भव्य रुप से कनक दुर्गा मंदिर वनस्थलीपुरम में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूरचंद अग्रवाल, सहमंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान, कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल व उनके पदाधिकारी की टीम व दिलसुख नगर शाखा के अध्यक्ष हरिकिशन अग्रवाल हुए उनके पदाधिकारी टीम अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए।

शाखा के सभी सदस्यों को 25 वर्ष पूरे होने पर स्मृति चिन्ह दिया गया, सभी ने महोत्सव का लाभ उठाया वह स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर शाखा के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम बंसल, अध्यक्ष राजेश सिंघल, उपाध्यक्ष नरसिंह गोयल, मानद मंत्री मनोज कुमार गुप्ता, सहमंत्री परमेश्वर दयाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय सिंघल, केंद्रीय समिति सदस्य विजय बंसल व कई गणमान्य अग्रबंधु उपस्थित थे।

भारतीय कलचूरी जायसवाल सामवर्गीय महासभा हैदराबाद एवं गौड क्लब द्वारा आयोजित भगवान शहस्रबाहू जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए पार्षद राकेश जायसवाल, अमरनाथ , अजय, सूरेन्द्र, राजेन्द्र, रमेश, सुखेन्दर गौड व अन्य।

हस्मतपेट छठ घाट पर उपस्थित रंजीत शर्मा, पूर्व पार्षद नरसिंग राव, मैसय्या, उत्तम, विनोद कुमार, राजेश निशाच व अन्य।

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर पहुंची होस्ट टीम, सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 स्टेज में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हरा दिया। ब्रिस्बेन में आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 179 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 18.1 ओवर में 137 रन पर ऑल आउट हो गई।

आयरलैंड के लॉर्कन टकर 71 रन बनाकर नॉट आउट रहे। दूसरे ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद टकर आखिर तक टिके रहे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। बाकी आयरिश बैटर्स फ्लॉप रहे। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-1 में 5 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। न्यूजीलैंड इस ग्रुप में टॉपर है।

25 रन पर आधी टीम आउट

आयरलैंड की आधी टीम 25 रन पर ही पवेलियन लौट चुकी थी। टकर तो आखिर तक डटे रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिला। वो 71 रन बनाकर नॉट आउट रहे। उनके अलावा आयरलैंड का कोई भी बल्लेबाज 15 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सका।

ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल, एडम जम्पा, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट मार्कस स्टोइनिस को मिला। टीम का आखिरी बल्लेबाज रन आउट हुआ

ऐसे गिरे आयरलैंड के विकेट...

दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर पैट कमिंस ने एंड्रयू बालबर्नी को बोल्ड कर दिया। आयरिश कप्तान 7 बॉल पर 6 रन बना सके।

पावरप्ले के तीसरे ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने खतरनाक दिख रहे पॉल स्टर्लिंग को कैच आउट कराया। शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ बॉल को स्टर्लिंग मिड ऑफ पर खड़े फील्डर के हाथों में दे बैठे। उन्होंने 7 बॉल पर 11 रन बनाए। मैक्सवेल ने पावरप्ले के तीसरे ओवर की आखिरी बॉल पर हैरी टेक्टर को भी चलता किया। शॉर्ट पिच बॉल पर टेक्टर पुल शॉट मारने गए। लेकिन स्क्वेयर लेग पर खड़े सबस्टिट्यूट फील्डर स्टीव स्मिथ को कैच दे बैठे। उन्होंने 4 बॉल पर 6 रन बनाए।

स्टार्क ने चौथे ओवर की दूसरी बॉल पर कर्टिस कैंफर को बोल्ड कर दिया। फुलर लेंथ बॉल को कैंफर मिस कर गए। उन्हें गोल्डन डक पर पवेलियन लौटना पड़ा।

स्टार्क ने चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर जॉर्ज डॉकरेल को भी बोल्ड कर दिया। फुलर लेंथ फास्ट यॉर्कर को डॉकरेल समझ नहीं पाए और मिस कर गए। डॉकरेल अपना खाता भी नहीं खोल सके।

10वें ओवर की दूसरी बॉल पर मार्कस स्टोइनिस ने गेरेथ डेलानी को पवेलियन भेजा। शॉर्ट पिच बॉल को बल्लेबाज ने पुल करना चाहा, लेकिन गेंद हवा में खड़ी गई। गेंद के नीचे आकर मैक्सवेल ने बेहतरीन कैच पकड़ लिया। डेलानी ने 10 बॉल पर 14 रन बनाए।

13वें ओवर में एडम जंपा की बॉल पर मार्क अडायर ने क्रीज से बाहर निकल कर शॉट खेलना चाहा। लेकिन वे बॉल मिस कर गए। विकेट के पीछे कीपर मैथ्यू वेड ने उन्हें स्टंपिंग कर दिया। उन्होंने 11 बॉल पर 11 रन बनाए।

15वें ओवर में जंपा ने फिओन हैंड को बोल्ड कर दिया। फुलर लेंथ बॉल को हैंड स्वीप मारने के चक्कर में मिस कर गए। गेंद सीधा स्टंप्स में लगी और उन्हें 6 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

18वें की दूसरी बॉल कमिंस ने मैकार्थी को शॉर्ट ऑफ लेंथ डाली। पुल करने गए मैकार्थी डीप मिड-विकेट पर खड़े सबस्टिट्यूट फील्डर स्टीव स्मिथ को कैच दे बैठे। उन्होंने 7 बॉल पर 3 रन बनाए।

19वें ओवर की पहली बॉल पर जोशुआ लिटिल रन आउट हो गए। मैक्सवेल की बॉल पर लिटिल ने रिवर्स स्वीप खेला।

मैच ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया | आयरलैंड

टीम स्कोर

ऑस्ट्रेलिया		आयरलैंड	
179/5	ओवर (20)	137/10	ओवर (18.1)
बैटर	**बॉलर**	**बैटर**	**बॉलर**
एरोन फिंच 63 (44)	वैरी मैकार्थी 2/29	लॉर्कन टकर 71* (48)	ग्लेन मैक्सवेल 2/14
मार्कस स्टोइनिस 35 (25)	जोशुआ लिटिल 2/21	गेरेथ डेलानी 14 (10)	एडम जम्पा 2/19

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

फीफा वर्ल्ड कप में बॉलीवुड बिखेरेगा जादू

शाहरुख खान भी होंगे शामिल, नोरा फतेही विश्व कप का एंथम 'लाइट द स्काई' पर करेगी परफॉर्म

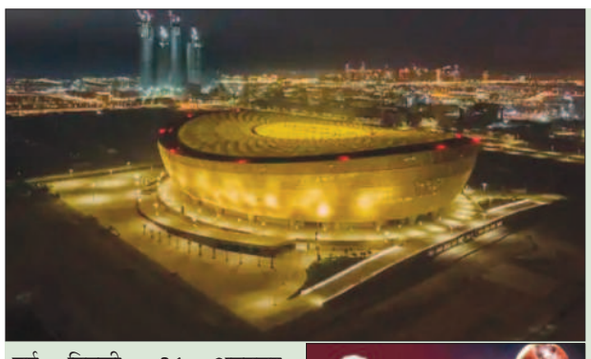

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप की मेजबान कर रहा कतर मध्य-पूर्व में इस खूबसूरत खेल के पहले सबसे बड़े उत्सव का आयोजन सुरीले तरीके से करने जा रहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही की मौजूदगी में हिंदी में विश्व कप का एंथम 'लाइट द स्काई' जारी करने के बाद आयोजकों ने लोकप्रिय बॉलीवुड कलाकारों के साथ एक शानदार कार्यक्रम भी करेगा।

कतर के लुसैल स्टेडियम में 4 नवंबर को होने जा रहे बॉलीवुड म्यूजिक फेस्टिवल में एशिया के कई बड़े सितारे परफॉर्म करेंगे। 80,000 दर्शकों की क्षमता वाले

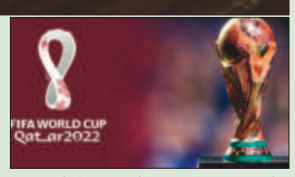

इस स्टेडियम में 18 दिसंबर को विश्व कप का फाइनल खेला जाएगा।

इसी स्टेडियम में बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान प्रस्तुति देंगी। सुनिधि कई सुपरहिट गाने गा चुकी हैं। यही नहीं, वे कई रियलिटी टीवी शो की जज भी रह चुकी हैं। इसी कार्यक्रम में कव्वाली गायक राहत फतेह अली खान और संगीतकार जोड़ी सलीम-सुलेमान भी प्रस्तुति देंगे। पाकिस्तानी आइकन राहत फतेह अली खान सभी दक्षिण एशियाई देशों में खासे लोकप्रिय हैं। वहीं, सलीम-सुलेमान भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

शाहरुख खान भी होंगे शामिल

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान सहित बॉलीवुड के कई शीर्ष सितारे भी इस आयोजन में शामिल हैं। कतर में भारतीय सबसे बड़ा प्रवासी समूह हैं। यहां उनकी आबादी करीब 28 लाख है। ये देश के सामाजिक-आर्थिक तानेबाने में अहम भूमिका निभाते हैं। बॉलीवुड संगीत समारोह में भाग लेने वाले सभी लोगों के पास फीफा विश्व कप कतर 2022 का टिकट के साथ हया कार्ड होना अनिवार्य है।

अंतरराष्ट्रीय हया कार्ड धारकों को 1 नवंबर से कतर में प्रवेश करने की अनुमति होगी। दरअसल, फीफा विश्व कप टिकट धारकों के लिए हया कार्ड अनिवार्य है। यह कतर की यात्रा करने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों के लिए प्रवेश परमिट के रूप में काम करेगा।

टीम इंडिया की हार से बदला सेमीफाइनल का समीकरण

पर्थ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें अंतिम चार में पहुंचने की होड़ में हैं। चलिए एक-एक कर सभी टीमों की संभावनाओं को जानते हैं।

नीदरलैंड की टीम रविवार को पाकिस्तान से हार गई। यह तीन मैचों में डच टीम की लगातार तीसरी हार है। वह सेमीफाइनल की होड़ से बाहर होने वाली ग्रुप-2 की पहली टीम बन गई है।

साउथ अफ्रीका अब सबसे अच्छी स्थिति में

रविवार के मुकाबलों से पहले टीम इंडिया ग्रुप-2 में सबसे अच्छी स्थिति में थी। भारत पर जीत के बाद अब इस स्थिति में साउथ अफ्रीका की टीम आ गई है। तीन मैचों से साउथ अफ्रीका के पांच पॉइंट्स हैं। उसके अब पाकिस्तान और नीदरलैंड से मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम 9 अंक के साथ टेबल टॉपर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। एक मैच में हार के बाद भी साउथ अफ्रीका अंतिम चार में पहुंच सकता है। उसका नेट रन रेट 2.772 का है जो ग्रुप में सबसे बेहतर है।

भारत के लिए

बांग्लादेश से मुकाबला बेहद अहम

टीम इंडिया को अब बुधवार को बांग्लादेश से मैच खेलना है। यह मैच भारत के लिए काफी अहम हो गया है। अगर भारतीय टीम यह मैच हारती है तो फिर उसके पांच मैच खत्म होने के बाद ज्यादा से ज्यादा 6 अंक हो सकते हैं। इसके लिए भी आखिरी मैच में भारत को जिम्बाब्वे को हराना होगा।

अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हार जाती है और बांग्लादेश आगे चल कर पाकिस्तान को भी हरा देता है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। इस वजह से भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ मैच एक तरह से Do or Die जैसा हो सकता है।

पाकिस्तान के लिए बस आउट साइड चांस

पाकिस्तान के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि यह असंभव नहीं है। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हारती है और पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका को हरा देती है तो उसके लिए चांस बन सकता है। इस स्थिति में दोनों टीमों के 4-4 पॉइंट हो जाएंगे और 6 नवंबर को होने वाले दोनों मुकाबले काफी अहम हो जाएंगे।

उस दिन भारत का सामना जिम्बाब्वे से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। उस दिन अगर भारत और पाकिस्तान दोनों जीत जाती हैं तो फिर दोनों के 6-6 पॉइंट होंगे और बेहतर नेट रन रेट वाली टीम अंतिम चार में पहुंच जाएगी।

बांग्लादेश को जीतने होंगे दोनों मुकाबले

बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। उसे अभी भारत और पाकिस्तान से खेलना है।

विराट के होटल रूम का वीडियो वायरल

बोले- प्राइवेसी में दखल, खिलाड़ी मनोरंजन की चीज नहीं

पर्थ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के चाहने वाले दुनिया भर में हैं, जो उनसे मिलने और उनके बारे में सब कुछ जानने के लिए हमेशा बेचैन रहते हैं। ऐसे ही एक फैन ने विराट की एक झलक पाने के लिए उनकी प्राइवेसी में दखल डाल दिया। ऑस्ट्रेलिया के जिस होटल में टीम इंडिया रुकी है, वहां यह फैन विराट के कमरे में घुस गया। कोहली की गैर-मौजूदगी में इस फैन ने उनके कमरे का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

फैन की इस हरकत को लेकर विराट कोहली ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करके कैप्शन में लिखा कि उनकी प्राइवेसी में ऐसा दखल बिल्कुल ठीक नहीं है। कई सेलिब्रेटीज ने उनकी पोस्ट पर कमेंट करके फैन के इस व्यवहार को गलत बताया है। विराट ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैं जानता हूं कि फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर बहुत खुश और उत्साहित रहते हैं। मैंने हमेशा फैंस के इस उत्साह की सराहना की है, लेकिन यह वीडियो जो आया है, उससे मैं आहत हूं। इसने मुझे मेरी प्राइवेसी को लेकर चिंतित किया है।

न्यूजीलैंड-बांग्लादेश दौरों के लिए टीम इंडिया का ऐलान

न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे रोहित और विराट; बांग्लादेश वनडे में यश दयाल नया चेहरा

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और उसके बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। न्यूजीलैंड टूर टी-20 वर्ल्ड कप के बाद 18 नवंबर से शुरू होगा। इसमें 3 वनडे और इतने ही टी-20 खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंडिया बांग्लादेश जाएगी। वहां तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगी।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम

हार्दिक पंड्या कप्तान, ऋषभ पंत उपकप्तान, ईशान किशन, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे टीम

शिखर धवन (कप्तान), ऋषभ पंत (वाइस कैप्टन और विकेटकीपर), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, शहबाज अहमद, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंग, दीपक चाहर, कुलदीप सेन और उमरान मलिक।

बांग्लादेश वनडे के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत, ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और यश दयाल।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता फ्रेंच ओपन बैडमिंटन

39 साल बाद आया मेंस डबल्स कैटेगरी का गोल्ड, इससे पहले 1983 में जीता था

पेरिस, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार शटलर सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पेरिस में इतिहास रच दिया है। इस जोड़ी ने भारत को 114 साल पुराने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में गोल्ड मेडल दिला दिया है। यह मेडल मेंस डबल्स कैटेगरी में आया।

39 साल बाद इस सुपर-750 टूर्नामेंट में मेंस डबल्स कैटेगरी का गोल्ड आया है। 1983 में पार्थ गांगुली और विक्रम सिंह ने यह खिताब जीता था।

3 साल पहले 2019 में सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल हार गई थी। अब इस युवा जोड़ी ने चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया। उसने 48 मिनट तक चले इस मुकाबले को सीधे सेटों में 21-13, 21-19 से अपने नाम किया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अब तक 8 गोल्ड मेडल जीते हैं। आखिरी गोल्ड 2017 में किदांबी श्रीकांत ने मेंस सिंगल्स कैटेगरी में जीता था। इस कैटेगरी का पहला मेडल 1983 में विमल कुमार ने दिलाया था। वे 1984

के सीजन में भी चैंपियन बने थे। डबल्स कैटेगरी के पहले मेडल की बात करें तो पहला मेडल 1956 में एसी बहरे ने दिलाया था। वे मलेशिया के सीएल यप के साथ चैंपियन बने थे। विमेंस सिंगल्स की बात करें तो 1998 में यह उपलब्धि अपने नाम की थी।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 5-0 की बढ़त बना ली थी और लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। हालांकि, चीनी ताइपे के खिलाड़ियों ने वापसी के प्रयास किए, लेकिन सात्विक-चिराग ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत में चीनी ताइपे की जोड़ी ने बढ़त की कोशिश की, लेकिन इंटरवल तक स्कोर भारत के पक्ष में रहा। दूसरे गेम में चीनी ताइपे के खिलाड़ियों ने स्कोर 14-14 से और फिर 19-19 से बराबर किया। लेकिन सात्विक-चिराग ने लय बनाते हुए 21-19 से गेम और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय जोड़ी इस साल शानदार फार्म में है। उसने अगस्त में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके अलावा इंडियन ओपन सुपर-500 का टाइटल अपने नाम किया है। कॉमवेल्थ गेम्स में गोल्ड और थॉमस कप भी अपने नाम किया।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन की शुरुआत आज से 114 साल पहले 1908 में हुई थी।

2007 में यह सुपर सीरीज का दर्जा मिला और यह मेजर-12 टूर्नामेंट में शामिल हुआ। 2018 के बाद यह BWF टूर के 5 सुपर सीरीज टूर्नामेंट में शामिल है।

जब बॉलर खुद कन्फ्यूज हो जाए

अर्शदीप की नजर में रूसो एलबीडब्ल्यू नहीं थे, रोहित ने डीआरएस का फैसला किया और विकेट मिल गया

पर्थ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 स्टेज में भारत-साउथ अफ्रीका मैच जारी है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 133 रन बनाए। 134 चेज करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम को दूसरे ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने 2 बड़े झटके दिए।

पहली बॉल पर क्विंटन डिकॉक का विकेट मिला। उन्हें सेकंड स्लिप में लोकेश राहुल ने कैच किया। इसी ओवर की तीसरी बॉल पर राइली रुसो के खिलाफ LBW की अपील हुई। अंपायर ने नॉट आउट करार दिया। अर्शदीप को भी लगा कि बॉल लेग स्टंप्स की लाइन से बाहर है। लेकिन, कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने डिस्कशन के बाद के रिव्यू लेने का फैसला किया और यह भारत के फेवर में रहा।

इसे आप अनुभव का फायदा

मिलना भी कह सकते हैं। इस वर्ल्ड कप में अब तक अर्शदीप टीम इंडिया को शुरुआती ओवरों में विकेट दिलाते रहे हैं। रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी वो यही करते नजर आए। पहले क्विंटन डिकॉक को शानदार आउट स्विंगर के जरिए चलता किया। फिर राइली रूसो को।

रूसो का विकेट क्रिकेटिंग सेंस और एक्सपीरिएंस की शानदार मिसाल है। अर्शदीप की यह गेंद फुलर लैंथ थी और ऑफ स्टंप की लाइन से अंदर आई। रूसो शफल करके मिडल स्टंप की तरफ झुके थे। गेंद सीधे उनके पैड्स पर लगी। अर्शदीप ने काफी देर तक अपील की, लेकिन अंपायर रिचर्ड केटलब्रो ने नॉटआउट करार दिया।

रोहित और कार्तिक ने अर्शदीप की तरफ देखा, लेकिन बॉलर के मुताबिक गेंद लेग स्टंप को मिस कर रही थी। यानी उन्हें डीआरएस लेने में हिचकिचाहट थी। दूसरी तरफ, कार्तिक और रोहित को लग रहा था कि रूसो बिल्कुल स्टंप की लाइन में थे। बहरहाल, रोहित ने डीआरएस लेने का फैसला किया। इसमें साफ नजर आया कि रूसो विकेट के सामने थे और गेंद भी रेड कॉरिडोर में थी। आउट का फैसला आते ही विराट बहुत जोश में दिखाई दिए।

राइली रुसो के LBW डिसीजन को जैसे ही बिग स्क्रीन दिखाया गया टीम इंडिया सेलिब्रेट करने लगी। इस दौरान विराट कोहली का एनर्जेटिक सेलिब्रेशन भी देखने मिला।

दिनेश कार्तिक से नाखुश सहवाग:कहा- यह बेंगलुरु नहीं, ऑस्ट्रेलिया की बाउंसी विकेट्स हैं; कार्तिक की जगह पंत को मौका दें

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 5 विकेट से हरा दिया। अब ग्रुप-2 में साउथ अफ्रीका टॉपर हो गई है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया दूसरे नंबर पर आ गई है। इस मैच में सूर्यकुमार यादव को छोड़कर बाकी बैटर्स फ्लॉप रहे।

'मुल्तान के सुल्तान' नाम से मशहूर वीरेंद्र सहवाग ने विकेटकीपर बैट्समैन दिनेश कार्तिक की खराब फॉर्म पर सवालिया निशान लगाए। सहवाग ने कहा- यह बेंगलुरु का विकेट नहीं है। उनकी जगह ऋषभ पंत को मौका मिलना चाहिए था।

कार्तिक साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15 गेंद में सिर्फ 6 रन ही बना सके। पाकिस्तान के खिलाफ भी वो ऐन वक्त पर तब आउट हुए, जब टीम को एक अनुभवी बल्लेबाज की

बहुत जरूरत थी। हालांकि वो मैच भारत जीत गया था। बहरहाल, साउथ अफ्रीका के खिलाफ सूर्या को छोड़कर टीम इंडिया का कोई बैटर 15 से ज्यादा रन नहीं बना सका था।

सहवाग का सवाल

क्रिकेट वेबसाइट 'क्रिकबज' को दिए इंटरव्यू में सहवाग ने पंत और कार्तिक के बारे में अहम बातें कहीं। कार्तिक की खराब फॉर्म पर सवाल उठाए और तंज कसते हुए उन्हें नसीहत भी दी। वीरू ने कहा- ये बेंगलुरु का विकेट नहीं है। यह याद होना चाहिए कि ऑस्ट्रेलियाई विकेट्स काफी बाउंसी और तेज होते हैं। मुझे बताइए कि आखिरी बार दिनेश कब ऑस्ट्रेलिया में खेले थे? कब वो इस तरह के बाउंसी ट्रैक पर खेले थे? उन्हें इस तरह के विकेट्स पर खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है।

रेवंत रेड्डी ने लोगों से किया राहुल गांधी की पदयात्रा में भाग लेने का आग्रह

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख और पार्टी सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के लोगों से ऐतिहासिक चारमीनार में पार्टी नेता राहुल गांधी की चल रही पदयात्रा में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा दोपहर तीन बजे चारमीनार से शुरू होगी और शाम पांच बजे नेकलेस रोड पर पहुंचेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के शासन में भारत पिछले आठ वर्षों से नजरबंद है। न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, यहां तक कि जीवन की स्वतंत्रता भी विलुप्त हो गई है। जो भी उनसे सवाल करता है उसे देशद्रोही करार दिया जाता है। उनकी गलतियों को इंगित करना एक अपराध है।

अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को भाजपा ने पुनर्जीवित किया है। लोगों का दैनिक जीवन, वे क्या खाते हैं और क्या बोलते हैं, यह भी सरकार द्वारा तय किया जा रहा है। रुपया पहले की तरह गिर गया है। 22 करोड़ युवा बिना रोजगार या आजीविका के दुर्बल हो गए हैं। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। जरूरी चीजों के दाम सितारों तक पहुंच रहे हैं। हमारा देश हंगर इंडेक्स में 107वें स्थान पर आ गया है।

आगे बोलते हुए, उन्होंने राज्य में प्रतिद्वंद्वी टीआरएस पार्टी पर निशाना साधा और मजाक उड़ाया कि टीआरएस शासन को फार्महाउस तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आठ साल से टीआरएस ने भाजपा की अराजकता का समर्थन किया है। टीआरएस पार्टी ने केंद्र के काले कृषि कानूनों का भी समर्थन किया। लोकतांत्रिक संस्थाओं के विनाश का कोई अंत नहीं है। कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाकर वे अबाध शोषण का सहारा ले रहे हैं। कृषि ऋण माफी की गारंटी लागू नहीं की गई है। किसानों की आत्महत्या का सिलसिला बदस्तूर जारी है। मुफ्त खाद की गारंटी को जड़ से खत्म कर दिया गया है। बेरोजगारी भत्ता बेरोजगारों के लिए एक दूर का सपना बना हुआ है, जबकि वादा किया गया सरकारी नौकरियां अनिश्चित काल तक रिक्तियों के रूप में जारी रहती हैं।

बुनकरों ने पीएम मोदी को भेजे पोस्टकार्ड, निकाली विरोध रैली

हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी को वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र से हथकरघा उत्पादों और उसके कच्चे माल पर लगाए जा रहे पांच प्रतिशत जीएसटी को वापस लेने की मांग करते हुए, तेलंगाना के हथकरघा बुनकरों द्वारा हाथ से लिखे गए लाखों पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए। 22 अक्टूबर को अभियान शुरू करने के बाद हथकरघा और कपड़ा मंत्री केटी रामाराव द्वारा दिए गए एक कॉल के जवाब में पोस्टकार्ड भेजे गए हैं। हथकरघा बुनकर और हथकरघा समर्थक सोमवार को निजाम कॉलेज मैदान में एकत्र हुए और एबिड्स के जनरल पोस्ट ऑफिस में बड़ी संख्या में पोस्टकार्ड पोस्ट करने से पहले एक विशाल रैली निकाली। उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, मंत्री रामा राव की तस्वीरों और जीएसटीन हथकरघा उत्पादों और इसके कच्चे माल को हटाने की मांग करने वाले विभिन्न नारों के साथ तख्तियां लिए हुए थे। इस अवसर पर बोलते हुए, एमएलसी एल. रमना ने कहा कि जीएसटी लागू होने के कारण, हथकरघा बुनकर उच्च लागत लागत को देखते हुए अपने उत्पाद को सस्ती कीमतों पर बेचने में असमर्थ थे और अतिरिक्त कराधान ने इसे और खराब कर दिया था। उन्होंने केंद्र से जीएसटी को वापस लेने और विभिन्न बुनकरों की कल्याण योजनाओं को बहाल करने की मांग की, जिन्हें आईसीआईसीआई लोम्बार्ड स्वास्थ्य योजना, महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना और अन्य सहित खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने हथकरघा क्षेत्र की सुरक्षा के लिए कई उपाय किए हैं। उनमें से नेथन्ना कू बीमा, चेनेथा मित्रा, नेथन्नाकू चेयुथा और बुनकरों को कर्जमाफी शामिल हैं।

तेलंगाना राज्य हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष चिंता प्रभाकर, तेलंगाना पावरलूम और कपड़ा विकास निगम के अध्यक्ष गुडूरी प्रवीण, पूर्व राज्यसभा सांसद रापोलू आनंद भास्कर, वारंगल के मेयर गुंडू सुधारानी, गोशामहल के वरिष्ठ टीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह और अन्य ने कार्यक्रम और रैली में भाग लिया।

बंडी संजय ने सरदार वल्लभभाई पटेल को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज राज्य पार्टी मुख्यालय में देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एपी जितेंद्र रेड्डी, पूर्व मंत्री बाबू मोहन, राज्य पार्टी उपाध्यक्ष जी. मनोहर रेड्डी, राष्ट्रीय बीसी आयोग के पूर्व सदस्य टी. आचार्य और अन्य लोग थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने पटेल की सेवाओं को याद किया और कहा कि पटेल ने देश के लिए महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि पटेल तेलंगाना राज्य की मुक्ति के लिए जिम्मेदार है और कहा कि पटेल ने यह सुनिश्चित किया था कि देश की आजादी के बाद हैदराबाद रियासत का पाकिस्तान में विलय न हो। उन्होंने कहा कि पटेल की सेवाओं के सम्मान में पूरा देश सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मना रहा है।

निचले स्तर की राजनीति करते हुए झूठ फैला रहे हैं भाजपा नेता : हरीश

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने टीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने और झूठ बोलने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी पर निशाना साधा। सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि झूठ अब भाजपा के डीएनए में मिल गया है और बंडी संजय और किशन रेड्डी दोनों नेता बोलते हुए अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। किशन रेड्डी अब केंद्रीय मंत्री के रूप में एक संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें कुछ गरिमापूर्ण तरीके से बनाए रखना चाहिए और हमेशा बोलते समय लोगों को सच बताना चाहिए। बंडी संजय राष्ट्रीय पार्टी के राज्य इकाई के अध्यक्ष भी हैं। दुर्भाग्य से, उनका व्यवहार गली नेताओं की तुलना में कम है और दोनों अब मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की जनसभा की सफलता के बाद हताशा में हैं। यह कहते हुए कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के लगभग 99 प्रतिशत लोगों को राज्य सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया है, मंत्री ने कहा कि वह इस संबंध में सबूत दिखाने के लिए तैयार हैं और भाजपा नेताओं को बहस के लिए मुनुगोडु आने की चुनौती दी।

उन्होंने कहा कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में तेलंगाना में 1,01,279 किसानों के साथ रैतु बंडू योजना के सबसे अधिक लाभार्थी हैं। इसी तरह, लगभग 40,000 लोगों को असरा पेंशन मिल रही है और लगभग 1200 परिवारों को अब तक रैतू बीमा योजना मिली है। दलबदल के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि दलबदल को प्रोत्साहित करने में भाजपा पहली दोषी है और देश में आठ निर्वाचित सरकारों को गिराने का उसका इतिहास रहा है। केंद्र सरकार के सर्कुलर को दिखाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि पंप सेटों पर बिजली के मीटर लगाने के लिए तेलंगाना को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए हैं और उस पर राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन के तहत उधार सीमा प्राप्त करने का दबाव बनाया है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार इसे लागू करने के पहले दिन से ही कपड़ा पर जीएसटी लगाने का विरोध कर रही है और तेलंगाना के वित्त मंत्री इटेला राजेंदर, जो अब भाजपा विधायक हैं, ने जून में हुई जीएसटी परिषद की 16वीं बैठक में केंद्र के फैसले का विरोध किया है। इस अवसर पर विधायक कालेरू वेंकटेश, टीआरएस नेता स्वामी गौड़, दासोजू श्रवण और श्रीनिवास रेड्डी भी मौजूद थे।

तलासानी ने केंद्र से हथकरघा क्षेत्र पर जीएसटी वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मांग की कि केंद्र सरकार हथकरघा क्षेत्र पर लगाए गए पांच प्रतिशत जीएसटी को वापस ले। बुनकरों के समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात की और उन्हें हथकरघा क्षेत्र पर जीएसटी लागू होने के बाद बुनकरों की समस्याओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर ने बथुकम्मा साड़ियों के काम को पुरस्कृत करके और विभिन्न योजनाओं को शुरू करके हथकरघा क्षेत्र की महिमा को पुनर्जीवित किया और बुनकरों को बड़े पैमाने पर वित्तीय रूप से प्रोत्साहित किया।

कड़ी मेहनत करने वाले भ्रष्टाचार के खात्मे के रोलमॉडल होंगे : नरसिम्हा रेड्डी

सतर्कता जागरूकता उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने लिया भाग

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के उद्घाटन दिवस समारोह में पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय ने एल नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि ईमानदारी, कड़ी मेहनत और जीवन में नम्रता वाले व्यक्ति समाज में भ्रष्टाचार को मिटाने और राष्ट्र के विकास के लिए आदर्श होंगे। श्री रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, जबकि ब्रह्मा कुमारी सुनीता विशिष्ट अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री चंद्रिमा रॉय, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी ने की। रेल निलयम सभागार, सिकंदराबाद में आज 31 अक्टूबर, 2022 को "सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2022" आयोजित किया गया था। "सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022" एससीआर द्वारा 31 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2022 तक मनाया जा रहा है। वर्तमान वर्ष के लिए विषय "एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" है। इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय ने एल. नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खतरे को दूर करने का एकमात्र उपाय दृढ़ इच्छाशक्ति है। ईमानदार होने के लिए, व्यक्ति को आवश्यकता और लालच के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। ईमानदारी और कड़ी मेहनत का समावेश हमारे देश को भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित राष्ट्र की ओर ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक व्यक्ति मूल रूप से स्वभाव से ईमानदार होता है लेकिन धन और संसाधनों के संपर्क में आने पर स्वार्थ और लालच के कारण भ्रष्ट हो सकता है। देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर इस दिन यानी 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। उसी के उपलक्ष्य में एल. नरसिम्हा रेड्डी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि ब्रह्मा कुमारी सुनीता ने दर्शकों को आध्यात्मिकता पथ के महत्व के बारे में बताया और यह कैसे आज समाज के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं का समाधान साबित हो सकता है, खासकर भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आत्मा अपने सद्गुणों से दिव्य और पवित्र है, लेकिन इसे बनाए रखने के लिए एक नियमित और निरंतर आध्यात्मिक उन्मुख जीवन शैली की आवश्यकता है। बैठक की अध्यक्षता दक्षिण मध्य रेलवे की वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सुश्री चंद्रिमा रॉय ने की। श्री रेड्डी ने इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे का सतर्कता बुलेटिन "अनिमिषा" भी जारी किया।

पीसीसीएफ (कैम्प) लोकेश जायसवाल ने आज अरण्य भवन, सिकंदराबाद में आयोजित एक समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई।

भाकपा ने की सीबीआई को खत्म करने की मांग

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की वामपंथी पार्टी ने आज देश की शीर्ष जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को खत्म करने की मांग की। पार्टी के प्रदेश सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने कहा कि एजेंसी देश में पिंजरे में बंद तोता बन गई है। विधायक घोटाले के लिए नकद पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच की जानी चाहिए और कहा कि मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि वे भगवा पार्टी प्रमुख को घेर लेंगे, जो राज्य की वामपंथी पार्टियों के खिलाफ अपमानजनक और अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं।

पार्टी नेताओं सैयद अजीज पाशा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी और अन्य के साथ मीडियाकर्मियों से राज्य पार्टी मुख्यालय में बात करते हुए राव ने भाजपा नेताओं से पूछा कि क्या वे शपथ लेंगे कि उन्होंने एक पैसा भी खर्च नहीं किया। उन्होंने कहा कि संजय के पास देश की आधार समझ नहीं है और कहा कि भगवा पार्टी प्रमुख अज्ञानता से बोल रहे हैं। आगे बोलते हुए, राव ने कहा कि भाजपा देश के लिए खतरा बन गई है और कहा कि देश के किसी भी संवैधानिक निकाय के लिए उसके मन में कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सभी लाभ कमाने वाली कंपनियों को बेचकर उनका निजीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले आठ साल के शासन में महंगाई बढ़ी है और कहा कि भाजपा के शासन में रुपये का मूल्य भी कम हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के तीन काले कृषि कानूनों को अलग तरीके से लागू करने की कोशिश कर रही है।

दमरे ने 731 स्टेशनों पर विशेष अभियान चलाया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ भारत अभियान को जारी रखते हुए, भारत सरकार देश में स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने और बेहतर बनाने के लिए कई अभियान और पहल कर रही है। इस उद्देश्य के लिए, स्वच्छता में और सुधार, लंबित मामलों को कम करने और कार्य-संस्कृति में सुधार के लिए एक विशेष अभियान 2.0 शुरू किया गया था।

जैसा कि रेल मंत्रालय द्वारा परिकल्पित किया गया था, दक्षिण मध्य रेलवे ने भी अक्टूबर 2022 में बेहतर कार्य-संस्कृति के माध्यम से काम करने के सभी क्षेत्रों में स्वच्छता और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर 'विशेष अभियान 2.0' शुरू किया था। यह अभियान दक्षिण मध्य रेलवे के छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ में 731 रेलवे स्टेशनों पर चलाया गया। विशेष अभियान 2.0 के तहत प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई को तेज करने पर जोर दिया गया। यात्रियों को अपशिष्ट पदार्थों के उचित निपटान और रेलवे परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने की जिम्मेदारी लेने के बारे में जागरूक करने के लिए कई जागरूकता अभियान भी चलाए गए। इसके अलावा, कचरा और प्लास्टिक को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए रेलवे पटरियों और यार्डों पर व्यापक स्वच्छता गतिविधि की गई। यात्रियों को 'हर पेटी साफ सूत्री' उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने के बारे में भी बताया गया। कर्मचारियों, ठेका कर्मियों, जनता और यात्रा करने वाले यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक किए गए। पुराने अभिलेखों, मशीनरी, औजारों और संयंत्रों को तोड़कर इकाइयों/कार्यालयों की सफाई की गई। दमरे के महाप्रबंधक (प्रभारी), अरुण कुमार जैन ने सक्रिय रूप से भाग लेने और विशेष अभियान 2.0 को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए टीम एससीआर की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम सभी को महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में काम करना चाहिए।

कंटेनर लॉरी की चपेट में आने से चार की मौत

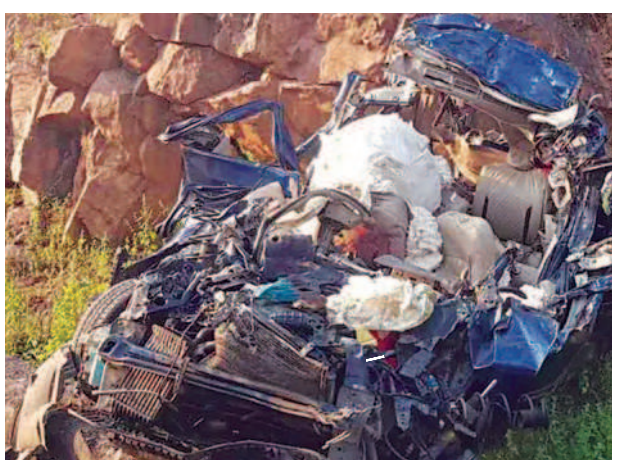

आदिलाबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर गुड़ीहतनूर मंडल के सीतागोंडी गांव में सोमवार तड़के एक कंटेनर लॉरी ने कार को टक्कर मार दी जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। पीड़ितों में से तीन आदिलाबाद टाउन के रहने वाले एक ही परिवार के थे। गुडीहतनूर इंस्पेक्टर न्युलू ने कहा कि पीड़ितों में सैयद रफतुल्लाह अहमद (56), उनकी बड़ी बेटी सबियम हासमी (26), भतीजा सैयद वजाहथ (17), आदिलाबाद जिला केंद्र के मोहम्मदनगर निवासी और केआरके कॉलोनी के कार चालक शमशुरुद्दीन (50) शामिल हैं। रफतुल्लाह की छोटी बेटी डॉक्टर जुबिया हासमी घायल हो गईं। कंटेनर लॉरी ने कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे रफथुल्ला, सबिया, वजाहथुल्ला और संशू घातक रूप से घायल हो गए, जिसके परिणामस्वरूप कार एक ट्रक से टकरा गई, जो लगभग 3.30 बजे उसके सामने आ रहा था।

ज़ुबिया को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)-आदिलाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बताई गई है। पांचों हैदराबाद से आदिलाबाद लौट रहे थे। दुर्घटना का कारण कंटेनर लॉरी के चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तरुण चुघ ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी तरुण चुघ ने आज राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव देश को भ्रमित करने के लिए बहुत नीचे गिर रहे हैं। यह कहते हुए कि केसीआर हमेशा लोकतंत्र में मूल्यों की बात करते हैं, उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े में आधिकारिक मशीनरी और राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग करने का प्रयास करके सीएम ने खुद लोकतंत्र का अपमान किया। सीएम के भाषण पर टिप्पणी करते हुए चुघ ने कहा कि रविवार को मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के चंदूर में आयोजित एक जनसभा में सीएम का भाषण बेहद भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है।

सरकारी कर्मचारियों ने बंडी से की अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगने की मांग

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय की उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से नाराज, तेलंगाना राजपत्रित और अराजपत्रित अधिकारी संघों के नेताओं ने सोमवार को उनसे बिना शर्त माफी मांगने की मांग की, जिसमें विफल रहने पर कर्मचारी राज्यव्यापी विरोध शुरू करेंगे। विरोध के निशान के रूप में काले बैज पहनकर, सरकारी कर्मचारियों ने हैदराबाद के विभिन्न सरकारी कार्यालयों से टीएनजीओ भवन तक कई रैलियां निकालीं। संजय ने रविवार को कहा कि टीजीओ और टीएनजीओ एसोसिएशन के नेता सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं और सरकारी कर्मचारियों से संबंधित वास्तविक मुद्दों को छोड़ रहे हैं। इन टिप्पणियों के विरोध में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सोमवार को 33 जिलों में काले बैज के साथ प्रदर्शन किया।

यहां टीएनजीओ भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, टीएनजीओ के एसोसिएशन के अध्यक्ष और कर्मचारी संयुक्त कार्य समिति के अध्यक्ष एम राजेंदर ने कहा कि संजय की टिप्पणी अनुचित और कर्मचारियों की भावना को गिराने वाली है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के किसी भी सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध होते हैं। उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव के दौरान सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं कर रहे हैं और केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

टीजीओ एसोसिएशन के अध्यक्ष और कर्मचारी जेएसी के महासचिव वी ममता ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव हमेशा कर्मचारियों के कल्याण के प्रति पक्षपाती रहे हैं और उन्होंने 2021 में वेतन संशोधन आयोग के अनुसार 30 प्रतिशत वृद्धि सहित मांग से अधिक दिया। उन्होंने मांग की कि यदि संजय को कर्मचारियों से कोई लगाव है तो वह अंशदायी पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन पद्धति को लागू करने के लिए केंद्र को समझाएं। उन्होंने महिला कर्मचारियों के खिलाफ संजय की अपमानजनक टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.